RNI No. DELHIN/2010/35423, Postal: DL(E)-20/5435/2016-18 राष्ट्रीय संस्करण www.swarajkhabar.com, Email :- editorswarajkhabar@gmail.com

खबरों का स्वराज

स्वराज ख़बर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

● दिल्ली ● नोएडा ● देहरादून ● पटना से एक साथ प्रकाशित

11 जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्नि परीक्षा ..

दिल्ली ● वर्ष : 17 ● अंक : 239 ● गुरुवार 7 अगस्त 2025 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य ₹3

शाहिद के साथ नजर आएंगी तमन्ना भाटिया रोमियो ... 08

गलवान झड़प के बाद पहली बार चीन जाएंगे मोदी

● एससीओ समिट में होंगे शामिल, 11 साल में 5 बार गए पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससीओ समिट में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। यह 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद मोदी की पहली चीन यात्रा होगी।

मोदी इससे पहले 2018 में वहां गए थे। प्रधानमंत्री के तौर पर पीएम मोदी का यह छठा चीन दौरा होगा, जो 70 सालों में किसी भी भारतीय पीएम की सबसे ज्यादा चीन यात्रा है।

चीन से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। जयशंकर ने जल संसाधन डेटा शेयर करने, व्यापार प्रतिबंधों, एलएसी पर तनाव कम करने और आतंकवाद और उग्रवाद के खिलाफ

कड़ा रुख अपनाने जैसे मुद्दों पर बात की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मुलाकात ने मोदी की चीन यात्रा का रोडमैप तैयार किया था। मोदी और जिनपिंग ने आखिरी बार अक्टूबर 2024 में रूस के कजान में ब्रिक्स समिट के दौरान मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी हुई थी। 50 मिनट की बातचीत में पीएम मोदी ने कहा था कि सीमा पर शांति और स्थिरता बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। आपसी विश्वास, आपसी सम्मान और आपसी संवेदनशीलता हमारे संबंधों की नींव बनी रहनी चाहिए। पीएम मोदी की यह चीन यात्रा ऐसे समय पर हो रही है, जब सारी दुनिया अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प की टैरिफ नीतियों से जूझ रही है। ट्रम्प ने भारत पर रूसी तेल और हथियार खरीद की वजह से 25 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। भारत रूसी तेल का बड़ा खरीददार है।

क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी रोकने से हाईकोर्ट का इनकार

● कोर्ट ने कहा-रेप पीड़ित नाबालिग है

जयपुर (एजेंसी)। आईपीएल चैंपियन आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल को नाबालिग से रेप के मामले में राजस्थान हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। जयपुर में जस्टिस सुदेश बंसल की अदालत ने कहा–पीड़ित नाबालिग है, इसलिए गिरफ्तारी और

पुलिस कार्रवाई पर रोक नहीं लगा सकते। अदालत ने केस डायरी तलब की है। अगली सुनवाई 22 अगस्त को होगी। बहस के दौरान क्रिकेटर के वकील कुणाल जैमन ने कहा–हमारे खिलाफ गाजियाबाद में भी एक लड़की ने रेप केस किया था। जिस पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी थी। उसके 7 दिन बाद ही जयपुर में दूसरी लड़की ने केस दर्ज करवा दिया। इस मामले में पूरा गिरोह सक्रिय है। जो इस तरह के मुकदमे दर्ज करवाकर ब्लैकमेल करना चाहता है। जयपुर की लड़की ने मामला दर्ज कराया है।

महंगे नहीं होंगे लोन, ईएमआई भी नहीं बदलेगी

● आरबीआई ने रेपो रेट में नहीं किया है बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस बार रेपो रेट में बदलाव नहीं किया है। इसे 5.5 फीसदी पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी।

आरबीआई ने जून में ब्याज दर 0.50 घटाकर 5.5 फीसदी की थीं। यह फैसला मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की 4 से 6 अगस्त तक चली मीटिंग में लिया गया। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने आज यानी 6 अगस्त को इसकी जानकारी दी। गवर्नर ने कहा कि कमेटी के सभी मेंबर्स ब्याज दरों में स्थिर रखने के पक्ष में थे। टैरिफ अनिश्चितता के कारण ये फैसला लिया गया है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई जिस रेट पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं।

जन-धन खाते की फिर करानी होगी केवायसी

योजना के 10 साल पूरे

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने आज 3 बदलावों की घोषणा की है। ये बदलाव जनधन स्कीम, इंश्योरेंस क्लेम रूल्स और निवेश से जुड़े हैं। जन धन योजना को 10 साल पूरे होने वाले हैं, और बहुत से अकाउंट होल्डर्स को अपना केवायसी अपडेट कराना है। इसे देखते

हुए, आरबीआई ने बैंकों को 1 जुलाई से 30 सितंबर तक ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष कैंप लगाने का निर्देश दिया है। इन कैंपों में लोग अपना खाता अपडेट करा सकेंगे, नए खाते खुलवा सकेंगे, और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी सरकारी योजनाओं की जानकारी भी ले सकेंगे। आरबीआई ने डेड अकाउंट होल्डर्स के क्लेम्स सेटलमेंट के लिए यूनिफॉर्म प्रोसेस की घोषणा की है।

'आफत' बनी बारिश, दरक रहे हैं पहाड़

● हिमाचल के किन्नौर में 2 श्रद्धालुओं की मौत ● किन्नर कैलाश यात्रा रुकी, 413 तीर्थयात्री बचे

उत्तराखंड के पौड़ी में बादल फटा, संकट बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहाड़ों पर मानसून की बारिश आफत लेकर आई है। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार रात से जारी भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। किन्नौर जिले में सालाना होने वाली किन्नर कैलाश यात्रा पर गए दो श्रद्धालुओं की बाढ़ में बहने से मौत हो गई। अचानक आई बाढ़ से यात्रा रूट पर दो पुल भी बह गए। बाकी का रास्ता भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, जिसके कारण यात्रा रोक दी गई है। कई श्रद्धालु फंसे हुए हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीम ने जिपलाइन की मदद से 413 तीर्थयात्रियों को बचाया है। मंगलवार रात में चंडीगढ़-मनाली नेशनल हाईवे पर भी लैंडस्लाइड हुई। सड़कों पर बड़ी-बड़ी चट्टान गिरने से राज्य में 500 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। शिमला, मंडी, सोलन और कुल्लू जिले में स्कूलों की छुट्टी कर दी गई है। उत्तराखंड में बुधवार को भी भारी बारिश जारी है। पौड़ी जिले में बादल फटा है। यहां के बुरांसी गांव में मलबा गिरने से दो महिलाएं दब गईं। इनमें से एक महिला का शव बरामद हो चुका है, जबकि दूसरी की तलाश जारी है। वहीं, बाकुंडा गांव में भी बादल फटा, जहां 5 नेपाली मजदूरों के बहने की सूचना है। कर्णप्रयाग में पहाड़ ढहने से बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। हरिद्वार-देहरादून रेल पर चट्टान गिरने से रेलों की आवाजाही बंद कर दी गई है। मौसम विभाग ने बुधवार को केरल में भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। वहीं, कर्नाटक, तमिलनाडु और पुडुचेरी में ऑरेंज अलर्ट जारी है।

11 जवानों समेत 100 से ज्यादा लापता, एक शव बरामद, अब तक पांच की मौत

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में उत्तरकाशी के धराली गांव में मंगलवार दोपहर करीब 1.45 बजे बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो चुकी है। बुधवार सुबह रेस्क्यू-सर्च ऑपरेशन के दौरान एक डेडबॉडी बरामद की गई। उसकी पहचान की जा रही है। 100 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं। कल से लेकर अभी तक 150 से ज्यादा लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है। आईटीबीपी, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और आर्मी की टीमें बचाव कार्य में जुटी हैं।

बुधवार सुबह पीएम मोदी ने उत्तराखंड सीएम पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बात की। इसके बाद धामी ने धराली और दूसरी जगहों का एरियल सर्वे किया।

उन्होंने अधिकारियों के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन को लेकर मीटिंग भी की। गंगोत्री तीर्थयात्रियों के प्रमुख पड़ाव धराली गांव के बाजार-मकान, होटल बह गए खीर गंगा नदी में पहाड़ों से बहकर आए मलबे से बहे, सिर्फ 34 सेकेंड में ये बर्बादी हुई।

ट्रम्प ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया

● अब कुल 50 फीसदी टैरिफ, आदेश पर किए दस्तखत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत पर 25 फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने गुरुवार को इससे जुड़े एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पर साइन किए। यह आदेश 27 अगस्त से लागू होगा। इससे पहले उन्होंने 30 जुलाई को 25 फीसदी टैरिफ का ऐलान किया था। अब तक अमेरिका की तरफ से भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने रूसी तेल खरीद की वजह से भारत पर यह ऐक्शन लिया है। उन्होंने एक दिन पहले कहा था भारत रूसी तेल खरीद कर यूक्रेन युद्ध जारी रखने में रूस की मदद कर रहा है। इस वजह से अमेरिका भारत पर ऐक्शन लेगा।

ट्रम्प ने आज के एग्जीक्यूटिव ऑर्डर में लिखा है- भारत सरकार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष तरीके से रूस से तेल आयात कर रही है। ऐसे में अमेरिका में दाखिल होने वाले भारत के सामानों पर 25 फीसदी का एक्स्ट्रा टैरिफ लागू होगा। यह शुल्क 21 दिन बाद से लागू होगा। हालांकि कुछ खास परिस्थितियों में इस टैरिफ से छूट भी दी जाएगी जैसे कि यदि कोई सामान पहले ही समुद्र में लद चुका है और रास्ते में है, या यदि वह कुछ खास तारीख से पहले अमेरिका में पहुंच चुका है। इससे पहले मार्च 2022 में अमेरिका ने एक आदेश जारी कर रूसी तेल और उससे जुड़े उत्पादों के अपने देश में आयात पर पूरी तरह रोक लगा दी थी।

आम लोगों ने भी धर्म के लिए दिए हैं कई बलिदान

● भागवत बोले-दुनिया को विविधता अपनाने वाले धर्म की जरूरत

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने बताया-जैसे कि अपना हिंदू धर्म है

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि दुनिया को उस धर्म की जरूरत है जो विविधताओं को अपनाए, जैसे कि हिंदू धर्म। उन्होंने कहा कि धर्म हमें अपनापन और विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। भागवत ने कहा कि हम विविध हैं, लेकिन अलग नहीं हैं। अंतिम सत्य यह है कि हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन वास्तव में हम एक ही हैं। भागवत नागपुर में धर्म जागरण न्यास के नए कार्यालय के उद्घाटन समारोह में

बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि हर किसी ने फिल्म 'छावा' देखी है जो छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित है। केवल महान लोग ही नहीं, आम लोगों ने भी धर्म के लिए बलिदान दिया है। भागवत ने कहा कि धर्म सत्य है और पुण्य कार्य है, जो समाज में शांति बनाए रखने में सहायक होता है। धर्म के मार्ग पर जिम्मेदारी के साथ चलने से व्यक्ति को संकट के समय साहस और रास्ता खोजने का संकल्प मिलता है। संघ प्रमुख ने धर्म के महत्व और समाज में इसकी भूमिका पर बात की।

ट्रम्प धमका रहे, मोदी सामना नहीं कर पा रहे

● राहुल बोले-अडाणी के खिलाफ चल रही अमेरिकी जांच से उनके हाथ बंधे हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी, ट्रम्प की धमकियों के सामने खड़े नहीं हो पा रहे हैं। इसकी वजह यह है कि अडाणी के खिलाफ अमेरिकी जांच चल रही है। ऐसे में मोदी के हाथ बंधे हुए हैं। मोदी का एए (अडाणी-अंबानी) के साथ क्या संबंध है, यह उजागर हो

चुका है। पिछले साल अमेरिका में अडाणी समेत 8 लोगों पर अरबों रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे थे। अमेरिकी अटॉर्नी ऑफिस आरोप पत्र के मुताबिक, अडाणी ने भारत में प्रोजेक्ट गलत तरीके से हासिल किए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कर्तव्य भवन का किया उद्घाटन

● इसमें गृह और विदेश समेत सात मंत्रालयों के ऑफिस

24 कॉन्फ्रेंस रूम के साथ 600 कार हो सकेंगी पार्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को दिल्ली में कर्तव्य पथ पर कर्तव्य भवन-03 बिल्डिंग का उद्घाटन किया। यह 2019 में शुरू हुई सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट का हिस्सा है और कॉमन सेंट्रल सेक्रेटरिएट की 10 में से पहली बिल्डिंग है। कर्तव्य भवन-03 का उद्घाटन सबसे पहले किया गया है। इसे दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर स्थित विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर उनके बीच बेहतर कोआर्डिनेशन और कामों में तेजी लाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें ग्राउंड फ्लोर सहित 7 फ्लोर हैं। यहां गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक

गैस मंत्रालय, प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार और इंटेलीजेंस ब्यूरो के ऑफिस होंगे। यह 1.5 लाख वर्ग मीटर में फैला है।

दोनों सदनों में बिहार एसआईआर मुद्दे पर हंगामा

● नहीं चल पाई कार्यवाही, दोनों सदन कल तक स्थगित ● हंगामे के बीच लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल पास

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र का आज 13वां दिन था। राज्यसभा और लोकसभा को 7 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। पोर्ट, शिपिंग और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बुधवार को लोकसभा में मर्चेंट शिपिंग बिल, 2024 पेश किया। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इससे पहले गुरुवार सुबह दोनों सदन शुरू होते ही विपक्ष ने बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन मामले पर हंगामा शुरू कर दिया। वहीं, विपक्षी दलों के नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला से मांग की है कि नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025 और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी (संशोधन) विधेयक, 2025 को संयुक्त संसदीय समिति को भेजा जाए। बीते दिन राज्यसभा में मणिपुर में लागू राष्ट्रपति शासन की अवधि छह महीने और बढ़ाने

का प्रस्ताव स्वीकार किया गया। वहीं, लोकसभा में गोवा राज्य के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनः समायोजन विधेयक, 2024 पारित किया गया। 12 दिनों में अब तक 2 दिन चर्चा हुई 21 जुलाई को शुरू हुए मानसून सत्र के बाद से संसदीय कार्यवाही करीब ठप रही है। बिहार में वोटरों के वेरिफिकेशन मामले पर विपक्षी पार्टियों ने हर दिन विरोध-प्रदर्शन किए। 11 दिनों के दौरान, सिर्फ 28 और 29 जुलाई को सदन में पूरे दिन की कार्यवाही चली। दोनों दिन, पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर पर दोनों सदनों में चर्चा हुई थी। खेल संगठनों और खिलाड़ियों के बेहतर संचालन और पारदर्शिता के लिए लाया गया एक कानून है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारत में खेल संघ अच्छे तरीके से काम करें और खिलाड़ियों के अधिकारों का ध्यान रखें।

योजनाओं में सीएम के नाम और फोटो का हो सकेगा इस्तेमाल

● तमिलनाडु सरकार को राहत, सुप्रीम कोर्ट ने रद्द किया हाईकोर्ट का आदेश

चेन्नई (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार बड़ी राहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें तमिलनाडु

सरकार को कल्याणकारी योजनाओं में वर्तमान और पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम व तस्वीरों के उपयोग पर रोक लगाई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए आदेश को निरस्त कर दिया कि यह याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजरिया की पीठ ने याचिकाकर्ता और अन्नाद्रमुक नेता षणमुगम पर जुर्माना भी लगाया।

संक्षिप्त समाचार

दिल्लीवाले ध्यान दें! अब आय प्रमाणपत्र बनवाने के ये डॉक्यूमेंट जरूरी, बदल गए नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने दिल्ली सरकार के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत आय प्रमाण पत्र जारी करने के लिए आधार संख्या को अनिवार्य किया गया है। उपराज्यपाल कार्यालय के अनुसार यह प्रमाण पत्र दिल्ली में किसी भी सरकारी योजना के तहत वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए, आवेदक की पात्रता निर्धारित करता है। इस कदम का उद्देश्य आवेदकों को आय प्रमाण पत्र जारी करने में किसी भी अनियमितता या कदाचार पर रोक लगाना है। साथ ही यह भी सुनिश्चित करना है कि किसी योजना या वित्तीय सहायता का लाभ उसके अंतर्गत पंजीकृत वास्तविक लाभार्थियों को ही मिले। एलजी ने आधार अधिनियम, 2016 की धारा 7 के तहत आय प्रमाण पत्र जारी करने की सेवा को अधिसूचित करने को मंजूरी दे दी है। इसके तहत केंद्र या राज्य सरकार की निधि से वित्त पोषित सब्सिडी के लिए आधार-आधारित प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा।मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा अनुमोदित इस प्रस्ताव में कहा गया है कि दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र का उपयोग, विभिन्न योजनाओं और सब्सिडी के लिए लाभार्थियों की पात्रता तय करने के लिए किया जाता है। आधार के उपयोग से लाभार्थियों की पहचान प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और कुशल बनाया जाएगा। वहीं, आधार अनिवार्य बनाने के बाद, लाभार्थी को अपनी पहचान साबित करने के लिए कई अन्य दस्तावेजों को प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं रहेगी।

कांग्रेस सांसद की चेन छीनने वाला पकड़ा गया,दिल्ली पुलिस ने सुलझा लिया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में कांग्रेस सांसद आर सुधा की चेन छीनकर फरार होने वाले बदमाश को पुलिस ने पकड़ लिया है। दिल्ली पुलिस ने छीनी गई चेन भी बरामद कर ली है। मामले की जांच जारी है। इस मामले में और जानकारी मिल सकती है। बता दें कि आर सुधा ने अपने साथ हुई इस घटना के लिए गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी लिखा था और आरोपी को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की थी। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस सांसद से हुई चेन स्नेचिंग की घटना का खुलासा करते हुए बताया कि हमने कांग्रेस सांसद आर.सुधा के साथ हुई चेन स्नेचिंग का मामला सुलझा लिया है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और छीनी गई चेन बरामद कर ली गई है। मामले की जांच जारी है और जल्द ही और जानकारी मिलने की उम्मीद है। बता दें कि आर.सुधा तमिलनाडु के मयिलादुथुरई लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। सोमवार को तमिलनाडु से कांग्रेस सांसद सुधा,तमिलनाडु भवन के पास सुबह की सैर पर थीं,तभी एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति उनकी सोने की चेन छीनकर और उनके कपड़े फाड़कर भाग गया। उन्हें मामूली चोटें भी आई हैं। उन्होंने दिल्ली की कानीन व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा था कि जब एक महिला सांसद के साथ ऐसी घटना हो सकती है,तो आमजन कैसे सुरक्षित रहेंगे।

ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में ईडी का बड़ा एक्शन, दिल्ली से देहरादून तक ताबड़तोड़ छापेमारी

नई दिल्ली, एजेंसी। ईडी ने ग्लोबल साइबर फ्रॉड मामले में दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून में 11 ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापेमारी शुरू की। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के तहत सीबीआई और दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज स्नढ्ढक्र के आधार पर शुरू हुई है। जांच में खुलासा हुआ है कि ठगों ने विदेशी और भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया। ये धोखेबाज खुद को पुलिस या जांच अधिकारी बताकर लोगों को गिरफ्तारी की धमकी देकर उनकी संपत्ति हड़प लेते थे। इतना ही नहीं, कुछ ठगों ने माइक्रोसॉफ्ट और अमेजन जैसी कंपनियों के टेक सपोर्ट एजेंट बनकर भी लोगों को ठगा। पीड़ितों से लूटी गई रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदला गया और फिर उसे आरोपी व्यक्तियों तक पहुंचाया गया। श्वष्ठ की जांच में पता चला कि आरोपियों ने 260 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि बिटकॉइन के रूप में कई क्रिप्टो-वॉलेट्स में जमा की।

केजरीवाल ने जिसे फांसी घर बताया, भाजपा ने उसे टिफिन रूम कहा

दिल्ली विधानसभा में तीखी बहस

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को भाजपा और आप के बीच तीखी बहस हुई। मुद्दा बना विधानसभा परिसर स्थित एक कमरा। इस कमरे को अरविंद केजरीवाल ने फांसी घर बताया था, लकिन बीजेपी का कहना है कि यह टिफिन रूम था। भाजपा विधायकों ने अरविंद केजरीवाल से माफी मांगने की मांग की।

दिल्ली विधानसभा में मंगलवार को भाजपा और आप के बीच उस समय बहस छिड़ गई जब अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन को बताया कि तथाकथित ब्रिटिशकालीन फांसी घर मूल रूप से एक टिफिन रूम था। 2022 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसे फांसी घर बताते हुए नवीनीकरण कराने के बाद विधानसभा परिसर में इसका उद्घाटन किया था। लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा ने पिछली आप सरकार पर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया और कहा कि कमरे में लगी स्वतंत्रता सेनानियों की तस्वीरें हटा दी जाएंगी।

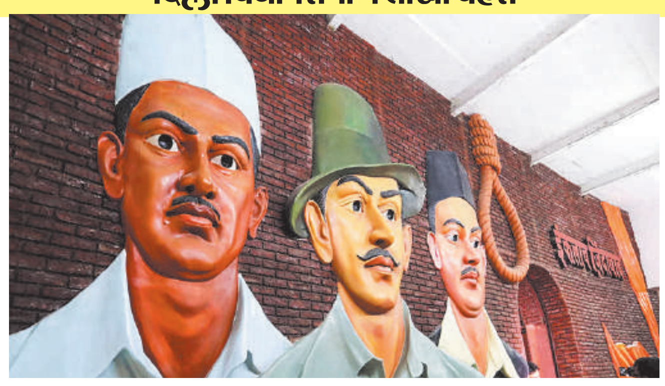

भाजपा ने सदन को गुमराह करने के लिए आप प्रमुख केजरीवाल से माफी की मांग की। वहीं, आप विधायकों ने अध्यक्ष से ऐसे समय में यह मुद्दा उठाने पर सवाल उठाया जब राष्ट्रीय राजधानी कई गंभीर समस्याओं से जूझ रही है। इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस हुई। ब्रिटिश संसद के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी इस नजारे को देखा। नक्शे से यह भी पता चलता है कि वर्तमान अध्यक्ष कक्ष पहले सदस्यों का पुस्तकालय था और उपसभापति का कमरा ब्रिटिश शासन के दौरान वायसराय का कमरा था। उन्होंने कहा कि नक्शे में पुराने समय में एक धूम्रपान कमरे की मौजूदगी का भी संकेत दिया गया है। उन्होंने 9 अगस्त 2022 को भारत छोड़ो आंदोलन की वर्षगांठ पर टिफिन रूम का फांसी घर के रूप में उद्घाटन करने के लिए पिछली आप सरकार की आलोचना की। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इतिहासकारों के साथ एक बैठक भी हुई, जिन्होंने कहा कि तथाकथित फांसी घर और उससे जुड़ी संरचना वास्तव में एक टिफिन रूम और एक लिफ्ट थी। हमें उपलब्ध कराए गए राष्ट्रीय अभिलेखागार के दस्तावेजों ने भी इसे साबित कर दिया है। अध्यक्ष ने कहा कि विधानसभा से लालकिला तक सुरंग होने का दावा भी गलत है। इतिहासकारों का कहना है कि पुराने समय में ऐसी इमारतों में भूमिगत वेंटिलेशन नलिकाएं होती थीं। विधायकों ने मांग की कि आप सुप्रीमो और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल झूठे दावों से लोगों को गुमराह करने और इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने के लिए माफी मांगें। भाजपा विधायक अजय महावर ने इस मामले में आम आदमी पार्टी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने का प्रस्ताव रखा। अध्यक्ष ने विपक्षी आप विधायकों से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा। उन्होंने आप विधायकों को बुधवार को तथ्यों और दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। आप विधायक जरनैल सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने की कोशिश कर रही है और चैटजीपीटी से मिली जानकारी का हवाला देकर विधानसभा परिसर में फांसी घर होने के दावे का बचाव करने की कोशिश की।

मेरी नहीं हुई तो किसी और की भी नहीं होने दूंगा; दिल्ली में ब्रेकअप से नाराज युवक ने की लड़की की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में मंगलवार को हुई एक सनसनीखेज वारदात में ब्रेकअप से नाराज एक युवक ने 15 वर्षीय लड़की की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि यह वारदात एक स्थानीय बाजार में हुई, जिसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान 20 वर्षीय युवक आर्यन के रूप में हुई है, जिसका कहना है कि लड़की ने उसके साथ ब्रेकअप कर लिया था, इसी बात से नाराज होकर उसने वारदात को अंजाम दिया। हालांकि लड़की के परिजनों का कहना है कि आरोपी पीड़िता को परेशान कर रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी उससे कहता था अगर तुम मेरी नहीं हुई, तो मैं तुम्हें किसी और की भी नहीं होने दूंगा और उसकी मां भी इसमें शामिल है। आरोपी ने इस वारदात को तब अंजाम दिया, जब पीड़िता अपनी सहेली के साथ स्थानीय बाजार में नाश्ता करने आई थी। इसी दौरान आरोपी उसके पास पहुंचा और सबके सामने बहुत पास से उसे कई गोलियां मार दीं। जिसके बाद उसे बीजेआरएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि, आर्यन ने ही पीड़िता को मिलने के लिए बाजार में बुलाया था। इसी दौरान जब वह एक क्लिनिक के सामने खड़ी थी, तभी उसने उस पर पहली गोली चलाई। गोली उसके कंधे के पास लगी और वह खुद को बचाने के लिए क्लिनिक के अंदर भागी। इसी दौरान आरोपी ने उस पर फिर से गोली चला दी और इस बार गोली पीड़िता के सिर में लगी। पुलिस का कहना है कि पीड़िता और आरोपी एक ही ट्यूशन क्लास में पढ़ते थे और पिछले एक साल से रिलेशनशिप में थे। इस दौरान आर्यन पीड़िता पर लगातार हक जताने लगा था और हर बात पर टोकाटाकी करने लगा था। यहां तक कि उसने पीड़िता को बिना उसकी इजाजत के घर से बाहर निकलने के लिए भी मना कर रखा था, क्योंकि उसे और उसके एक साथी को शक था कि पीड़िता किसी और से भी बात करती है।

पापा से कहती थी कि कॉल सेंटर में जॉब, हर रात 8-10 ग्राहक को खुश करना होता था; 16 साल की एक बच्ची

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने देह व्यापार में धकेली गई एक 16 साल की बच्ची को मुक्त कराया है। वह कैसे इस धंधे में धकेली गई और किस तरह इतनी छोटी उम्र में उसे जुल्म का सामना करना पड़ा? लड़की ने जो बातें बताईं वह चौंकाने वाली हैं। एसोसिएशन फॉर वालंटरी ऐक्शन की सूचना पर मुक्त कराई गई नाबालिग लड़की ने बताया कि उसे साल भर पहले इस काली दुनिया में धकेला गया जहां उसे हर रात 8 से 10 ग्राहकों को खुश करना पड़ता था। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और इस गिरोह में शामिल अन्य संदिग्धों के बारे में तहकीकात जारी है।

पीड़ित बच्ची ने बताया कि दर्द की शिकायत करने पर उसे दर्द निवारक गोलियां दी जाती थीं और फिर ग्राहकों के पास भेज दिया जाता था। इस काम के लिए उसे 500 रुपए दिए जाते थे लेकिन ये पैसे भी उसे कभी-कभार और मांगने पर ही मिलते थे। जब उसने खुद को छोड़ देने की विनती की तो ट्रैफिकिंग गिरोह के सदस्य उसे उसके रिकॉर्ड किए गए वीडियो दिखाकर धमकाते थे कि अगर उसने इस काम से मना करने या भागने की कोशिश की तो इसे सार्वजनिक कर दिया जाएगा।

पीड़ित बच्ची को उसकी एक सहेली ने बहला-फुसला कर इस धंधे में धकेला था। सहेली ने बच्ची से कहा था कि वह उसे किसी ऐसे आदमी से मिलवाएगी जो रुपए-पैसे की उसकी सभी समस्याएं चुटकियों में दूर कर देगा। बच्ची ने बताया, सहेली ने मुझे एक भईया से मिलवाया जिन्होंने मुझे ढेर सारे पैसे कमाने के सब्जबाग दिखाए। तब मुझे समझ में नहीं आया कि मुझे किस दलदल में धकेला जा रहा है। जैसे ही मुझे समझ में आया, मैंने इससे बाहर निकलने की कोशिश की। लेकिन उन लोगों ने चुपके से रिकॉर्ड किए गए वीडियो दिखाकर मुझे मुंह बंद रखने की धमकी दी।

यूट्यूबर एल्विश यादव को सांप के जहर वाले वीडियो और रेव पार्टी मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी।
यूट्यूबर एल्विश यादव को सांप के जहर वाली वीडियो और रेव पार्टी की मेजबानी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई करते हुए एल्विश यादव के खिलाफ ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही एल्विश की याचिका पर यूपी पुलिस को नोटिस भी जारी किया गया है। आगे जानिए क्या था पूरा मामला।

दरअसल कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें एल्विश यादव हाथ में सांप लेकर सांप और उसके जहर से जुड़ी बातें करते दिखाई दे रहे थे। इसके बाद उन पर सांप के जहर का इस्तेमाल करने का आरोप लगा था। साथ ही साथ उनके ऊपर रेव पार्टियों की मेजबानी करने का भी आरोप है, जहां विदेशी नागरिकों ने कथित तौर पर जहर और अन्य नशीले पदार्थ की सप्लाई की थी।

इसके चलते ट्रायल कोर्ट में उनके खिलाफ मामला चल रहा था। मामला देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, एल्विश की तरफ से याचिका भी लगाई गई। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया है।

इसके साथ-साथ एल्विश द्वारा दायर की गई याचिका पर यूपी पुलिस को नोटिस भी जारी किया गया है। नोएडा पुलिस ने एल्विश यादव के खिलाफ जहरीले सांपों की तस्करी और नागिन डांस पार्टी में सांपों के उपयोग को लेकर एफआईआर दर्ज की थी। यह मामला साल 2023 का है। आरोप था कि एल्विश यादव की पार्टियों में ज़हरीले सांपों का इस्तेमाल होता था। इसमें वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के उल्लंघन की बात थी। एल्विश यादव अपने देशी अंदाज़ और फनी वीडियो के लिए जितने लोकप्रिय हैं, उतने ही विवादों में भी रह चुके हैं। एल्विश पर कई बार अपने वीडियो में आपत्तिजनक भाषा और महिलाओं के प्रति असंवेदनशील व्यवहार का आरोप लगा है। कुछ लोग उनके कंटेंट के लिए उन्हें मिसोजिनिस्ट (महिला विरोधी) भी बताते हैं।

दिल्ली में रिश्वत लेते निगम का सीबीआई गिरफ्तार, सीबीआई टीम ने 50 हजार लेते रंगे हाथों धरा; बुजुर्ग ने की थी शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी।
सीबीआई की टीम ने दिल्ली नगर निगम के नजफगढ़ जोन में तैनात अपर डिवीजन क्लर्क को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्मचारी ने निगम से रिटायर्ड एक बुजुर्ग से करीब साढ़े आठ लाख रुपए की ग्रेच्युटी की राशि जारी करने के बदले 10 प्रतिशत की रिश्वत की मांग की थी। जिसके बाद उस बुजुर्ग ने सीबीआई से इस बात की शिकायत कर दी। जिस पर कार्रवाई करते हुए मंगलवार को जांच एजेंसी ने आरोपी कर्मचारी को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। शिकायतकर्ता ने निगम के नजफगढ़ जोन में तैनात यूडीसी पर आरोप लगाया कि उसने ग्रेच्युटी की 8 लाख 38 हजार

565 रुपए की राशि जारी करने के बदले कुल रकम में से 10 प्रतिशत रिश्वत की मांग की थी। आरोपी यूडीसी दस प्रतिशत रिश्वत न देने पर शेष ग्रेच्युटी की रकम जारी नहीं करने की बात कहकर ब्लैकमेल कर रहा था। शिकायतकर्ता से बातचीत के बाद आरोपी यूडीसी फिलहाल 50 हजार रुपए लेकर फाइल आगे बढ़ाने और बाकी की रकम प्रक्रिया पूरी होने के बाद लेने के लिए तैयार हो गया। जिसके बाद पीड़ित बुजुर्ग ने इस मामले की शिकायत सीबीआई से कर दी। इसके बाद सीबीआई ने योजना बनाकर आरोपी को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ने के लिए योजना बनाई और मंगलवार को जाल बिछाकर आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि भ्रष्ट सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ एजेंसी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जिसमें वह भ्रष्टाचार के विरोध में कठोरतम कदम उठाने के लिए तैयार है।

सीबीआई ने अन्य लोगों से भी अपील करते हुए कहा है कि अगर आप सरकारी कर्मचारियों या अधिकारियों को भ्रष्टाचार में लिप्त देखते हैं या लोगों से रिश्वत की मांग करते हुए देखते हैं, तो इस भ्रष्ट आचरण के खिलाफ सीबीआई को इसकी तुरंत सूचना दें। वह सीबीआई कार्यालय पर 011-24367887 और मोबाइल नंबर 9650394847 पर शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एमसीडी स्कूलों के कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स के हक में सुनाया फैसला, अब मिलेगी मोटी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली हाईकोर्ट ने कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स को बड़ी राहत दी है। हाईकोर्ट ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स को सातवें वेतनमान के हिसाब से सैलरी देने के आदेश दिए हैं। हाईकोर्ट के इस आदेश का लाभ एमसीडी के करीब ढाई हजार कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स को मिलेगा।

जस्टिस नवीन चावला एवं जस्टिस मधु जैन की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि यदि समान कार्य कर रहे हैं, तो समान वेतन मिलना चाहिए। यह निर्णय समान कार्य के लिए समान वेतन के संवैधानिक सिद्धांत पर आधारित है। बेंच ने अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट के प्रमुख निर्णय जगजीत सिंह बनाम पंजाब राज्य पर भरोसा जताते हुए कहा कि एक ही कार्य करने वाले दो कर्मचारियों को अलग-अलग वेतन देना मानव गरिमा के खिलाफ है।

बेंच ने कहा कि यहां भी यही प्रश्न उठता है कि जब निगम के स्कूल में नियमित व कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स एक समान कार्य कर रहे हैं तो उनके वेतन में फर्क क्यों। वे समान वेतन पाने के हकदार हैं।

यह मामला शुरुआत में शहनाज परवीन व अन्य द्वारा दिल्ली नगर निगम के खिलाफ केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) में दाखिल किया गया था। कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स ने वकील अनुज अग्रवाल के माध्यम से मांग की थी कि कॉन्ट्रैक्ट टीचर्स को सातवें वेतन आयोग के अनुसार न्यूनतम वेतनमान प्रदान किया जाए।

पलवल में एमएनसी के एचआर हेड पर कंपनी के बाहर घातक हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। पलवल के पास देवली मार्ग स्थित एक विदेशी कंपनी के एचआर हेड पर सोमवार शाम कार सवार बदमाशों ने हमला कर दिया। साथ ही उनकी लाठी-डंडे व लोहे की रॉड से जमकर पिटाई की। घायल एचआर हेड को सूरजकुंड रोड स्थित एक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार घायल की पहचान राकेश कुमार के रूप में हुई है। वह जवाहर कॉलोनी में परिवार के साथ रहते हैं। वह पलवल के बघौला गांव के नजदीक देवली मार्ग पर स्थित डायकी एक्सिस कंपनी के मानव संसाधन विभाग में एचआर हेड पर कार्यरत हैं। कंपनी के एक कर्मचारी एसआरएस हिल्स निवासी ठाकौर वनराज सिंह ने अपनी शिकायत में पुलिस को बताया है कि सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे कंपनी से छुट्टी मिलने के बाद एचआर हेड राकेश कुमार अपनी कार से घर जाने के लिए निकले।

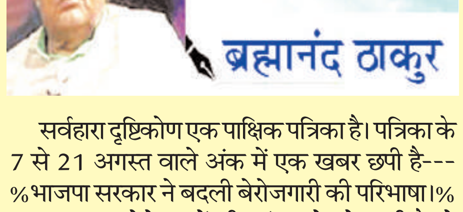

बेरोजगारी की नई परिभाषा

सर्वहारा दृष्टिकोण एक पाक्षिक पत्रिका है। पत्रिका के 7 से 21 अगस्त वाले अंक में एक खबर छपी है---%भाजपा सरकार ने बदली बेरोजगारी की परिभाषा।% यह खबर उन बेरोजगारों की आंख खोलने वाली है जो %कमल% का सौंदर्य देख आह्लादित हो रहे हैं, %तीर% से शिकार करने का मंसूबा पाले हुए हैं, आधुनिकता के इस दौर में भी %लालटेन% की रोशनी में अपना भविष्य खोज रहे हैं, %हाथ% तो है, मगर हाथ को अपना ही हाथ नहीं सूझ रहा है।

सिर के ऊपर से पानी बहने लगा है, फिर भी लोग यह समझने को तैयार नहीं कि तमाम राजनीतिक दल एक ही पूंजीवादी थैले के चट्टे-बट्टे हैं। अब जरा भाजपा द्वारा गढ़ी गई बेरोजगारी की नई परिभाषा के बारे में जान लीजिए। पत्रिका में लिखा है---÷बेरोजगारों की संख्या के आंकड़ों में हेराफेरी पहले कांग्रेस के शासनकाल में भी देखने को मिलती थी। लेकिन अब बात आंकड़ों की हेराफेरी की नहीं, बल्कि भाजपा सरकार ने बेरोजगारी मापने के मानदंड ही बदल दिये हैं। अब अगर किसी को हफ्ते में एक घंटा भी काम मिले, तो उसे बेरोजगार नहीं माना जाएगा। उसका नाम रोजगार प्राप्त लोगों की सूची में शामिल कर लिया जाएगा। बेरोजगारी की असली तस्वीर को छिपाने का ऐसा बेनजीर फैसला शायद भाजपा नेताओं के उपजाऊ दिमाग की ही देन हो सकती है। सरकार रोजगार दे नहीं पा रही है, मिल-कारखानों में बिना किसी की परवाह किये धड़ल्ले से छंटनी की जा रही है। अगर कोई हफ्ते में एक घंटा भी काम करता है, तो वह बेरोजगार नहीं रह जाता। सरकार ने बेरोजगारी की परिभाषा बदलने के लिए %वर्तमान साप्ताहिक स्थिति% प्रणाली का सहारा लिया है। कलम से कागज काला

करके बेरोजगारी की परिभाषा बदलने से क्या बेरोजगारों की संख्या वाकई कम हो जाएगी? हकीकत क्या है? श्रम शक्ति की भागीदारी की दर के अनुसार, वर्तमान में देश की काम करने लायक 48 प्रतिशत आबादी के हाथों में काम नहीं है। वे बेरोजगार हैं। सीएमआईई के आंकड़े बताते हैं कि अकेले मार्च में ही 42 लाख नौकरियां चली गईं। ऐसे बहुत सारे आंकड़े सरकार के पास हैं ही। क्या इसलिए भाजपा सरकार छल-कपट का सहारा ले रही है? हालांकि कागजों पर लिखित में सप्ताह में 40-44 घंटे मानक कार्य घंटे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के 2016 के रिकॉर्ड बताते हैं कि तब से ही हर दस में से एक कर्मचारी सप्ताह में 55-60 घंटे या उससे ज्यादा समय काम करने को मजबूर हैं। अब मोदी काल में चार लेबर कोड लागू करके श्रमिकों के रोजाना काम के घंटे 12 से 14 घंटे तक कर दिये गए हैं। जहां एक तरफ काम के घंटे बढ़ाये जा रहे हैं और वेतन में कटौती की जा रही है, वहीं दूसरी तरफ अंधाधुंध छंटनी हो रही है। अब फिर बेरोजगारी और छंटनी का आलम है। अगर कोई हफ्ते में एक दिन भी कहीं काम करता है, बिजली का बल्ब लगाता है या मिट्टी खोदता है, तो उसे भी रोजगार शुदा माना जाएगा। %2019 में खुद सरकारी रिपोर्ट ने खुलासा किया था कि देश में बेरोजगारी दर पिछले 45 सालों में सबसे ज्यादा है।

सरकार की न्यूनतम जिम्मेदारी हर नागरिक को स्वस्थ जीवन जीने के लिए रोजगार प्रदान करना है। क्या सरकार अपनी इस जिम्मेदारी को निभा रही है?

माओवादियों पर सुरक्षाबलों का एक्शन, एके-47 की 83 गोलियों के साथ एक माओवादी गिरफ्तार

पिपरवार, एजेंसी। पिपरवार थाना क्षेत्र के खंधार गांव में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति के घर से एके-47 राइफल में प्रयुक्त भारी मात्रा में जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। यह अवैध कारतूस (गोलियां) कथित तौर पर टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से संबंधित बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान 33 वर्षीय मनोज तिग्गा पिता लिबनुस तिग्गा ग्राम खंधार पोस्ट बहेरा थाना पिपरवार जिला चतरा के रूप में हुई है। गुप्त सूचना के आधार पर टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन कर 5 अगस्त की रात को यह कार्रवाई की गई।

छापेमारी के दौरान मनोज तिग्गा के घर से एक एके-47 में प्रयुक्त 7.62 एमएम की कुल 83 जिंदा गोलियां बरामद की गईं। पुलिस के अनुसार, यह हथियार टीएसपीसी उग्रवादी संगठन से जुड़ा बताया जा रहा है।

आरोपी के विरुद्ध पिपरवार थाना कांड संख्या 23/2025 के तहत आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी को चतरा जेल भेज दिया गया।

इस छापेमारी अभियान में टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार के अलावा पिपरवार थाना प्रभारी अभय कुमार, पुअनि सुरेन्द्र उपाध्याय, सअनि बंसत कुमार महतो, आरक्षी शंभू यादव, संतोष यादव सहित पिपरवार थाना के अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

पिपरवार पुलिस की इस कार्रवाई को क्षेत्र में उग्रवाद के विरुद्ध एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। इससे माओवादी हमलों को रोकने में मदद मिलेगी।

पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल को सूचना मिली थी कि खंधार गांव में टीएसपीसी के लिए काम करने वाला एक व्यक्ति संगठन द्वारा दिए गए हथियार छुपाकर रखे हुए है। सूचना की पुष्टि के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (डीएसपी) टंडवा प्रभात रंजन बरवार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई।

गांव के घर से बीती रात दबोचा गया: टीम ने 5 अगस्त की रात को खंधार गांव स्थित मनोज तिग्गा के घर पर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उसके घर से एके-47 की 83 जिंदा गोलियां बरामद हुईं। पुलिस ने मौके से मनोज तिग्गा को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में यह स्पष्ट हुआ कि वह टीएसपीसी उग्रवादियों के लिए काम करता था और उनके निर्देश पर हथियारों को छुपाकर रखा था। इस मामले में पिपरवार थाना में आर्म्स एक्ट और सीएलए एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

नक्सलियों को नियंत्रित करने के लिए चलता रहेगा अभियान: पुलिस अधीक्षक ने बताया कि उग्रवादी गतिविधियों पर नकेल कसने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। फिलहाल, पुलिस इस मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए अन्य उग्रवादियों की तलाश में छापेमारी कर रही है। इस ऑपरेशन में डीएसपी टंडवा प्रभात रंजन बरवार के साथ-साथ थाना प्रभारी अभय कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक सुरेन्द्र उपाध्याय, सहायक अवर निरीक्षक बसंत कुमार महतो, आरक्षी शंभु यादव, संतोष यादव सहित अन्य सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

तीन बार राज्यसभा के लिए चुने गए गुरुजी, लेकिन कभी पूरा नहीं कर सके कार्यकाल, यहां जानिए कब और क्यों छोड़नी पड़ी सदस्यता

रांची, एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री दिशोम गुरु शिबू सोरेन राज्यसभा के लिए तीन बार निर्वाचित हुए, लेकिन तीनों बार वे कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

पूर्व में दोनों बार किसी न किसी कारणों से उन्होंने राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। तीसरे कार्यकाल में उनके निधन होने के कारण कार्यकाल पूरा नहीं हो सका।

गुरुजी तीसरी बार 22 जून 2020 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे, जिनका कार्यकाल 21 जून 2026 को पूरा होना था। शिबू सोरेन सबसे पहली बार आठ जुलाई 1998 को राज्यसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। उस समय उनके विरुद्ध चुनाव में खड़े तथा प्राप्त मतों में दूसरे स्थान पर रहे दयानंद सहाय ने उनके निर्वाचन को पटना उच्च न्यायालय में चुनौती दी।

यह कहते हुए चुनाव याचिका दायर थी कि वे झारखंड क्षेत्र स्वशासी परिषद (जैक) के अध्यक्ष होने के कारण लाभ के पद पर थे। न्यायालय ने चुनाव याचिका को स्वीकार करते हुए शिबू सोरेन के निर्वाचन को रद कर दिया था। शिबू सोरेन ने पटना उच्च न्यायालय के आदेश के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील दाखिल की थी।

इनकी अपील शीर्ष न्यायालय ने जैक के अध्यक्ष का पद लाभ का पद बताते हुए 19 जुलाई 2001 को निरस्त कर दी थी। हालांकि शिबू ने इससे एक दिन पहले 18 जुलाई 2001 को ही राज्यसभा के सदस्य के पद से इस्तीफा दे दिया था।

शिक्षा मंत्री की हालत नाजुक, विश्व आदिवासी दिवस पर होने वाला कार्यक्रम स्थगित

रांची, एजेंसी। विश्व आदिवासी दिवस के खास मौके पर झारखंड में प्रस्तावित 9 अगस्त से 11 अगस्त तक तीन दिनों का कार्यक्रम स्थगित कर दिया है. राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन के अस्वस्थ होने के कारण बताते हुए आदिवासी महोत्सव स्थगित कर दिया है. आदिवासी दिवस आयोजित करने के लिए इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के चयन संबंधी टेंडर भी कल सोमवार को स्थगित कर दिया गया.

तीन दिवसीय आदिवासी महोत्सव स्थगित किये जाने के बाद अब राज्य सरकार एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित करने पर विचार कर रही है. यह एक दिवसीय कार्यक्रम 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के दिन करने का विचार किया जा रहा है. ऐसे में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर एक छोटा का कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा.

मालूम हो शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन की स्थिति गंभीर बनी हुई है. शनिवार 2 अगस्त को वह अपने बाथरूम में बेसुध होकर गिर पड़े थे, जिसके बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दिल्ली ले जाया गया. दिल्ली के अपोलो अस्पताल में फिलहाल उनका इलाज चल रहा है. डॉक्टर के अनुसार उनके मस्तिष्क में ब्लड क्लोटिंग हो गयी है. डॉक्टर्स उनके ऑपरेशन पर विचार कर रहे हैं. अभी लाइफ सपोर्ट सिस्टम के सहारे उनकी सांसें चल रही हैं.

वास्को डी गामा एक्सप्रेस से चार नाबालिग किये गये रेस्क्यू

धनबाद, एजेंसी। आरपीएफ व जीआरपी की संयुक्त टीम ने सोमवार को बाल तस्करी का प्रयास विफल कर दिया. टीम ने गाड़ी संख्या 17323 (वास्को डि गामा एक्सप्रेस) से चार नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया. उन्हें काम कराने के लिए कर्नाटक ले जाया जा रहा था.

चाइल्ड हेल्प डेस्क धनबाद को सूचना मिली थी कि ट्रेन के जनरल कोच और बी वन कोच में कुछ नाबालिग बच्चे यात्रा कर रहे हैं, जिन्हें बालश्रम के लिए दक्षिण भारत भेजा जा रहा है. इसके बाद प्रभारी निरीक्षक, आरपीएफ पोस्ट धनबाद के नेतृत्व में और चाइल्ड लाइन की टीमों ने प्लेटफार्म संख्या छह पर ट्रेन की संयुक्त जांच की. इस दौरान जनरल कोच से तीन नाबालिग लड़कों को बरामद किया गया. इस दौरान ट्रेन कतरास के लिए रवाना हो गयी. इसके बाद टीम कतरास स्टेशन पहुंची, जहां जनरल कोच से एक और नाबालिग लड़के को रेस्क्यू किया गया. आरपीएफ ने बताया कि पूछताछ में लड़कों ने बताया कि उन लोगों को काम कराने कर्नाटक ले जाया जा रहा है. रस्क्यू किये गये लड़कों में बिहार के जमुई जिला के सोनो थाना क्षेत्र के बाबूडीह निवासी शहबाज अंसारी, बांका जिला के चूरौली निवासी अनीश अंसारी, झारखंड के गोड्डा जिला के बलबड़ा कुठिया निवासी अफताब शेख व गोड्डा के बसंत तराई स्थित मसटिकरी निवासी गुलाम अंसारी शामिल हैं. सभी चारों बच्चों को चाइल्ड लाइन अग्रतर कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गयी.

चेक बाउंस मामले में बॉलीवुड अभिनेता विक्रम सिंह को एक साल जेल की सजा

रांची, एजेंसी। एक करोड़ रुपए का चेक बाउंस से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए प्रथम श्रेणी के न्यायिक दंडाधिकारी दिव्या राघव की अदालत ने आरोपी बॉलीवुड अभिनेता रांझा विक्रम सिंह को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने अभिनेता को एक साल कैद की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने उसे चेक बाउंस की राशि एक करोड़ रुपए एवं हर्जाना 20 लाख मिलाकर कुल 1.20 करोड़ रुपया मामले के शिकायतकर्ता निलोय कुमार झा के पक्ष में भुगतान करने का आदेश दिया है।

तेज रफ्तार हाइवा ने मजदूर को कुचला, मौके पर मौत, मचा कोहराम

केंदुआ, एजेंसी। धनबाद-बोकारो मुख्य मार्ग पर आज बुधवार की सुबह एक बार फिर रफ्तार का कहर टूटा और एक जिंदगी असमय थम गयी. केंदुआडीह थाना क्षेत्र के श्रीराम टी एंड स्वीट्स दुकान के समीप तेज रफ्तार हाइवा ने एक दिहाड़ी मजदूर को कुचल दिया. हादसे में मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गयी. मृतक की पहचान 55 वर्षीय जगदीश सिंह के रूप में हुई है. यह दर्दनाक घटना सुबह करीब 6 से 6-45 बजे के बीच की है. सुबह जगदीश सिंह रोजाना की तरह टहलने निकले थे और डिवाइडर के कट से सड़क पार कर रहे थे. इसी दौरान धनबाद की ओर से आ रही तेज रफ्तार हाइवा ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि उनका सिर बुरी तरह कुचल गया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गयी. मजदूर को टक्कर मारने के बाद चालक हाइवा लेकर मौके से फरार हो गया. मजदूर का शव देख मौके पर मौजूद लोग सन्न रह गये. घटना की जानकारी मिलते ही मृतक की पत्नी सोनी देवी समेत परिजन मौके पर पहुंचे. परिजनों का रोरोकर बुरा हाल है. घटना के विरोध में आक्रोशित स्थानीय लोग सड़क पर उतर आए और धनबाद-केंदुआ मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया.

फिल्मी अंदाज में फायरिंग, सीसीटीवी से पहचाने गए हमलावर, रवि यादव की पुरानी फाइल पर भी पुलिस की नजर

जमशेदपुर, एजेंसी। परसुडीह थाना क्षेत्र के कीताडीह, ग्वाला पट्टी में मंगलवार शाम करीब 5 बजे राष्ट्रीय जनता दल के जिला सचिव कन्हैया यादव के पुत्र रवि यादव पर अपराधियों ने सनसनीखेज ढंग से घेराबंदी कर ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में रवि को पांच गोलियां लगीं, जिससे उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

उन्हें पहले सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से टाटा मेन हॉस्पिटल (टीएमएच) रेफर किया गया। घटना की सूचना पर परसुडीह और बागबेड़ा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटनास्थल से चार खोखे बरामद हुए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो अपराधियों की पहचान कीताडीह पुराना पोस्ट ऑफिस रोड निवासी नेहाल तिवारी उर्फ शुभम और रेलवे ट्रैफिक कॉलोनी के समीर सिंह के रूप में हुई। अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। बुधवार की सुबह एक और संदिग्ध की पहचान लिए गए हैं। पुलिस का दावा है, सभी हमलावर जल्द शिकंजे में होंगे।

पुलिस ने एक अपराधी के घर के पास से घटना में प्रयुक्त स्कूटी बरामद की। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, रवि बाइक से घर लौट रहा था, तभी दो बाइक सवार अपराधियों ने उसका पीछा शुरू किया। रवि ने भागने की कोशिश की, लेकिन पुलिया के पास स्कूटी सवार दो अन्य अपराधियों ने उसे घेर लिया। इसके बाद नौ राउंड गोलियां चलाई गईं, जिनमें पांच रवि को लगीं। भागते समय अपराधियों ने हवाई फायरिंग की, जिससे

इलाके में दहशत फैल गई।

लोग डर से घरों में दुबक गए। बाद में स्थानीय लोगों ने रवि को अस्पताल पहुंचाया। जांच में फायरिंग का कारण आपसी रंजिश सामने आया। रवि कुछ माह पहले जेल से रिहा हुआ था। नेहाल तिवारी का नाम जुगसलाई शिव घाट में पहले हुई फायरिंग से भी जुड़ा है। रवि ने पुलिस को बताया कि स्कूटी सवार अपराधी दोनों हाथों से गोलियां चला रहे थे।

पुलिस ने बुधवार सुबह एक अन्य संदिग्ध की पहचान की, जिसका नाम गोपनीय है। सीसीटीवी फुटेज से अपराधियों के भागने का रास्ता पता चला। पुलिस ने विशेष दस्ता गठित कर अपराधियों की तलाश तेज कर दी है। घटना से इलाके में आक्रोश है। भाजपा नेता ललन यादव समेत कई लोग टीएमएच पहुंचे। पुलिस ने शांति बनाए रखने की अपील की है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, कीताडीह निवासी रवि यादव साकची थाना क्षेत्र कालीमाटी रोड में संपत्ति विवाद को लेकर हुए दो पक्ष में मारपीट, हरवे हथियार से जानलेवा हमला और पत्थरबाजी मामले में भी शामिल था, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। कीताडीह मनसा मंदिर के पास रिंकू खान के घर में घुसकर जबरदस्त मारपीट की थी। इस मामले में वह जेल गया था। टाटा मुख्य अस्पताल में दाखिल रवि यादव से पुलिस टीम पूछताछ कर रही है।

जर्जर सड़क के कारण नहीं पहुंची एम्बुलेंस, खाट पर लादकर मरीज को ले जाया गया अस्पताल, हुई मौत

खूंटी, एजेंसी। जिले में एम्बुलेंस नहीं मिलने के कारण परिजन बेहोश बुजुर्ग को कंधों पर ढोकर सड़क तक लाये और किसी तरह सदर अस्पताल पहुंचे. लेकिन अफसोस बुजुर्ग बच नहीं सका. अस्पताल में उसकी मौत हो गई. मृतक की पहचान तोरपा प्रखंड क्षेत्र के चुरगी पंचायत के अंबाटोली गांव निवासी दयाल भेंगरा के रूप में हुई, जो घर में गिरने के कारण बेहोश हो गए थे.

मृतक की बेटी पुष्पा भेंगरा ने बताया कि दयाल भेंगरा 11 बजे के लगभग घर में गिरा और बेहोश हो गया. करीब एक घंटे बाद उसे होश आया तो लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को फोन किया, लेकिन 4 बजे तक एम्बुलेंस नहीं पहुंचा. जिसके बाद गांव वाले दयाल को खटिया के सहारे बांस बांध कर उसे गांव से बाहर निकाला और निजी वाहन से सदर अस्पताल खूंटी ले गए. जहां उसकी मौत हो गई.

विडंबना है कि खूंटी सिमडेगा हाइवे से महज 2 किमी अंदर बसा गांव आमटोली में वाहन जाने तक की सुविधा नहीं है. करीब पांच बजे सदर पहुंचने के बाद चिकित्सकों ने दयाल को रिम्स रेफर कर दिया. जबकि साथ गए ग्रामीणों का कहना है कि जब उसकी मौत हो चुकी थी तो उसे रेफर क्यों किया गया. इस बात को लेकर ग्रामीणों ने सदर अस्पताल में जमकर बवाल काटा.

सिविल सर्जन नागेश्वर मांझी ने परिजनों को समझाकर शांत कराया और मृतक के लिए शव वाहन उपलब्ध कराकर गांव भेज दिया. सिविल सर्जन ने बताया कि एम्बुलेंस गांव तक क्यों नहीं पहुंचा, इसकी जांच की जाएगी. इसमें जो भी दोषी होंगे उसके खिलाफ कार्रवाई होगी.

उत्पादन में अविलंब सुधार करें बीसीसीएल -कोयला सचिव

धनबाद, एजेंसी। लगातार हो रही बारिश के कारण बीसीसीएल की कई महत्वपूर्ण कोयला खदानों भर गयी हैं. ऐसे में कंपनी का उत्पादन आधे से भी कम हो गया है. वर्तमान में कंपनी रोज औसतन 70 से 80 हजार टन ही कोयला उत्पादन व डिस्पैच कर पा रही है. स्थिति यह है कि बीसीसीएल का वार्षिक उत्पादन ग्रोथ घट कर 17.22 प्रतिशत व डिस्पैच ग्रोथ 12.2 प्रतिशत निगेटिव हो गया है. इधर कोयला उत्पादन, उत्पादकता व डिस्पैच में सुधार को लेकर कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने वीडियो कांफ्रेंसिंग कर बीसीसीएल की समीक्षा बैठक की. उन्होंने बीसीसीएल प्रबंधन को उत्पादन में अविलंब सुधार करने और सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी जरूरी एहतियात बरतने का निर्देश दिया. उन्होंने खदानों से पानी की निकासी के लिए पंप समेत अन्य जरूरी उपाय करने पर जोर दिया, ताकि उत्पादन में बढ़ोतरी सुनिश्चित हो सके. बीसीसीएल के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का लक्ष्य अगस्त माह में (1 से 4 अगस्त तक) 0.440 मिलियन टन कोयला उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित था. जिसके मुकाबले कंपनी अबतक महज 0.300 मिलियन टन ही कोयला उत्पादन कर सकी है.

गुमला में मुठभेड़;15 लाख का इनामी नक्सली ढेर

गुमला, एजेंसी। झारखंड में पीपल्स लिब्रेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) को बड़ा झटका लगा है। गुमला पुलिस ने गुप्त सूचना पर पीएलएफआई सुप्रीमो मार्टिन केरकेट्टा को पारही छंगाबारी जंगल में एनकाउंटर में मार गिराया है। मार्टिन पर झारखंड पुलिस ने 15 लाख का इनाम घोषित कर रखा था। गुमला एसपी हारिश बिन जमा और एसडीपीओ नाजिर अख्तर की टीम ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, मार्टिन अपनी टीम के साथ कामडारा में किसी कारोबारी से लेवी लेने पहुंचा था। इसकी सूचना मिलने पर एसपी ने एक टीम गठित कर घेराबंदी की।

पुलिस को देखते ही शुरू की थी फायरिंग: पुलिस को देखकर मार्टिन ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोलीबारी की। जिसमें मार्टिन मारा गया। उसके पास से हथियार भी बरामद किए गए हैं। इस एनकाउंटर में केवल गुमला पुलिस की टीम शामिल थी। एनआईए और झारखंड पुलिस के संयुक्त प्रयास से पीएलएफआई के पूर्व सुप्रीमो दिनेश गोप को नेपाल से गिरफ्तार किया गया था। दिनेश गोप पर 25 लाख रुपए का इनाम था। उसके जेल जाने के बाद मार्टिन को संगठन का सुप्रीमो बनाया गया था। जो संगठन का बिस्तर करने में लगा था।

मार्टिन के जिम्मे ही था पूरा संगठन: मार्टिन पीएलएफआई की पूरी कमान संभाल रहा था। वह जगह-जगह वारदातों को अंजाम देकर पीएलएफआई के नाम पर खौफ पैदा कर रहा था। उसके द्वारा सबसे ज्यादा रंगदारी मांगने की वारदातें की जा रही थीं। मार्टिन के पास से दो हथियार बरामद किए गए हैं। क्षेत्र में दो अन्य उग्रवादियों को भी गोली लगने की बात सामने आई है। गुमला एसपी हरीश बिन जमा ने घटना की पुष्टि की है। क्षेत्र में अभी भी सर्च ऑपरेशन जारी है।

दिनेश गोप के बचपन का साथी था, साथ पढ़ाई भी की: मार्टिन मूल रूप से कामडारा के रेड़मा गांव का रहने वाला था और पीएलएफआई की केंद्रीय समिति का सक्रिय सदस्य था। लेवी वसूली, धमकाने और फायरिंग की रणनीति वही तय करता था। पुलिस को उसकी लंबे समय से तलाश थी। दिनेश गोप की वजह से मार्टिन का संगठन में कद बड़ा था। मार्टिन और दिनेश गोप बचपन के साथ थे। दोनों एक साथ लापुंग के महुगांव स्थित स्कूल में पढ़ाई करते थे। बाद में दोनों ने एक साथ संगठन का विस्तार किया।

धनबाद में फुटपाथ दुकानदारों का अनोखा विरोध, अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन

धनबाद, एजेंसी। धनबाद में राष्ट्रपति के दौरे से पहले हटाए गए पुलिस लाइन क्षेत्र के फुटपाथ दुकानदारों ने सोमवार को जिला प्रशासन और नगर निगम के खिलाफ अर्धनग्न होकर विरोध प्रदर्शन किया। सैकड़ों दुकानदार फुटपाथ पर एकत्रित हुए और नारेबाजी करते हुए अपने रोजगार वापस देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने भावनात्मक पोस्टर लेकर अपनी पीड़ा व्यक्त की। पोस्टर पर लिखा था - बिना गुनाह किए गुनहगार बना दिया गया, हमारी गलती क्या थी जो रोजगार छीन लिया गया, मिलकर लेंगे बुलडोजर से आजादी और हरिद्वार मॉडल पर 8×6 की दुकानें बसाई जाएं। फुटपाथ दुकानदारों का कहना है कि वे पिछले कई सालों से पुलिस लाइन में दुकान लगाते आ रहे हैं। उन्हें राष्ट्रपति के आगमन से पहले हटाया गया था। तब प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि राष्ट्रपति के जाने के बाद फिर से दुकान लगाने दिया जाएगा। लेकिन अब प्रशासन अपने वादे से मुकर रहा है। दुकानदारों ने चेतावनी दी कि अगर उन्हें रोजगार नहीं मिला तो उनके परिवार भूखे मरेंगे। कुछ ने तो आत्महत्या की धमकी भी दी। उनका आरोप है कि प्रशासन उन्हें धमकी दे रहा है कि अगर दुकान लगाई तो झूठे मुकदमे में फंसा दिया जाएगा। एक सब्जी विक्रेता ने बताया कि वह करीब 50 सालों से दुकान चला रहा है। अब रोजगार छिन जाने से घर चलाना मुश्किल हो गया है। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि उन्हें वैकल्पिक स्थान पर बसाया जाए। वे पशुपालन अस्पताल परिसर या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर दुकान लगाना चाहते हैं। जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से अभी तक इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

इंस्टाग्राम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण में लखनऊ का छात्र गिरफ्तार

चिरकुंडा (धनबाद), एजेंसी। इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण करने का आरोपित 19 वर्षीय अर्पित शर्मा को झारखंड के चौपारण से धनबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अर्पित यूपी के लखनऊ के आलमबाग का रहने वाला है।

पुलिस ने चिरकुंडा क्षेत्र के एक मोहल्ले में रहने वाली किशोरी को भी बरामद कर लिया है, जिसे अर्पित ने बरगलाकर प्रेमजाल में फंसाया था। लड़की सात जून को अपना घर छोड़कर उसके साथ चली गई थी। आरोपित को मंगलवार को न्यायिक हिरासत में धनबाद जेल भेज दिया गया। लड़की का न्यायालय में पुलिस ने बयान कराया है। आरोपित ने पुलिस को बताया कि वह कई लड़कियों को प्रेमजाल में फंसाकर यौन शोषण कर चुका है। जानकारी के अनुसार, अर्पित लखनऊ के न्यू पब्लिक स्कूल पवनपुरी से 12वीं की परीक्षा

पास की है। वह इंस्टाग्राम के माध्यम से लड़कियों से दोस्ती करता था। उनको अपनी मीठी-मीठी बातों से प्रेमजाल में फंसाता था।

कुमारधुबी कोलियरी की नाबालिक लड़की को भी उसने फंसा लिया था। लड़की को ले जाने के लिए सात जून को ट्रेन से कुमारधुबी आया। उसे धनबाद से हावड़ा व फिर वाराणसी ले गया। वहां मंदिर भी गया। फिर एक होटल में काम किया, उसमें ही मिले कमरे में लड़की को लेकर रहा। लड़की के साथ संबंध बनाने की कोशिश की, मगर उसने विरोध कर दिया। तब नशीली दवा खिलाकर उससे तीन दिन संबंध बनाए। इस बीच वह बीमार हो गई।

होटल में कम पैसा मिलने के चलते वहां से सिहोर मध्यप्रदेश चला गया। वहां पहले भी कई लड़कियों को लेकर जा चुका है।

हिरोशिमा दिवस पर देशभर में काला दिवस मनाया गया

● - एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) द्वारा प्रतिवाद मार्च निकाला गया

मुजफ्फरपुर, स्वराज खबर। एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) की केंद्रीय कमिटी के आह्वान पर आज हिरोशिमा दिवस के अवसर पर देशभर में काला दिवस मनाया गया। इसी क्रम में मुजफ्फरपुर जिला कमेटी द्वारा एक प्रतिवाद मार्च निकाला गया, जो मोती झील स्थित पार्टी जिला कार्यालय से आरंभ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए कल्याणी पहुंचा, जहाँ एक जनसभा आयोजित की गई। प्रतिवाद मार्च में शामिल लोगों ने अमेरिकी साम्राज्यवाद और उसके सहयोगियों के विरुद्ध जोरदार नारे लगाए - युद्ध पिपासु अमेरिका और नाटो के खिलाफ आम जनता एक हो,÷युद्ध पिपासु अमेरिकी साम्राज्यवाद मुर्दाबाद !÷ ग़ज़ा में नरसंहार बंद करो !, ÷हमें युद्ध नहीं, शांति चाहिए !÷ ÷नरभक्षी अमेरिका-इज़राइल, फिलिस्तीन से दूर हटो !

सभा को संबोधित करते हुए एसयूसीआई (कम्युनिस्ट) के जिला सचिव अर्जुन कुमार ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के अंतिम चरण में जब जापान लगभग आत्मसमर्पण की स्थिति में था, तब भी अमेरिका ने 6 और 9 अगस्त को हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराकर लाखों निर्दोष लोगों की जान ले ली। यह साम्राज्यवादी बर्बरता का सबसे घिनौना उदाहरण था।

उन्होंने आगे कहा कि आज भी अमेरिका और उसके साम्राज्यवादी गठबंधन नाटो दुनियाभर में युद्ध फैलाकर हथियारों का व्यापार करते हैं और वहां के बाजार पर कब्जा करते हैं जिससे उनके पूंजीपति वर्ग को मुनाफा होता है। हालिया महीनों में अमेरिका और इज़राइल द्वारा फिलिस्तीन पर की जा रही भीषण बमबारी में हजारों आम नागरिक, बच्चे, महिलाएं, वृद्ध मारे जा चुके हैं। यहाँ तक कि शरणार्थी शिविरों पर भी हमले किए जा रहे हैं, जो मानवता के खिलाफ अपराध है।

अर्जुन कुमार ने देशवासियों से आह्वान किया कि वे युद्धोन्मादी ताक़तों के खिलाफ आवाज़ उठाएँ, कमजोर राष्ट्रों की संप्रभुता की रक्षा के लिए एकजुट हों और शांति आंदोलन को तेज़ करें।

उन्होंने भारत सरकार की भी आलोचना करते हुए कहा कि वह अमेरिकी साम्राज्यवाद की पिछलग्गू बन चुकी है और देश के प्राकृतिक संसाधनों व श्रम शक्ति का दोहन देशी-विदेशी पूंजीपतियों के हित में कर रही है। इससे आम जनता पर महंगाई और बेरोजगारी का बोझ और बढ़ेगा। इन नीतियों के खिलाफ भी संगठित जनांदोलन की आवश्यकता है।

सभा को जिला कमेटी के सदस्य मोहम्मद इदरीश, काशीनाथ सहनी, लाल बाबू राय, अरविंद कुमार, विजय कुमार, अमन कुमार झा, संजीत माझी, बैद्यनाथ पंडित, विजय राम, अनवर हुसैन, उदय झा, प्रेम कुमार राम, शिवकुमार, ललित कुमार झा आदि ने भी संबोधित किया।

मां जानकी मंदिर शिलान्यास को लेकर भाजपा इकाई की बैठक आयोजित

अलीनगर,दरभंगा संवाददाता। आगामी 15 अगस्त और 8 अगस्त को पुनौरा धाम में होने वाले भव्य मंदिर शिलान्यास समारोह की तैयारियों को लेकर आज दरभंगा पूर्वी भाजपा इकाई की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। दरभंगा जिला पूर्वी भाजपा के महामंत्री संजय सिंह पप्पू सिंह के नरमा स्थित आवास पर ये बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने की जिसमें जिला प्रभारी राजीव रंजन मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। बैठक में विशेष रूप से 8 अगस्त को पुनौरा धाम में मां जानकी की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर निर्माण के लिए होने वाले भूमि पूजन समारोह पर चर्चा की गई। यह निर्णय लिया गया कि दरभंगा पूर्वी जिला क्षेत्र से बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और आम लोग इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। अध्यक्ष विनय कुमार पासवान ने इसे संपूर्ण मिथिला वासियों के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि माँ सीता का भव्य मंदिर बनवाने का काम एनडीए सरकार कर रही है।

बैठक में आगामी 15 अगस्त के कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी विस्तृत चर्चा की गई। जिला प्रभारी राजीव रंजन ने कहा देश के माननीय गृह मंत्री अमित शाह के कर कमलों से यह भूमि पूजन कार्यक्रम संपन्न होने वाला है, जो मिथिला वासियों की भावनाओं से जुड़ा एक महत्वपूर्ण विषय है। बैठक में उपस्थित भाजपा दरभंगा पूर्वी के महामंत्री संजय सिंह पप्पू ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम का भव्य मंदिर निर्माण होने के बाद से ही मिथिला वासियों के मन में ये इच्छा थी की मां सीता की जन्मभूमि में भी भव्य मंदिर का निर्माण हो। मिथिला प्रभु श्री राम का ससुराल है और मां सीता के मायके में भी भव्य मंदिर का निर्माण होना चाहिए। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से ये मिथिला वासियों का ये स्वप्न साकार होने जा रहा है। मौके पर मंडल उपाध्यक्ष श्रवण चौधरी, रामनाथ सहनी, सुधा देवी, सरिता देवी, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष नीरज कुमार चौधरी, निभा झा, रामू राम, अब्दुल गफूर, तृप्ति नारायण यादव, इंद्रेश झा, राधेश्याम झा,पंकज झा आदि जिला कमिटी के सदस्य एवं सभी मंडल के अध्यक्ष मौजूद रहे।

सरकारी संपत्ति की चोरी का हुआ खुलासा, तीन गिरफ्तार

बेनीपुर,दरभंगा संवाददाता। बहेड़ा पुलिस ने लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अवर प्रमंडल कार्यालय से 10 महीने पहले हुई पाइप चोरी के मामले को सुलझाते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में लाखों रुपये के चोरी हुए पाइप भी बरामद किए गए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बुधवार को प्रेस विज्ञप्ति में इस घटना का खुलासा किया। पुलिस के मुताबिक 27 नवंबर 2024 को बहेड़ा थाने में सरकारी संपत्ति की चोरी के खिलाफ मामला (कांड संख्या 452/24) दर्ज किया गया था। पुलिस ने तुरंत जांच शुरू की और 6 अगस्त 2025 को बहेड़ी थाना क्षेत्र के शिवराम चौक स्थित बालाजी इंटरप्राइजेज हार्डवेयर के गोदाम पर छापा मारकर चोरी का सामान बरामद किया।

पुलिस ने इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। केवटी थाना के धुरिया निवासी स्व.बिशुनदेव यादव के पुत्र पप्पू कुमार यादव, बेंता थाना क्षेत्र के अल्लपट्टी निवासी स्व0 राम अवतार पासवान के पुत्र गणेश पासवान और बहेड़ा थाना क्षेत्र के पिपरा निवासी कुशेश्वर यादव के पुत्र रामपुकर यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया है।

इसके अलावा पुलिस चौथे फरार आरोपी बहेड़ी थाना क्षेत्र के साधु साहू की गिरफ्तारी के लिए निरंतर छापेमारी कर रही है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बरामद किए गए सामान में 80 मिमी के 174 पाइप (20 फीट लंबे), 40 मिमी के 78 पाइप (20 फीट लंबे) और 40 मिमी के 282 पाइप (4 फीट लंबे) शामिल हैं। बहेड़ा एसएचओ हरिद्वार शर्मा ने इस बाबत पूछने पर बताया कि पाइप चोरी के मामले में तीन टीम बनाकर तीन जगह छापामारी की गई तथा सामान बरामद कर तीन अभियुक्त को गिरफ्तार कर हिरासत में भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि फरार आरोपी साधु साहू की गिरफ्तारी के बाद इस चोरी के संबंध में और भी खुलासे होने की संभावना है।

बीएससी नर्सिंग छात्र के हत्यारे के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो:राकेश नायक

दरभंगा, स्वराज खबर। एक तरफ बिहार में संगठित होकर बेखौफ अपराधियों ने आम जनमानस का जीना मुहाल कर दिया हैं वहीं दूसरी तरफ क्रूर आपराधिक मानसिकता के लोगों के मन से भी नीतीश सरकार का इकबाल खत्म हो गया हैं। यही वजह है कि निर्मम घटनाओं को अंजाम देने से छोटे से बड़े अपराधी बाज नहीं आ रहें हैं। यह बातें प्रेम प्रसंग प्रकरण में हुए नर्सिंग छात्र की हत्या डीएमसीएच परिसर में छात्र के ससुर के द्वारा ही गोली मारकर किए जाने के बाद मंगलवार की रात डीएमसीएच के पोस्टमार्टम स्थित पीड़ित परिजनों से मिलने पहुंचे महानगर युवा राजद के जिलाध्यक्ष राकेश नायक ने कही।

जिलाध्यक्ष श्री नायक ने कहा कि दरभंगा सहित पूरे बिहार भर में बेलगाम अपराधियों पर अंकुश लगाने में नीतीश सरकार का हर एक तंत्र विफल ही नहीं बल्कि मूकदर्शक हो गए हैं। यही वजह हैं कि वर्षों में होने वाली घटना अब प्रत्येक दिन होने लगी हैं।

जिलाध्यक्ष नायक ने कहा कि प्रेम प्रसंग के बाद शादी करने की गलती मात्र से किसी की हत्या इतने निर्मम तरीके से कर देने जैसी घटना के बाद पुलिस के द्वारा भी की गई बर्बरता एनडीए सरकार के खत्म हो चुके इकबाल का सफेद प्रमाण है। पहले प्रशासन का अपराधियों में खौफ रहता था लेकिन भाजपा जदयू के डबल इंजन की सरकार में अपराधियों से प्रशासन डर रही है।

सनातन धर्मावलंबियों के लिए प्रेरणा का श्रोत बनेगा जानकी मंदिर: सांसद

दरभंगा, स्वराज खबर। माता जानकी सनातन संस्कृति में न केवल श्रद्धा और आस्था के प्रतीक हैं बल्कि साढ़े आठ करोड़ मिथिला वासियों के लिए उनकी ऐतिहासिक सांस्कृतिक तथा गौरवपूर्ण पहचान भी है। अयोध्या की तर्ज पर सीतामढ़ी के पुनौरा धाम में जानकी मंदिर के निर्माण के लिए आठ अगस्त को देश के गृह मंत्री श्री अमित शाह जी के हाथों होने वाले भूमि पूजन सह शिलान्यास कार्यक्रम में मिथिला वासियों की ओर से गृह मंत्री का उत्साह पूर्वक स्वागत तथा सम्मान कर उनके प्रति आभार प्रकट किया जाएगा। दरभंगा के सांसद सह लोकसभा में भाजपा सचेतक डा गोपाल जी ठाकुर ने जानकी मंदिर निर्माण के भूमि पूजन के लिए गृह मंत्री अमित शाह के बिहार तथा मिथिला में प्रस्तावित आगमन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा है कि एनडीए सरकार के द्वारा मिथिला की सांस्कृतिक विरासत को अक्षुण्ण रखने के लिए यह एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। जानकी मंदिर निर्माण के लिए बिहार की डबल इंजन सरकार तथा यहां के सीएम नीतीश कुमार की तत्परता की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में पुनौरा धाम में 17 एकड़ जमीन मंदिर ट्रस्ट के पास मौजूद है तथा 120 करोड़ रुपए की स्वीकृति देकर 50 एकड़ जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जिस तरह से तत्परता से पूरी की गई वह एनडीए सरकार की संवेदनशीलता तथा मिथिला वासियों के प्रति केंद्र तथा राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। जानकी मंदिर निर्माण के प्रति अपनी भावनात्मक लगाव को रेखांकित करते हुए कहा कि वे पार्टी नेतृत्व के निर्देश पर पिछले एक साल से लगातार सीतामढी जाकर इस संबंध में विभिन्न जानकारियों से शीर्ष नेतृत्व को अवगत कराते आए हैं। जानकी मंदिर को मिथिला वासियों के लिए आस्था का प्रतीक बताते हुए सांसद डा ठाकुर ने बताया कि माता जानकी का जीवन चरित्र हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

खगड़िया समाहरणालय का कर्मी गन हाउस मामले में अरेस्ट

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया के हाई प्रोफाइल विशाल गन हाउस मामले में पुलिस ने हथियार की खरीद फरोख्त के धंधे में शामिल इन्द्रजीत कुमार के पार्टनर को भी धर दबोचा है। अविनाश खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन का कार्यपालक सहायक निकला। के.हाट थाना और एसटीएफ की टीम ने खगड़िया के कचहरी पथ से इसे गिरफ्तार किया। कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार ही मुर्दे के हथियार का लाइसेंस हथियार तस्कर को उपलब्ध कराया करता था। पुलिस की पूछताछ में अविनाश ने खुद ये बात कुबूल की, जिसके बाद के.हाट थाना की पुलिस ने अविनाश कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इससे पहले हथियार की खरीद फरोख्त के मामले में पुलिस और एसटीएफ ने विशाल गन हाउस के मालिक इंद्रजीत कुमार को गिरफ्तार किया था। पूछताछ में इन्द्रजीत ने अविनाश कुमार का नाम उगला था। साथ ही ये बताया था कि अविनाश खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन में कार्यपालक सहायक है। इसी के बाद अविनाश की गिरफ्तारी के लिए के.हाट थाना और एसटीएफ की संयुक्त टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने खगड़िया के कचहरी पथ से आर्म्स सेक्शन के कार्यपालक सहायक अविनाश कुमार को धर दबोचा और फिर उसे गिरफ्तार कर पूर्णिया के के.हाट थाना लाया गया। सख्ती से पूछताछ में अविनाश कुमार ने बताया कि वो खगड़िया समाहरणालय के सामान्य शाखा के आर्म्स सेक्शन में कार्यपालक सहायक है।

1 सितम्बर तक प्राप्त किया जाएगा प्रारूप निर्वाचक सूची पर दावा आपत्ति:डीएम

● निर्वाचकों द्वारा गणना प्रपत्र के साथ संलग्न नहीं किये गये दस्तावेज को बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर प्राप्त करेंगे

दरभंगा, स्वराज खबर। जिला निर्वाचन पदाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार निर्वाचन सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया अन्तर्गत 01 अगस्त से दावा आपत्ति प्राप्त करने की प्रक्रिया चल रही, जो 01 सितम्बर तक जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि दावा-आपत्ति अवधि में ऐसे निर्वाचकों, जिनका गणना प्रपत्र 26 जुलाई तक प्राप्त नहीं हुआ है, उसका बीएलओ, सुपरवाईजर एवं सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों के माध्यम से पुनः सत्यापन करने, वर्ष 2003 के निर्वाचक सूची में चिन्हित कराने, वर्ष 2003 की निर्वाचक सूची में दर्ज निर्वाचकों के पुत्र, पुत्री, संबंधी को चिन्हित करने का निर्देश पूर्व में दिया गया है। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही ऐसे निर्वाचक जिनके द्वारा गणना प्रपत्र के साथ कोई कागजात संलग्न नहीं किया गया है, उनसे घर-घर जाकर दस्तावेज प्राप्त करने का निर्देश सभी बीएलओ को दिया गया है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग से नियुक्त विशेष प्रेक्षक अराधना पटनायक के निर्देशानुसार सभी संबंधित अधिकारियों को जिले के निर्वाचकों के बीच दावा-आपत्ति अवधि, दावा-आपत्ति प्राप्त करने का स्थल, दावा-आपत्ति जमा करने की प्रक्रिया, दावा-आपत्ति आवेदन के साथ संलग्न किये जाने वाले कागजातों आदि के संबंध में जन जागरूकता फैलाने के लिए माईकिंग के माध्यम से प्रचार-प्रसार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों के सभी ग्राम पंचायतों में 6 अगस्त से 13 अगस्त तक ई-रिक्शा पर माईकिंग के माध्यम से दस्तावेज़ संकलन एवं दावा-आपत्ति प्रक्रिया की जानकारी आमजन को देंगे।

संक्षिप्त समाचार

फंदे पर लटकी मिली युवती का लाश, परिजनों ने लगाया दुष्कर्म के बाद हत्या का आरोप

मैनपुरी एजेंसी। मैनपुरी के बेवर थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार रात एक युवती का शव फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने बेटी के साथ दुष्कर्म करने का गांव के ही एक युवक पर आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि यह आत्महत्या है या हत्या, और दुष्कर्म हुआ है या नहीं, इसकी पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगी। शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

इधर, गांव में सुबह इस घटना की जानकारी जंगल की आग की तरह फैल गई। सूचना पर आई पुलिस को परिजनों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। आक्रोशित परिजनों ने शव को उठाने से साफ इनकार कर दिया।

पुलिस अधिकारियों ने परिजनों को शांत करने का प्रयास किया और उन्हें आश्वासन दिया कि कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। एसपी सिटी अरुण कुमार सिंह का कहना है कि वे हर पहलू की गंभीरता से जांच करा रहे हैं। इस मामले में मौत का असली कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट बहुत महत्वपूर्ण है।

गुणवत्ता परखने के लिए तुड़वाई ईंट, टुकड़ों में लगी मिली टाइल्स

सहारनपुर एजेंसी। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने मंगलवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज में निर्माणाधीन कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान करीब 17 करोड़ की लागत से तैयार किए जा रहे ऑडिटोरियम में खामियों की भरमार मिलीं। टाइल्स के अलग-अलग टुकड़े लगे मिले। क्रिटिकल केयर यूनिट में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता परखने के लिए ईंट तुड़वाकर देखी। धीमी गति से काम होने पर डीएम ने नाराजगी जताई।

सोमवार को समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज को लेकर आ रही शिकायतों पर प्राचार्य को दिशा-निर्देश दिए थे। इसके बाद मंगलवार को डीएम मनीष बंसल निरीक्षण के लिए पहुंच गए। डीएम ने सबसे पहले निर्माणाधीन ऑडिटोरियम का निरीक्षण किया। शुरुआत से आखिरी तक ऑडिटोरियम में खामियां ही खामियां नजर आईं। मुख्य गेट पर टाइल्स गंदी मिली।

साइड नहीं देने पर बस चालक को पीटा, जाम लगा

अलीगढ़ एजेंसी।

थाना रोरावर क्षेत्र के खैर रोड पर मगंलवार को शाम बाइक सवार युवक ने साइड नहीं देने पर रोडवेज बस चालक को पीट दिया, जिससे जाम लग गया। घटना के बाद आरोपी मौके से भाग गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अलीगढ़ डिपो की बस सवारियां लेकर बस स्टैंड की तरफ जा रही थी, नादा चौराहा के समीप एक युवक ने बस के आगे बाइक लगा दी और बस के अंदर आकर चालक से मारपीट कर दी।

लोगों ने कारण पूछा तो साइड नहीं देने का आरोप लगाया। इस बीच लंबा जाम लगने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो आरोपी भाग गया। जाम लगने के कारण चालक भी बस को लेकर यह कहते हुए चला गया कि अभी पुलिस से शिकायत करेगा। देर शाम तक इस मामले में कोई तहरीर नहीं आई थी।

रोडवेज बस में ट्रक ने टक्कर मारी

अलीगढ़ एजेंसी। दिल्ली-कानपुर हाईवे पर खेरेश्वर चौराहे पर सोमवार रात बल्लभगढ़ से सवारियां लेकर आ रही रोडवेज बस में तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में छह लोग घायल हो गए।

इगलास के गांव नगला चमन हरौथा निवासी अलीगढ़ डिपो की बस के चालक अमर सिंह ने बताया कि वह परिचालक खैर के गांव तेहरा निवासी रामकिशन के साथ 20 सवारी लेकर बल्लभगढ़ से अलीगढ़ आ रहे थे। रात करीब 12:30 बजे खेरेश्वर चौराहे पर पहुंचे ही थे गभाना की ओर से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बस के बीच टक्कर मार दी। चीख-पुकार को सुनकर स्थानीय लोग, राहगीर और पुलिस मौके पर पहुंची और बस चालक -परिचालक सहित चार घायलों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया। क्षतिग्रस्त वाहनों को थाने में खड़ा करा दिया है। हादसे की खबर सुनकर परिवहन विभाग के अधिकारी भी पहुंच गए। थाना प्रभारी अंकित सिंह ने बताया कि थाने कोई तहरीर नही आई है। दोनों पक्षों में समझौते की बात चल रही है।

अब खाने-पीने के भी लाले...नावें और मोटर बोट नाकाफी, गंगा-यमुना का जलस्तर गिरा

प्रयागराज , एजेंसी। प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन खतरा बरकरार है। फाफामऊ में शाम तक गंगा खतरे के निशान (84.738 मीटर) से ऊपर 85.99 मीटर पर रहीं। वहीं नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 85.79 मीटर रिकॉर्ड किया गया।

गंगा और यमुना का जलस्तर भले ही कम होने लगा है लेकिन खतरा बरकरार है। साथ ही बाढ़ की चपेट में आई करीब पांच लाख की आबादी की दुश्वारियां बढ़ती जा रही हैं। हालात यह है कि लोगों के सामने भोजन-पानी का संकट खड़ा होने लगा है।

वहीं, राहत शिविरों में शरणार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर है। मंडलायुक्त व डीएम ने मंगलवार को व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर तैयारियां परखीं।

यमुना के जलस्तर में गिरावट सोमवार शाम से ही शुरू हो गई थी जो मंगलवार को भी जारी रही। सिंचाई विभाग को मंगलवार की शाम की रिपोर्ट के अनुसार, यमुना में गिरावट प्रति घंटे 075 सेमी दर्ज की गई है। वहीं, फाफामऊ में गंगा के जलस्तर में भी प्रति घंटे एक सेमी की गिरावट दर्ज की गई। इसका नतीजा यह रहा कि गंगा का जलस्तर शाम पांच बजे के करीब 86 मीटर से नीचे चला गया। राहत की बात यह भी रही कि गंगा व यमुना का जल तेजी से निकल रहा है। इसका नतीजा रहा कि छतनाग में जलस्तर में प्रतिघंटे तीन सेमी की गिरावट दर्ज की गई।

दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट को लेकर सिंचाई विभाग के अफसरों के संकेत सकारात्मक हैं। अधिशासी अभियंता दिग्विजय सिंह का कहना है कि फिलहाल दोनों नदियों के जलस्तर में गिरावट जारी रहने की उम्मीद है। यमुना का जलस्तर 85.31 रिकॉर्ड किया गया। करीब एक मीटर पानी कम हुआ है। गंगा का जलस्तर 85.74 सेंटीमीटर रिकॉर्ड किया गया। जलस्तर करीब आधा मीटर पानी कम हुआ है।

अब खाने-पीने के भी लाले: बाढ़ की अवधि बढ़ने के साथ इसमें फंसे लोगों की दुश्वारियां भी बढ़ती जा रही है। बाढ़ पीड़ितों के बीमार पड़ने की शिकायतें बढ़ने के साथ ही भोजन-पानी का भी गंभीर संकट पैदा हो गया है। प्रशासन की ओर से मंगलवार को अलग-अलग क्षेत्रों में भोजन के पैकेट और राहत सामग्री वितरित कराई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। सलोरी के रमेश पुरोहित, छोटा वघाड़ा में फंसे दुर्गेश कुशवाहा, म्योराबाद की रंगीता आदि बाढ़ का दंश झेलने को मजबूर हैं।

नाकाफी साबित हो रहीं नावें और मोटर बोट: बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने और लाने-ले जाने के लिए 323 नावें व तीन मोटर बोट लगाई गई हैं। सदर तहसील के अंतर्गत 133 नावें चलाई जा रही हैं लेकिन इनका लाभ सभी प्रभावितों को नहीं मिल पा रहा है। कई क्षेत्रों में नावें पहुंच ही नहीं पा रही हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन की ओर से खाने के पैकेट, लाई-चना समेत अन्य राहत सामग्री पहुंचाई गई लेकिन यह नाकाफी साबित हुई। लोग कंट्रोल रूम के अलावा अन्य लोगों को लगातार फोन करते रहे लेकिन मदद नहीं मिली।

खेती को नुकसान, मांगी गई रिपोर्ट: बाढ़ की चपेट में आने से हजारों एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। जिला प्रशासन की ओर से इस नुकसान का आकलन कराया जाएगा। इसके लिए सर्वे शुरू हो गया है। इस बाबत तहसीलों और ब्लॉकों से प्रभावित क्षेत्र, बोया गया क्षेत्र, कटान की स्थिति, तीन इंच से अधिक गाद वाली खेती योग्य भूमि का क्षेत्रफल, फसल क्षति आदि बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

बाढ़ क्षेत्रों में अब भी आठ हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा: बाढ़ की वजह से निचले इलाकों में अब भी आठ हजार से अधिक उपभोक्ताओं के घरों में अंधेरा छाया हुआ है। चार दिन बाद भी इन घरों में बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। जलस्तर में मामूली गिरावट के बाद मंगलवार को कई इलाकों में आपूर्ति बहाल कर दी गई। इससे अशोकनगर की बेली कॉलोनी की बकरीद वाली गली समेत अन्य मोहल्लों में रहने वालों को राहत मिली। वहीं, गंगानगर इलाके में ट्रांसफॉर्मर डूबा होने से आपूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। बाढ़ प्रभावित कीडगंज के यमुना बैंक रोड स्थित उपकेंद्र व दारागंज के बक्शी बांध जलमग्न हैं, जिससे वहां बिजली बहाल नहीं हो सकी है। मंगलवार को मुख्य अभियंता राजेश कुमार ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा, दूसरी लाइन से संबंधित मोहल्लों में बिजली आपूर्ति बहाल की जा रही है।

गंगा-यमुना की रफ्तार थमी, राहत की उम्मीद जगी

प्रयागराज में गंगा और यमुना के जलस्तर में मंगलवार को थोड़ी गिरावट दर्ज की गई लेकिन खतरा बरकरार है। फाफामऊ में शाम तक गंगा खतरे के निशान (84.738 मीटर) से ऊपर 85.99 मीटर पर रहीं। वहीं नैनी में यमुना नदी का जलस्तर 85.79 मीटर रिकॉर्ड किया गया। दोनों नदियों के खतरे के निशान से ऊपर बहने से करीब पांच लाख की आबादी बाढ़ से जूझ रही है। समय के साथ बाढ़ पीड़ितों की दुश्वारियां भी बढ़ती जा रही हैं। आशियाना छूटने के बाद अब उनके सामने भोजन-पानी का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। हालात की गंभीरता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि राहत शिविरों में लगातार बाढ़ प्रभावित लोगों की संख्या बढ़ती जा रही है। बीते रोज जहां 8386 लोगों ने सरकारी राहत शिविरों में शरण ली थी, वहीं मंगलवार को यह संख्या बढ़कर 9470 हो गई। यह संख्या अभी और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। बाढ़ की वजह से अंतिम संस्कार की डगर भी कठिन हो गई है। ऊपर से प्रशासन एवं नगर निगम की अव्यवस्था ने अपनों को खोने वालों का दर्द और बढ़ा दिया है। अंतिम संस्कार के लिए घाटों पर किसी तरह के इंतजाम नहीं हैं। बीते रोज अत्यधिक दबाव के कारण दारागंज विद्युत शवदाह गृह भी जवाब दे गया।

जमाल सिद्दीकी बोले- डिंपल का पहनावा मस्जिद में जाने लायक नहीं, मुसलमानों का अपमान किया

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि डिंपल यादव का पहनावा मस्जिद के नियमों के अनुसार सही नहीं था, क्योंकि उन्होंने बिना सिर ढके मस्जिद में प्रवेश किया। उन्होंने इसे मुसलमानों का अपमान बताया और कहा कि मस्जिद में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए पूरे शरीर को ढकना अनिवार्य है। सपा पर निशाना साधते हुए जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ए फॉर अखिलेश, डी फॉर डिंपल और आर फॉर रामगोपाल है।

कहा कि अखिलेश का तंबू मुसलमानों के बंबू पर टिका हुआ है। सिद्दीकी ने अखिलेश पर मस्जिद में जाकर ठहाके लगाने का आरोप भी लगाया। साथ ही, जमाल सिद्दीकी ने डॉ. कलाम स्टार्टअप यूथ अवॉर्ड 2.0 की घोषणा की। यह अवॉर्ड भारत रत्न डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 10वीं पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर के सर्वश्रेष्ठ अल्पसंख्यक युवाओं को दिया जाएगा।

मोदी सरकार और डॉ. कलाम के विजन पर चर्चा: जमाल सिद्दीकी ने मोदी सरकार की योजनाओं की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि अखिलेश सरकार के दौरान जहां 30 हजार स्टार्टअप थे। वहीं मोदी सरकार के आने के बाद यह संख्या बढ़कर चार लाख छत्तीस हजार हो गई है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं से युवाओं को सशक्त बना रही है। उन्होंने डॉ. कलाम को याद करते हुए कहा कि उनके आदर्शों पर चलते हुए देश के भविष्य और राष्ट निर्माण के कार्यों में योगदान देना चाहिए।

पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद पर हमला

हमलावर बोला- सनातन को अपमानित करते हैं... इसलिए ऐसा किया

रायबरेली , एजेंसी। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य का शहर के साथस मोटल चौराहा पर स्वागत हो रहा था। इस दौरान दो युवकों ने उनके साथ मारपीट की। इसके बाद समर्थकों ने दोनों युवकों को पीटा। पुलिस ने पिटाई करने वाले दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया है। सीओ सदर अमित सिंह ने कहा पकड़े गए युवकों की अभी पहचान नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज होगा।

घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वामी प्रसाद ने कहा कि ये करणी सेना के नाम पर कीड़े-मकोड़े हैं। ये लोग खुलेआम कानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ये बताता है कि योगी सरकार में गुंडे-माफियाओं के हौंसले कितने बढ़े हुए हैं। वहीं, पुलिस की गिरफ्त में आए हमलावर ने कहा कि स्वामी लगातार सनातन का विरोध करते हैं इसलिए उन पर हमला किया। स्वामी प्रसाद लगातार विवादित टिप्पणियां करने के कारण चर्चा में रहते हैं। बुधवार को जब वह रायबरेली पहुंचे तो उनके कार्यकर्ताओं ने मोटल चौराहे पर उनका स्वागत किया। इसी दौरान दो युवकों ने उन पर हमला कर दिया जिस पर वहां मौजूद उनके समर्थकों ने दोनों हमलावरों को पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

रक्षाबंधन पर रोडवेज बसों में बहनों को तीन दिन मुफ्त यात्रा, इस दिन से लागू होगी व्यवस्था

बरेली एजेंसी। इस बार रक्षाबंधन पर बहनों को रोडवेज बसों में तीन दिन मुफ्त यात्रा की सुविधा मिलेगी। आठ अगस्त की सुबह छह से 10 अगस्त की रात 12 बजे तक यह व्यवस्था लागू रहेगी। उनको शून्य रुपये का टिकट जारी किया जाएगा। आदेश मिलने के बाद स्थानीय स्तर पर बरेली, रुहेलखंड, पीलीभीत और बदायूं डिपो में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कार्ययोजना बनाने के लिए क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने मंगलवार को चारों डिपो के अधिकारियों की बैठक बुलाई है। शहर में रोडवेज के पुराना और सेटेलाइट बस अड्डों पर इन दोनों डिपो के अलावा अन्य डिपो व राज्यों की 700 से ज्यादा बसों और 32 हजार से ज्यादा यात्रियों का आवागमन हो रहा है। रक्षाबंधन पर बहनों के लिए मुफ्त यात्रा की सुविधा होने के कारण यात्रियों की संख्या रोजाना 80 हजार तक पहुंचने का अनुमान है। ज्यादा दबाव लोकल रूटों पर है।

रक्षाबंधन से पहले चारों डिपो की कार्यशाला और क्षेत्रीय कार्यशाला में शत-प्रतिशत बसों को दुरुस्त कर ऑनरोड लाने के लिए काम किया जा रहा है। चालक, परिचालक और कार्यशाला कर्मचारियों की छुट्टी पर रोक लगा दी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक दीपक चौधरी ने बताया कि लोकल रूटों पर बसों के फेरों को बढ़ाया जाएगा। मंगलवार को बैठक के बाद संबंधी रूट, बसों की संख्या समेत अन्य कार्ययोजना जारी कर दी जाएगी।

एक दिन में 127 बसें खराब, ऑफरोड रहने से समस्स्या

रोडवेज के जिम्मेदार अधिकारी एक ओर रक्षाबंधन से पहले शत प्रतिशत बसों को पूरी तरह से दुरुस्त कर ऑनरोड लाने का दावा कर रहे हैं। दूसरी ओर एक दिन में 100 से ज्यादा बसें खराब होने के कारण ऑफरोड हो रही हैं। शनिवार को बरेली और रुहेलखंड डिपो की 127 बसों के पहिये नहीं घूमे। यह बसें मरम्मत के इंतजार में वर्कशॉप में खड़ी रहीं। रविवार को भी 80 से ज्यादा बसें खराबी के कारण ऑफरोड रहीं।

जिस थानेदार की छत्रछाया में बढ़ा छांगुर... उसने लखनऊ में खरीदी करोड़ों की जमीन; जमीनों पर कराया था कब्जा

लखनऊ, एजेंसी। बलरामपुर के तत्कालीन पुलिस अधिकारियों से अवैध धर्मांतरण के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर की मिलीभगत रही। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने छांगुर, नीतू , नवीन व महबूब सहित 10 के विरुद्ध दर्ज मुकदमों में इसका जिक्र किया है। अब बात सिस्टम की गठजोड़ से आगे। असल में जिस कोतवाल की छत्रछाया में छांगुर बढ़ा, उसने लखनऊ में करोड़ों की जमीन खरीदी है। अपर मुख्य सचिव, गृह एवं गोपन विभाग को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उतरौला में छांगुर ने करीब 2010 से ही जड़ जमाना शुरू कर दिया था। एक चर्चित कोतवाल ने छांगुर और उससे जुड़े लोगों को हर तरह से मदद की। उनके कहने पर विपक्षियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। कुछ जमीनों और मकानों पर कब्जा भी कराया। इसके बदले छांगुर ने पानी की तरह पैसा बहाया।

संबंधित कोतवाल ने इसी दौरान लखनऊ में करीब 15 हजार स्क्वायर फीट जमीन खरीदी। वह भी इकाना क्रिकेट स्टेडियम के पास। यहां अभी जमीन की औसत कीमत करीब चार हजार रुपये प्रति स्क्वायर फीट है। बाजार भाव के अनुसार जमीन की अभी कुल कीमत करीब छह करोड़ रुपये है। अब सवाल यह है कि इतने गंभीर मामले में नाम जुड़ने के बाद भी उस चर्चित कोतवाल पर तत्कालीन पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई क्यों नहीं की? अब जब छांगुर के पूरे गिरोह से पर्दा हटना शुरू हुआ और कार्रवाई का दायरा बढ़ा तो वही कोतवाल देवीपाटन मंदिर में करीब रोज ही माथा टेकने पहुंच रहा है।

बलरामपुर पुलिस और छांगुर का गठजोड़ आ रहा सामने: धर्मांतरण के सादुल्लानगर कनेक्शन के बाद धीरे-धीरे बलरामपुर पुलिस और छांगुर का गठजोड़ सामने आने लगा है। यह अलग बात है कि तत्कालीन जिलाधिकारी अरविंद सिंह की जांच रिपोर्ट अब भी फाइलों में दबी शासन में धूल फांक रही है।

इसके इतर विशेष लोक अभियोजक धर्मेन्द्र कुमार त्रिपाठी की ओर से भी प्रस्तुत पुलिस और अपराधियों की सांठगांठ की रिपोर्ट पर भी जिम्मेदारों ने गंभीरता नहीं दिखाई। दोनों जांच रिपोर्ट में और भी चौंकाने वाले खुलासे हैं, जो पूरे बलरामपुर जिले को संवेदनशील बनाते हैं। यहां के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन को भी जाहिर करते हैं।

तत्कालीनन थाना प्रभारी पर लगे गंभीर आरोप

वर्ष 2024 में सादुल्लानगर के तत्कालीन थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगे। यहां पुलिस और अपराधियों के गठजोड़ की शिकायत अपर मुख्य सचिव गृह एवं गोपन विभाग के साथ ही अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री से भी की गई। 18 जून 2024 में दोनों अधिकारियों को पत्र लिखा गया।

आयकर चोरी में बड़ी फर्में रडार पर...शहर के 25 रईस की टॉप 75 रजिस्ट्री में खेल की आशंका

गोरखपुर , एजेंसी। जमीनों की रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज कराते हुए लेन-देन छिपाकर आयकर की चोरी में शहर के 25 से ज्यादा रईस आयकर विभाग के रडार पर आ गए हैं। तीन साल में ज्यादा निवेश वाले टॉप 75 रजिस्ट्री में आयकर चोरी की आशंका है। जांच करने आई आयकर विभाग की संयुक्त टीम ने इन सभी रजिस्ट्री के मूल दस्तावेज भी अपने कब्जे में लिए हैं। इसके अलावा कुल 54 हजार रजिस्ट्री का ब्योरा भी पैन ड्राइव में टीम साथ ले गई।

सूत्रों के मुताबिक, आयकर विभाग की क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने निबंधन कार्यालय से प्रति वर्ष भेजी गई रजिस्ट्री के रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि गोरखपुर के महानगर क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2022-23, 2023-24 और 2025 में बहुत सारी रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज किए गए हैं। ऐसी कुल 75 रजिस्ट्री की सूची तैयार की गई जिसमें डेढ़ करोड़ से छह करोड़ रुपये की जमीन खरीदी गई है। खरीदने वालों में कुछ बड़ी फर्में भी शामिल हैं जिनका पैन नंबर पहले से आयकर विभाग के पास मौजूद था। मिलान करने पर पाया गया कि इन्होंने जालसाजी की है। इसके बाद खातों की जांच कराई गई तो रजिस्ट्री में दिखाई गई रकम और बैंक के डिटेल में अंतर पाया गया। अब ये फर्में आयकर विभाग के रडार पर आ गई हैं। इन फर्मों की अलग से सूची बनाई गई है। इसके अलावा लखनऊ में रहने वाले गोरखपुर के कुछ रईसों ने भी जमीनों की खरीद कर निवेश किए हैं। इनके भी रिकॉर्ड खंगाले गए हैं। प्रारंभिक जांच में आयकर टीम को गड़बड़ी मिली है। इसके बाद सभी के मूल दस्तावेज टीम ने अपने कब्जे में ले लिया। अब टीम रजिस्ट्री के माध्यम से निवेश की गई रकम और निवेशक के बैंक खातों का डिटेल खंगालेगी ताकि पता चल सके कि कितनी रकम कम दिखाई गई।

लखनऊ और दिल्ली की फर्में भी कर रहीं निवेश

शहर के बाहर हिस्सों यानी महराजगंज, वाराणसी और देवरिया रूट पर लखनऊ और दिल्ली की फर्में भी निवेश कर रही हैं। कुछ कॉलोनियां विकसित करने की योजना भी है। सूत्रों की मानें तो इन फर्मों के भी दस्तावेज खंगाले गए हैं। जांच की भनक लगते ही कुछ फर्मों की रजिस्ट्री कराने वाले अधिवक्ता भी निबंधन कार्यालय के चक्कर लगाते देखे गए।

54 हजार रजिस्ट्री की भी होगी जांच

रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज कराने का मामला सामने आने पर अब आयकर विभाग ने बीते तीन साल में महानगर क्षेत्र में हुई 54 हजार रजिस्ट्री की जांच कराने का निर्णय लिया है। निबंधन कार्यालय में टीम ने कुछ दस्तावेजों की रैंडम जांच कराई जिसमें पैन कार्ड नंबर फर्जी पाए गए। इसके बाद सभी 54 हजार रजिस्ट्री का एक्सेल डेट पैन ड्राइव में एकत्र कराया और उसे साथ ले गई। सूत्रों की मानें तो रजिस्ट्री के रिकॉर्ड से क्रेता और विक्रेता से टीम संपर्क कर सकती है।

जांच का आदेश मिलते ही दूसरे दिन पहुंच गई टीम

जमीन की रजिस्ट्री में गलत पैन नंबर दर्ज कराकर आयकर चोरी की आशंका को देखते हुए संयुक्त आयकर निदेशक सोनल सिंह ने चार अगस्त को जांच के आदेश दिए हैं। एक पत्र निबंधन कार्यालय को भी दिया गया है। जांच में गोरखपुर और वाराणसी के दो अधिकारी लीड कर रहे हैं। टीम में गौरव प्रकाश, रतनसेन सिंह, गणेश लाल, अमित गुप्ता, अतुल सिंह शामिल रहे।

संपादकीय

दिशोम गुरू का महाप्रयाण

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक, जुझारू आदिवासी नेता शिबू सोरेन, जिन्हें आदर से लोग दिशोम गुरू यानी मार्गदर्शक कहते थे, का जाना इस देश में स्वातंत्र्योत्तर काल में सफल आदिवासी आंदोलन के एक समूचे अध्याय का समापन होना है। हालांकि सत्ता में रहने के कारण? शिबू पर भ्रष्टाचार के आरोप भी लगे और जेल में भी रहे, लेकिन झारखंड की आम जनता के बीच उनकी छवि हमेशा एक महानायक की रही। झारखंड के मुख्यमंत्री और शिबू के बेटे हेमंत सोरेन की यह मार्मिक टिप्पणी काफी कुछ कहती है कि आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूँ। शिबू सोरेन काफी समय से बीमार थे और दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। झारखंड के आदिवासियों को एकजुट कर महाजनी प्रथा के खिलाफ लड़ाई को एक राजनीतिक सामाजिक न्याय के संघर्ष में बदलने में शिबू की निर्णायक भूमिका थी। उनका सारा जीवन आदिवासी समुदाय के हितों की रक्षा और संघर्ष में बीता। दरअसल शिबू झारखंड में आदिवासियों की पहचान बन गए थे। झामुमो को छोड़ दें तो देश में आदिवासियों की पार्टियां शायद ही सत्ता तक पहुंच पाई हैं। स्वयं शिबू में झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री और संसद के दोनों सदनों के सदस्य रहे। झारखंड के संथाल आदिवासी समुदाय में जन्मे शिबू सोरेन का बचपन संघर्ष से भरा था। उनका जन्म 1942 में पैतृक गांव रामगढ़ के नेमरा में हुआ था। आदिवासियों पर होने वाले अत्याचार और शोषण से आक्रोशित शिबू सोरेन ने पढ़ाई बीच में छोड़कर आदिवासियों को संगठित कर राज्य में महाजनी प्रथा के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक दिया। 1973 में उन्होंने झारखंड मुक्ति मोर्चा का गठन किया, जिसका उद्देश्य बिहार के जंगल और आदिवासी इलाक़ों से अलग झारखंड राज्य बनाना था। इसके लिए उन्होंने कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा के साथ समझौते किए। लगभग तीन दशकों के संघर्ष के बाद उनका उद्देश्य साल 2000 में हासिल हुआ था, जब अलग झारखंड राज्य बना। हालांकि पहले इसका नाम आरएसएस के सुझाव पर वनांचल रखा गया था, लेकिन बाद जनता की मांग पर झारखंड कर दिया गया। शिबू सोरेन ने अपने 6 दशक के राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे। 2019 में वो बीजेपी उम्मीदवार सुनील सोरेन के हाथों लोकसभा का चुनाव हार गए थे। राज्य से इतर केंद्र की यूपीए सरकार में भी उन्होंने बतौर मंत्री काम किया। हालांकि गिरते स्वास्थ्य के कारण उन्होंने सक्रिय राजनीति से दूरी बना ली थी और उनके उत्तराधिकारी के रूप में बेटे हेमंत सोरेन को पार्टी का सारा काम सौंप दिया था। शिबू सोरेन के निधन से समूचे झारखंड में शोक की लहर छा गई। लोग अपने प्रिय नेता के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़े। इतिहास शिबू सोरेन को आदिवासियों के मुक्ति दाता भगवान बिरसा मुंडा की परंपरा के नेता के रूप में सदा याद रखेगा। बिरसा मुंडा अंग्रेजों के खिलाफ निर्णायक संघर्ष किया था, जबकि शिबू सोरेन ने आजादी के बाद आदिवासियों के हकों और शोषण के खिलाफ लंबी लड़ाई लड़ी।

भारतीय पृष्ठभूमि वाली दुनिया की सबसे पुरातन सभ्यता-संस्कृति सनातन धर्म पर सियासी वजहों से जो निरंतर हमले हो रहे हैं, उनका समुचित जवाब देने में अब कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। अन्यथा इसकी सार्वभौमिक स्थिति और महत्ता को दरकिनार करने वाले ऐसे ही बेसिरपैर वाले क्षुद्र सवाल उठाए जाते रहेंगे। हाल ही में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और अवसरवादी क्षेत्रीय पार्टी एनसीपी शरद पवार के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद छेड़ते हुए जो कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया और इसकी विचारधारा को विकृत बताया, वह निहायत ही बेहूदगी भरी, अपरिपक्व और पूर्वाग्रह ग्रसित बयानबाजी है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

भारत को सनातन ने नहीं, विदेशी आक्रांताओं और कांग्रेस ने बर्बाद किया

(कमलेश पांडे)

शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर लिखा, जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए खूब सारी फर्जी कहानियां सुनाई हैं। वे यह बताना भूल गए कि अगर सनातन धर्म नहीं होता तो वे अब तक जितेंद्र नहीं जित्तुद्दीन हो जाते। अगर सनातनी नहीं होते तो देश सऊदी अरब बन जाता।

भारतीय पृष्ठभूमि वाली दुनिया की सबसे पुरातन सभ्यता-संस्कृति सनातन धर्म पर सियासी वजहों से जो निरंतर हमले हो रहे हैं, उनका समुचित जवाब देने में अब कोई कोताही नहीं बरती जानी चाहिए। अन्यथा इसकी सार्वभौमिक स्थिति और महत्ता को दरकिनार करने वाले ऐसे ही बेसिरपैर वाले क्षुद्र सवाल उठाए जाते रहेंगे।

हाल ही में तथाकथित धर्मनिरपेक्ष और अवसरवादी क्षेत्रीय पार्टी एनसीपी शरद पवार के विधायक जितेंद्र आव्हाड ने एक नया विवाद छेड़ते हुए जो कहा है कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया और इसकी विचारधारा को विकृत बताया, वह निहायत ही बेहूदगी भरी, अपरिपक्व और पूर्वाग्रह ग्रसित बयानबाजी है, उसकी जितनी भी निंदा की जाए, वह कम है।

वहीं, भारत की आत्मा समझी जाने वाली सनातन सभ्यता-संस्कृति पर ऐसी अपमानजनक टिप्पणी करने वाले जनप्रतिनिधियों के खिलाफ उनकी पार्टी को अपना स्टैंड क्लियर करते हुए उनका इस्तीफा लिया जाना चाहिए, अन्यथा चुनाव आयोग को ऐसे जनप्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे सम्बन्धित राजनीतिक दल की मान्यता अविलंब समाप्त की जानी चाहिए।

अन्यथा जनमानस में यही संदेश जाएगा कि भारतीय संविधान के मातहत जारी कार्यपालिका प्रशासन और न्यायपालिका प्रशासन में धर्मनिरपेक्षता की पक्षधरता करने वाले ऐसे ऐसे सनातन विरोधी लोग बैठे हैं, जो भारत की सबसे पुरानी सभ्यता-संस्कृति के हमलावरों पर भी उसी तरह से उदार हैं, जैसे कभी मुगल या अंग्रेज प्रशासक या कांग्रेसी राजनेता हुआ करते थे।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त विधायक का यह बयान 2008 मालेगाव विस्फोट मामले में सभी सात आरोपियों के विशेष एनआईए अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद आया है, जिसने भगवा/हिन्दू आतंक शब्द को लेकर पिछले डेढ़ दशकों से जारी राजनीतिक बहस को एक बार फिर से गरमा दिया है।

यह अजीबोगरीब है कि पत्रकारों से बात करते हुए आव्हाड ने कहा कि सनातन धर्म ने भारत को बर्बाद कर दिया। कभी कोई धर्म सनातन धर्म नाम से नहीं था। हम हिंदू धर्म के अनुयायी हैं। यही कथित सनातन धर्म था जिसने हमारे छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक में बाधा डाली। इसी सनातन धर्म ने हमारे छत्रपति संभाजी महाराज को बदनाम किया। इसी सनातन धर्म के अनुयायियों ने ज्योतिराव फुले की हत्या का प्रयास किया।

इन्होंने सावित्रीबाई फुले पर गोबर और गंदगी फेंकी। यही सनातन धर्म शाहू महाराज की हत्या की साजिश में शामिल था। इसने आंबेडकर को पानी पीने या स्कूल में पढ़ने की अनुमति तक नहीं दी। वहीं, आव्हाड के सनातन धर्म और सनातन समाज विरोधी बयान पर राणे और संजय निरुपम ने भी ठोककर जवाब दिया है। महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नितेश राणे ने जितेंद्र आव्हाड के बयान पर कहा कि हिंदू आतंकवाद या सनातनी आतंकवाद जैसी भाषा भारत की

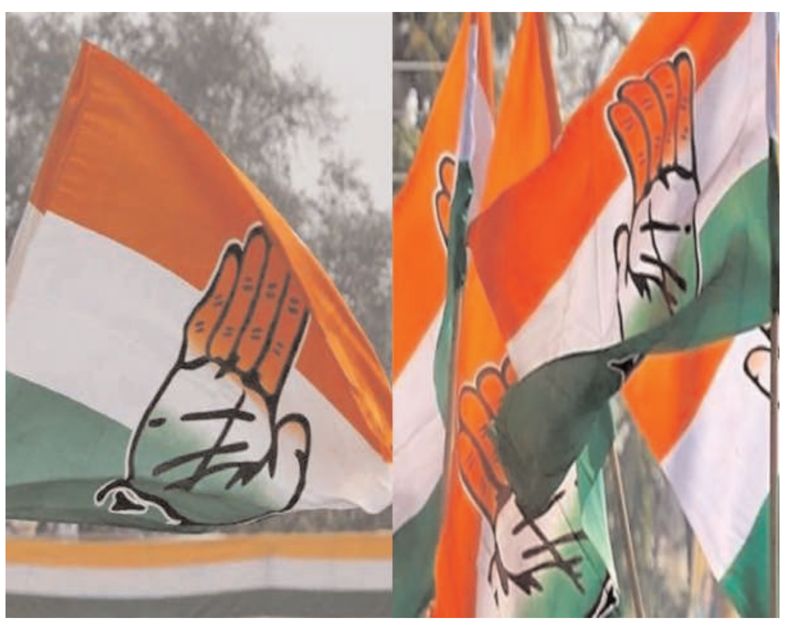

हिंदू और संत परंपरा को बदनाम करने के लिए गढ़ी गई एक परिभाषा है।

राणे की इस प्रतिक्रिया का लब्बोलुआब यह है कि हिन्दू समाज के प्रति हद से ज्यादा नकारात्मक हो चुकी कांग्रेस को देशवासियों ने सजा दी, और केंद्रीय सत्ता से बाहर कर दिया, जिससे कांग्रेसी बौखलाये हुए हैं। उसके लोग मुस्लिम वोटों को समाजवादियों से खींचने के लिए रणनीतिक गलतियां दर गलतियां करते जा रहे हैं। ऐसा करके वे लोग विपक्ष की राजनीति तो कब्जा सकते हैं, लेकिन केंद्रीय सत्ता 15 साल बाद भी उनके लिए दिल्ली दूर ही साबित होगी।

वहीं, बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस के तथाकथित इकोसिस्टम पर निशाना साधते हुए कहा कि वह सनातन धर्म को बदनाम करने और हिंदू आतंक जैसे शब्दों का इस्तेमाल करने पर आमादा है। उन्होंने कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण के उन हालिया बयानों का भी जिक्र किया जिसमें उन्होंने सनातन आतंकवाद का नया जुमला गढ़ा है।

सांसद संबित पात्रा ने एनसीपी विधायक जितेंद्र आव्हाड के ताजा विवादित बयान का हवाला देते हुए कहा कि, आव्हाड महाराष्ट्र के नेता हैं और शरद पवार की पार्टी से ताल्लुक रखते हैं। एक बार फिर उन्होंने सनातन धर्म के लिए अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। आपने सत्य का अपमान किया है, शिव के खिलाफ बोला है और उस भारत की सुंदरता का विरोध किया है। वह भारत जिसकी खूबसूरती सबके सम्मान में निहित है। मैं शरद पवार से पूछना चाहता हूं कि क्या यह आपकी पार्टी भी यही सोचती है, स्पष्ट कीजिए।

वहीं, शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सोशल मीडिया पर लिखा, जितेंद्र आव्हाड ने सनातन धर्म को बदनाम करने के लिए खूब सारी फर्जी कहानियां सुनाई हैं। वे यह बताना भूल गए कि अगर सनातन धर्म नहीं होता तो वे अब तक जितेंद्र नहीं जित्तुद्दीन हो जाते। अगर सनातनी नहीं होते तो देश सऊदी अरब बन जाता।

बता दें कि महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भगवा शब्द की जगह सनातन या हिंदुत्ववादी शब्दों के उपयोग की वकालत की है। मालेगांव ब्लास्ट मामले में सभी दोषियों को बरी किए जाने के बाद चव्हाण ने सनातन संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता का हवाला देते हुए उस पर प्रतिबंध का समर्थन किया। उन्होंने कहा है कि आतंकवादियों के लिए भगवा शब्द का प्रयोग न करके सनातन या हिंदुत्ववादी शब्दों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए. उन्होंने अपने विचारों के समर्थन में ऐतिहासिक संदर्भ भी दिए।

चव?हाण ने कहा, मेरे मुख्यमंत्री काल में 'सनातन संगठन की आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्तता थी। इस संगठन पर प्रतिबंध लगाने के लिए मैंने एक गोपनीय रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजी थी। उसी संदर्भ में मैंने 'सनातन' शब्द का उपयोग किया था, क्योंकि उस संगठन का कार्य आतंकवादी प्रवृत्ति का था। इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए था।

उन्होंने डॉ. नरेंद्र दाभोलकर और कॉ. गोविंद पानसरे की हत्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि उनके साथ क्या हुआ और आज तक न्याय क्यों नहीं मिला, यह गंभीर प्रश्न है।

उन्होंने सवाल उठाया और कहा, ऑपरेशन सिंदुर पर सदन में चर्चा होनी थी, उसी समय मुंबई सीरियल ब्लास्ट और मालेगांव फैसले का आना संयोग है या साजिश? मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने जब मालेगांव केस चल रहा था, तब जो बयान दिया था, उसका असर कोर्ट के निर्णय पर पड़ा हो, तो यह गंभीर मामला है।

चव?हाण ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी सवाल उठाए हैं। उन?होंने कहा, बीते 15 वर्षों से अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री हैं, लेकिन इस अवधि में जांच एजेंसियों ने न्यायोचित कार्य नहीं किया है। ये सब सोची-समझी रणनीति के तहत किया गया है। मुंबई विस्फोट और मालेगांव दोनों मामलों में सरकार को उच्च न्यायालय में अपील करनी चाहिए।

चव?हाण के अनुसार, कोई भी धर्म आतंकवादी नहीं होता, लेकिन नाथूराम गोडसे की विचारधारा संघ की थी। सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक समय संघ पर प्रतिबंध लगाया था।उन्होंने यह भी साफ किया कि चिदंबरम, सुशील कुमार शिंदे और दिग्विजय सिंह ने 'भगवा आतंकवाद' शब्द का उपयोग किया था, लेकिन मैं और मेरी पार्टी उस शब्द से सहमत नहीं थे और आज भी नहीं हैं। इसलिए सनातनी आतंकवाद कहते हैं।

तल्ख हकीकत यह है कि भारत को सनातन ने नहीं, विदेशी आक्रांताओं और कांग्रेस ने बर्बाद किया। आजादी की प्राप्ति के बाद तुष्टीकरण की राजनीति करते हुए तत्कालीन हिंदूवादी कांग्रेस ने हिंदुओं के साथ छल किया। जबतक हिन्दू समाज इसे समझ पाया, तबतक बहुत देर हो चुकी थी। हिन्दू हित के जो कार्य 1947 में ही शुरू कर दिए जाने चाहिए थे, वो 1998-99 में प्रारंभ हुए, लेकिन उन्हें सही गति 2014 के बाद मिल पाई।

अभी भी तथाकथित धर्मनिरपेक्षता इस राह में सबसे बड़ा बाधक है। यह इस्लामिक व ईसाइयत को संरक्षण देता है तो हिंदुओं को सिख, बौद्ध, जैन आदि पंथ को धर्म ठहराकर तोड़ता है। इससे हिन्दू समाज आंदोलित है। उसे योगी शासन का इंतजार है, ताकि यूपी की तरह पूरे देश का कायाकल्प संभव हो सके। वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

झालावाड़ में स्कूली हादसे से भी नहीं खुलेगी नेताओं की नींद?

(योगेंद्र योगी)

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली।

देश के सरकारी स्कूलों के आधारभूत ढांचे और शिक्षा की गुणवत्ता की हालत करेला और नीम चढ़ा जैसी है। हालात ये हैं घिसी-पिटी, आधी-अधूरी शिक्षा ग्रहण करने वाले इन स्कूलों में बच्चों की जान तक महफूज नहीं है। राजस्थान के झालावाड़ जिले के मनोहरथाना ब्लॉक के पलोदी गांव में सरकारी मिडिल स्कूल की छत गिरने से 7 बच्चों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब 30 से ज्यादा बच्चे घायल हो गए। राज्य के सैकड़ों स्कूलों के संस्था प्रधान पिछले दो साल से विभाग से भवनों की मरम्मत के लिए बजट मांगते-मांगते थक गए, लेकिन सरकारी तंत्र पर कोई असर नहीं हुआ।

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए।

राजस्थान के शिक्षा विभाग ने हाल ही आठ हजार स्कूलों का प्रस्ताव स्कूल शिक्षा परिषद को भेजा। इनमें से महज दो हजार स्कूलों का चयन कर इनमें मरम्मत के लिए 175 करोड़ प्रस्ताव बनाकर सरकार को भेज दिया, लेकिन राशि अभी तक नहीं मिली। इस बार केंद्र से सिर्फ नवीन भवनों का बजट मिला। इसके चलते सरकार ने पिछले बजट में 700 स्कूलों की मरम्मत की घोषणा की। इसके लिए 80 करोड़ जारी हो गए, जिनका कार्य चल रहा है। वहीं, हाल ही बजट में 175 करोड़ स्वीकृत किए गए। लेकिन बजट कम होने के कारण दो हजार स्कूलों को शामिल किया गया। करीब छह हजार स्कूल मरम्मत का इंतजार कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि अकेले राजस्थान में ही सरकारी स्कूलों के भवनों की ऐसी दुर्दशा है। देश में 54 हजार से अधिक सरकारी स्कूल जर्जर हालत में हैं। इन स्कूलों में लाखों बच्चे जान जोखिम में डालकर पढ़ाई कर रहे हैं। ओडिशा में 12 हजार 343, महाराष्ट्र में 8 हजार 71, पश्चिम बंगाल में 4 हजार 269, गुजरात में 3 हजार 857, आंध्र प्रदेश में 2 हजार 789, मध्य प्रदेश में 2 हजार 659, उत्तर प्रदेश में 2 हजार 238 और राजस्थान में 2 हजार 061 स्कूल जर्जर हालत में हैं। इनमें कभी भी झालावाड़ जैसे हादसे की पुनरावृत्ति हो सकती है। राजस्थान में हुए स्कूली हादसे की पुनरावृत्ति देश के कई राज्यों में पूर्व में हो चुकी है। भोपाल के एक स्कूल में छत से प्लास्टर गिरने से छात्राएं घायल हो गई। झारखंड की राजधानी रांची में एक स्कूल की इमारत की खिड़की का एक हिस्सा टूटकर गिरा था। उत्तर प्रदेश में भी स्कूलों की दीवारों में दरारें हैं और ऑपरेशन कायाकल्प का असर नहीं दिख रहा। बिहार में कई बच्चों के पास स्कूल की इमारत तक नहीं है और वे झोपडियों में पढ़ते हैं, जहाँ पीने का पानी और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। मध्य प्रदेश के सतना में भी प्लास्टर गिरने से एक बच्चा घायल हुआ था।

सरकारी स्कूलों में बुनियादी सुविधाओं के साथ शिक्षा की गुणवत्ता भी खराब है। यूडाइस की रिपोर्ट और प्रधानमंत्री पोषण योजना की रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल सरकारी स्कूलों में डेढ़ करोड़ बच्चे कम हुए और इस साल तो मामला और गंभीर हुआ है। 23 राज्यों में बच्चों ने सरकारी स्कूल छोड़ दिया है। इनमें से राजस्थान सहित 8 राज्य ऐसे हैं जहाँ ये घटत, एक लाख से ज़्यादा की है। अर्थात लाखों बच्चों ने स्कूल छोड़ा। इनमें उत्तर प्रदेश में (21.83 लाख), बिहार (6.14 लाख), राजस्थान (5.63 लाख) और पश्चिम बंगाल (4.01 लाख) और कर्नाटक (2.15 लाख) बच्चों ने स्कूलों से मुंह मोड़ लिया। असम, तमिलनाडु, दिल्ली, जम्मू-कश्मीर और गुजरात की हालत भी यही है। साल 2024-25 के इकोनॉमिक सर्वे के मुताबिक भारत में 14.72 लाख स्कूल हैं, जिनमें 24.8 करोड़ बच्चे पढ़ते हैं और 98 लाख शिक्षक हैं। अब 57.2 प्रतिशत स्कूलों में कंप्यूटर हैं, 53 प्रतिशत में इंटरनेट है। प्राथमिक कक्षाओं से 1.9 प्रतिशत, उच्च प्राथमिक से 5.2 प्रतिशत और सेकेंडरी लेवल से 14.1 प्रतिशत बच्चे हर साल पढ़ाई छोड़ रहे हैं। ये सर्वे, पहले के मुक़ाबले स्कूलों की बेहतरी दिखा रहे थे। मगर हाल में नज़र आ रही गिरावट ने ये सारी बात उलट दी। भारत में स्कूली शिक्षा की स्थिति काफी खराब है। शोध अध्ययनों से पता चला है कि छात्रों की अनुपस्थिति दर बहुत अधिक है और उसकी तुलना में आधे से भी कम शिक्षक वास्तव में पढ़ा रहे थे।

वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट बताती है कि कक्षा 5 के छात्र कक्षा 2 की पाठ्यपुस्तक नहीं पढ़ सकते हैं या साधारण गणितीय प्रश्न हल नहीं कर सकते हैं। केंद्र और राज्य सरकार ने पिछले दो दशकों में शिक्षा में अधिक धन लगाया है, लेकिन अधिक व्यय, उच्च शिक्षक-छात्र अनुपात, पाठ्यक्रम परिवर्तन और एनजीओ के प्रयासों के बावजूद, पिछले दशक में एएसईआर के परिणामों में महत्वपूर्ण सुधार नहीं हुआ है। वर्ष 2009 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम स्कूल रैंकिंग में भाग लिया। इस मूल्यांकन से पता चलता है कि 15 वर्षीय स्कूली बच्चे विज्ञान-गणित और पढने में कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत 74 देशों में से 72वें स्थान पर रहा, जो इसकी शिक्षा प्रणाली का प्रतीक है।

जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता !

निर्मल रानी

पिछले कुछ दिनों के भीतर विभिन्न न्यायालयों द्वारा कई बहुचर्चित व हाई प्रोफ़ाईल मामलों से संबंधित कई ऐसे फ़ैसले सुनाये गये जिससे एक बार फिर जांच एजेंसियों की %कारगुज़ारियों% पर सवाल उठने लगे हैं। सवाल भी दो तरह के। एक तो यह कि यदि सम्बद्ध मामले में अदालत के अनुसार आरोपी बेगुनाह थे तो आख़िर अपराध करने वाले कौन थे? उन्हें सामने लाने की ज़िम्मेदारी आख़िर किस एजेंसी की है? और दूसरा बड़ा सवाल यह कि लंबे समय तक जेल में रहने, कथित रूप से प्रताड़ना सहने, पूरे समाज में अपनी व अपने परिवार की बदनामी उठाने, इतने वर्षों तक अपने काम काज से मुक्त होकर जांच व जेल का सामने करने गोया आरोपियों का पूरा जीवन बर्बाद होने की भरपाई कैसे हो और कौन करेगा इसकी भरपाई? गत 21 जुलाई को बॉम्बे हाईकोर्ट की जस्टिस अनिल किलोर और जस्टिस श्याम चांडक की विशेष पीठ ने 2006 के मुंबई ट्रेन ब्लास्ट मामले से संबंधित मामले में 19 साल बाद, ऐतिहासिक फ़ैसला सुनाया। इस फ़ैसले में 12 में से 11 आरोपियों को सभी आरोपों से मुक्त कर दिया। जबकि कमाल अहमद अंसारी नाम के एक आरोपी की 2021 में कोरोना के चलते जेल में ही मृत्यु हो चुकी थी। ग़ौरतलब है कि 11 जुलाई 2006 को मुंबई की लोकल ट्रेनों में केवल 11 मिनट के भीतर सात स्थानों पर सिलसिलेवार बम धमाके हुए थे। इन धमाकों में 189 बेगुनाह लोग मारे गए थे तथा 800 से अधिक घायल हुए थे। यह बम धमाका मुंबई की उन लोकल ट्रेन्स को लक्षित करके किया गया था, जिसमें रोज़ाना लाखों यात्री सफ़र करते हैं।

इसी तरह का दूसरा फ़ैसला गत 31 जुलाई 2025 को मुंबई की विशेष राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआईए की अदालत ने सुनाया। यह मामला 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के नासिक ज़िले के मालेगांव में हुए बम धमाके से संबंधित था। मालेगांव बम विस्फ़ोट मामले में 17 साल बाद सुनाये गये इस फ़ैसले में भी अदालत ने सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया। मुस्लिम बहुल इलाक़े में हुये इस मोटरसाइकिल बम विस्फ़ोट में फ़रहीन उर्फ़ शगुफ्ता शेख़ लियाक़त, शेख़ मुश्ताक़ यूसुफ़, शेख़ रफ़ीक़ मुस्तफ़ा, इरफ़ान ज़ियाउल्लाह ख़ान, सैयद अज़हर, सैयद निसार और हारून शाह मोहम्मद शाह जैसे 6 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए थे। 29 सितंबर 2008 को रमज़ान के पवित्र

महीने और नवरात्रि से ठीक पहले, मालेगांव के भीकू चौक पर एक मोटरसाइकिल में बम विस्फ़ोट कर इस घटना को अंजाम दिया गया था। इस घटना के बाद देश में व्यापक विवाद व सांप्रदायिक तनाव पैदा हो गया था। यही वह घटना थी जिसमें प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ़्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित, रिटायर्ड मेजर रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी, और समीर कुलकर्णी जैसे लोगों पर ग़ैर क़ानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, और विस्फ़ोटक पदार्थ अधिनियम के तहत आरोप लगाए गए थे। अभियोजन पक्ष ने यह दावा किया था कि जिस मोटरसाइकिल में विस्फ़ोटक लगाकर उड़ाया गया था वह प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर थी जबकि कर्नल पुरोहित ने विस्फ़ोटक सामग्री यानी आरडीएक्स उपलब्ध कराई थी। उस समय एटीएस ने यह दावा भी किया था कि यह हमला दक्षिणपंथी संगठन ÷अभिनव भारत÷ की साज़िश के तहत किया गया था।

इसी तरह एक और बहुचर्चित मामला दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता सत्येंद्र जैन से जुड़ा है। गत 4 अगस्त 2025 को दिल्ली की राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन के ख़िलाफ़ एक मामले में सीबीआई की क्लोज़र रिपोर्ट स्वीकार कर ली। इस मामले में सत्येंद्र जैन पर लोक निर्माण विभाग में अनियमित नियुक्तियों का आरोप था। परन्तु अदालत ने पिछले दिनों इसी मामले में अपना फ़ैसला सुनाते हुये कहा कि सीबीआई को लंबी जांच के बाद भी जैन के ख़िलाफ़ कोई आपराधिक सबूत नहीं मिले। अब आरोप लग रहा है कि ईडी ने जैन के विरुद्ध बिना ठोस सबूतों के कार्रवाई की। क्योंकि ईडी ने जैन के घर से नक़द या सोना बरामद होने का जो दावा किया था अदालत ने उन दावों को ही झूठा माना और ईडी को फटकार भी लगाई। इन आरोपों में अपनी संलिप्तता से पूर्व दिल्ली सरकार में स्वास्थ्य, बिजली, गृह, और पी डब्लू डी जैसे महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री जैसे गरिमामयी पद पर थे।

उदाहरणार्थ उपरोक्त तीनों मामलों का ज़िक्र यहाँ इसीलिये किया जा रहा है क्योंकि यह मामले न केवल हाई प्रोफ़ाइल थे बल्कि इन मामलों का गहरा सम्बन्ध देश की राजनीति से भी था। मीडिया में इन सभी मामलों ने भरपूर सुर्ख़ियां बटोरी थी और पक्षपाती मीडिया ने भी इन मामलों में अपने तरीक़े से %मिडिया ट्रायल% भी चलाया था। अन्यथा निश्चित रूप से ऐसे और भी फ़ैसले आये दिन होते होंगे जिनमें वर्षों तक जेल भुगतने के बाद या जेल में मौत हो जाने के बाद आरोपियों को सुबूतों, साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के चलते बरी कर दिया जाता हो। इन परिस्थितियों में कुछ महत्वपूर्ण सवाल उठना लाज़िमी हैं। अदालतें यदि किसी भी आरोपी को साक्ष्यों व गवाहों के अभाव के कारण बरी करती हैं तो वह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। क्योंकि हमारे देश की न्याय व्यवस्था का यह कथन है कि भले ही सौ गुनहगार रिहा हो जाएँ परन्तु किसी एक भी बेगुनाह को सज़ा नहीं होनी चाहिये। ज़ाहिर है इस कथन के तहत जांच एजेंसियों की रिपोर्ट्स का अति सूक्ष्म अध्यन व गवाहों से भरसक जिरह करना अदालत का दायित्व है।

परन्तु हम जांच एजेंसियों की दोषसिद्धि दर की भी अनदेखी नहीं कर सकते। मिसाल के तौर पर जब विपक्षी नेताओं के विरुद्ध सीबीआई और ईडी की कार्रवाई करती है तो सज़ा की दर केवल 1त्न होती है। जैसा कि राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में बताया गया था। हो सकता है कि यह आंकड़ा विशेष रूप से राजनीतिक मामलों तक ही सीमित हो परन्तु इसका दूसरा अर्थ यह भी है कि क्या जांच एजेंसियों की कार्रवाइयां भी पूर्वाग्रह से प्रेरित तथा सत्ता के इशारे पर की जाती है? इसी तरह आतंकवाद से संबंधित मामलों में ठोस सबूत जुटाना मुश्किल होता है, क्योंकि कई बार गवाह डर के कारण सामने नहीं आते या सबूत अपर्याप्त होते हैं। तो भी आरोपियों को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया। कई बार हमारे देश में लंबी व जटिल क़ानूनी प्रक्रिया के चलते एटीएस द्वारा गिरफ़्तार किए गए संदिग्धों को निचली अदालतों में सज़ा मिलती है, लेकिन उच्च न्यायालयों या सर्वोच्च न्यायालय में अपील के बाद वे बरी हो जाते हैं। कुछ मामलों में तो 9 से 23 साल बाद पर्याप्त सबूत के अभाव में लोग बरी हुए थे। इसी तरह क्क के तहत सज़ा की दर भी अपेक्षाकृत कम रही है। इसी आधार पर कभी 2008 में हुये जयपुर सीरियल बम धमाके में बॉम्बे हाईकोर्ट ने निचली अदालत द्वारा सज़ा पाए कुछ आरोपियों को 2023 में बरी कर दिया। तो कभी 2002 में हुये अक्षरधाम मंदिर हमले के मामले में 6 आरोपियों को गिरफ़्तार किया गया लेकिन बाद में सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। ऐसी परिस्थितियों में जहां वर्षों बाद बरी होने वाले आरोपियों का जीवन बर्बाद हो जाता है और उनका पूरा परिवार गंभीर आरोपों के इस कलंक के साथ जीने के लिये अभिशप्त हो जाता है वहीं जांच एजेंसियों की विश्वसनीयता भी संदेह के दायरे में आ जाती है।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में 6-लेन रोड के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश, एक महीने में पूरे होंगे बाकी काम

नया गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) के कार्यकारी अभियंता मोबिलिटी ने सेक्टर 81/82, 81/85, 85/86, 89/90 (एनएच-8 रामपुरा चौक से पटौदी रोड तक) की दोनों दिशाओं में चल रहे 6-लेन रोड के सुदृढ़ीकरण एवं अपग्रेडशन कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं।यह कार्य मेसर्स कालुवाला कंस्ट्रक्शन प्रालि को सौंपा गया था जिसे अब बचे हुए कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कहा गया है। जीएमडीए द्वारा जारी पत्र के अनुसार ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह शेष और सुधारात्मक कार्यों को एक महीने के भीतर पूरा करें ताकि इस प्रोजेक्ट को समय पर बंद किया जा सके।जीएमडीए के अधिकारियों ने निर्देश जारी किये हैं कि साइट पर अतिरिक्त जनशक्ति और मशीनरी तुरंत उपलब्ध कराई जाए जिससे कार्य में कोई देरी न हो।पत्र में प्रमुख कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के आदेश दिए हैं जिसमे फुटपाथ रैंप की मरम्मत, स्ट्रीट लाइट और इलेक्ट्रिक पैनल कार्य, रोड स्टड्स, थर्मोप्लास्टिक पेंट,` र्ब पेंट, फुटपाथ व साइकिल ट्रैक टाइल की मरम्मत, फेंसिंग, तथा कर्ब की अनियमितताओं को सुधारने का कार्य शामिल है। इसके अलावा, गड्ढों और दरारों की मरम्मत, टीपीआई निरीक्षण रिपोर्ट, और अधूरे ड्रेन, फुटपाथ व साइकिल ट्रैक का कार्य भी जल्द पूरा करना शामिल है।जीएमडीए ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि और कोई अतिरिक्त कार्य शेष है तो उसे भी साइट पर तुरंत पूरा किया जाए। प्राधिकरण की ओर से यह चेतावनी दी गई है कि सभी सुधार कार्य समयसीमा के भीतर पूरे हों, ताकि प्रोजेक्ट को अंतिम रूप दिया जा सके।

हरियाणा में बिहार के नाबालिग से दो महीने बंधुआ बनाकर करवाया काम

रोहतक, एजेंसी। बिहार के जिला किशनगंज के गांव टेढ़ागाछ के रहने वाले करीब 15 वर्षीय किशोर को बंधुवा बनाकर एक व्यक्ति द्वारा दहलाने वाली शारीरिक प्रताड़ना दी गई है। किशोर से करीब दो माह तक बंधक बनाकर एक डेयरी संचालक द्वारा मजदूरी करवाई गई, लेकिन जब उसका हाथ मशीन से कट गया, तो इलाज की बजाय उसे सड़क पर रात के समय में अकेला छोड़ दिया गया।

दो दिन बाद बच्चा नूंह में किसी व्यक्ति के माध्यम से पुलिस के संपर्क में आया। इसके बाद पुलिस की ओर से उसके परिवार से संपर्क किया गया। उसका पीजीआई रोहतक इलाज चल रह है।बता दें कि एमडीडी ऑफ इंडिया की टीम सूचना मिलने पर पीजीआई में किशोर के पास पहुंची। उस दौरान किशोर ने टीम को बताया कि वह करीब दो माह पहले कैथल जिले में धान लगाने निकला था।बहादुरगढ़ स्टेशन पर ट्रेन छूटने के बाद एक व्यक्ति ने उसे दस हजार रुपये महीने का लालच देकर अपने साथ ले जाकर डेयरी में काम पर लगा दिया, लेकिन जब उसका हाथ चारा काटते समय मशीन में फंसकर कट गया, तो डेयरी मालिक ने हाथ की चमड़ी ब्लेड से काटी और मामूली पट्टी कर रात में सुनसान सड़क पर छोड़ दिया।वह दो दिन तक घायल अवस्था में भूखा-प्यासा भटकतारहा और नूंह पहुंच गया। वहां एक व्यक्ति की मदद से पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया। राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य गणेश कुमार, बाल कल्याण समिति जिला बाल संरक्षण अधिकारी व अन्य अधिकारियों ने बच्चे से मुलाकात की और कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया

तेज रफ्तार कार ने मारी टक्कर... तीन फीट तक उछल गई महिला

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद में सूरजकुंड थाना क्षेत्र के दयालबाग एरिया में एक कार सवार ने तेज रफ्तार में आते हुए महिला को टक्कर मारकर उड़ा दिया। महिला टक्कर लगते ही करीब तीन फुट तक उछल गई। टक्कर लगने के बाद महिला सड़क पर गिरी और बेहोश हो गई।

वहीं, आसपास के लोगों ने महिला को पास के स्थित अस्पताल में भर्ती कराया। इसके बाद उसके परिजनों को सूचना दी। वहीं, टक्कर मारने वाली कार ने आगे भी दो गाड़ियों को टक्कर मारी।इसके बाद कार चालक फरार हो गया। महिला के पति ने पुलिस में शिकायत दी है।बताया गया कि घटना का वीडियो पास में लगे सीसीटीवी में भी कैद हो गया। सूरजकुंड थाना क्षेत्र की पुलिस के अनुसार, कार का नंबर वीडियो में दिखाई नहीं दे रहा है।आसपास के और सीसीटीवी फुटेज चेक किए जा रहे हैं। जिसमें नंबर दिख जाए। जिससे आरोपी की गिरफ्तारी हो सके।दयालबाग रेलवे लाइन के पास रहने वाले देवीशंकर ने बताया कि वह सेवानिवृत हो चुके हैं। उनकी पत्नी सुशीला पास के प्ले स्कूल में बच्चों को संभालने का काम करती है। मंगलवार दोपहर तीन बजे उनकी पत्नी स्कूल से वापस आ रही थी।इस दौरान तिकोना पार्क के पास एक कार चालक ने पीछे से उनकी पत्नी को टक्कर मारी।टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी पत्नी तीन फुट तक हवा में उछलकर जमीन पर नीचे गिरी।नीचे गिरने के बाद वह बेहोश हो गई।

खतरे के निशान के करीब पहुंचा घग्गर नदी का जलस्तर, प्रशासन ने नंबर जारी कर लोगों को दी ये सलाह

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा में आज हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग ने पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पहाड़ों में और पंचकूला में हो रही लगातार बारिश के कारण घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ गया है। घग्गर नदी का जलस्तर खतरे के निशान के करीब पहुंच गया है। प्रशासन ने लोगों को नदी से दूर रहने का अलर्ट जारी करते हुए फ्लड कंट्रोल रूम का नंबर- 0172 2562135 भी जारी कर दिया है। इसके अलावा मोरनी हिल्स से गुजरती कोटी नदी का जलस्तर भी बढ़ गया है। इसमें हिमाचल में हो रही बारिश

का पानी आ रहा है।

घग्गर नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते पंचकूला जिला उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने अलर्ट जारी किया है। पंचकूला प्रशासन की ओर से अलर्ट जारी किया गया है कि हिमाचल व हरियाणा में बीती रात से हो रही भारी बारिश के कारण घग्गर नदी का जल स्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि कृप्या नदी, नालों व जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहें। किसी भी नदी या नाले के किनारे या उस पर बने पुल पर खड़े होकर पानी देखने से बचें। यह खतरनाक हो सकता है।

वहीं पंचकूला जिले के मोरनी हिल्स क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश ने लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। रायपुर रानी से मोरनी की ओर जाने वाला प्रमुख मार्ग पहाड़ों में भूस्खलन के कारण बाधित हो गया है। कई स्थानों पर मलबा सड़कों पर आ गिरा है, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया है।

मगन सुहाग सुसाइड केस- बॉयफ्रेंड ने पूरे केस का ठीकरा दिव्या पर फोड़ा, कर दिया बड़ा खुलासा

रोहतक, एजेंसी। गांव डोभ के चर्चित मगन सुहाग सुसाइड केस में पुलिस ने आरोपी पत्नी दिव्या के महाराष्ट्र पुलिस के कॉन्स्टेबल बॉयफ्रेंड दीपक को भी जांच में शामिल कर लिया है। जानकारी मुताबिक रोहतक पुलिस ने उससे फोन पर बात की है।

इसमें दीपक ने पूरे केस से पल्ला झाड़ते हुए पूरा ठीकरा दिव्या पर ही फोड़ दिया है। रोहतक पुलिस मुताबिक दीपक ने फोन पर कहा कि दिव्या बार गर्ल है जिसे रुपए देकर वह होटल में बुलाता था। दिव्या उसके ठिकाने से करीब 450 किलोमीटर दूर रहती थी। जिस दिन दिव्या को बुलाना होता था उसे फोन करके बुला लेता था। वह एक कॉल पर आ जाती थी। इससे ज्यादा उसका दिव्या के साथ कोई संबंध नहीं है। मगन के सुसाइड केस से भी उसका कोई ताल्लुक नहीं है।

बता दें कि गांव डोभ निवासी मगन सुहाग ने 18 जून 2025 को वीडियो बनाकर फंदा लगा आत्महत्या कर ली थी। वीडियो में उसने अपनी पत्नी दिव्या और उसके कॉन्स्टेबल बॉयफ्रेंड दीपक पर गंभीर आरोप लगाए। पुलिस ने आरोपी पत्नी को गिरफ्तार कर सुनारिया जेल भेज दिया था जबकि दीपक की रोहतक कोर्ट से जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। अब उसने हाईकोर्ट में जमानत याचिका लगाई हुई है।

पुलिस ने बाईपास पर रोकी काले शीशों वाली थार, अंदर बैठे थे चार बदमाश

खरखौदा, एजेंसी। शहर के सांपला चौक बाईपास से खरखौदा पुलिस ने शीशों पर काली फिल्म चढ़ी थार गाड़ी को संदिग्ध मानकर जब उसे रुकवाया और अंदर बैठे युवकों से उनके नाम-पते पूछे तो चार युवकों पर कई केस दर्ज मिले।ऐसे में पुलिस ने किसी आपराधिक घटना के होने की आशंका के चलते पांचों युवकों को गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया और थार को भी जब्त कर लिया। पुलिस का कहना है कि पकड़ में आए आरोपितों में से कोई भी खरखौदा थाना क्षेत्र का नहीं है, ऐसे में वह यहां पर क्या कर रहे थे जवाब नहीं दे पाने के चलते यह कार्रवाई की गई है।

थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि वह क्राइम यूनिट, खरखौदा प्रभारी रवींद्र कुमार के साथ गश्त पर थे, इसी दौरान शहर के सांपला चौक बाईपास पर एक थार गाड़ी खड़ी दिखाई दी जिसके सभी शीशों पर काली फिल्म चढ़ी हुई थी।पुलिस ने गाड़ी रुकवाई और उसमें बैठे युवकों से उनके नाम पते पूछे। युवकों में से एक ने अपनी पहचान पानीपत के कुनाल, करनाल, के अमित, डाहर, पानीपत के अशोक, गोहाना के दीपक व अजीत के रूप में दी गई। थार में लाठी-डंडे भी बरामद हुए।शक के आधार पर जब उनसे संबंधित जानकारी जुटाई गई तो पता चला कि कुनाल पर अपहरण सहित दो केस दर्ज हैं, अमित पर एक, अशोक पर चार और दीपक पर भी एक केस दर्ज है।

अजीत के खिलाफ कोई केस दर्ज नहीं मिला।थाना प्रभारी का कहना है कि युवकों का खरखौदा से कोई संबंध नहीं है, फिर भी वह यहां पर आए हुए थे, पूछताछ में आने की वजह नहीं दे पाए। ऐसे में सभी को पकड़कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है और थार गाड़ी के कागज भी नहीं दिखाए जाने पर उसे भी कब्जे में ले लिया गया है। आरोपितों की तरफ से कोई आपराधिक वारदात को अंजाम दिया जा सकता था, इसी लिए यह कार्रवाई की गई है।

हरियाणा में धर्म छिपाकर की शादी होगी अमान्य, नायब सरकार ने लागू किया नया धर्मांतरण कानून

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा सरकार ने तीन साल पहले राज्य में बनाए गए कानून के क्रियान्वयन की दिशा में तेजी पकड़ ली है। आरएसएस के आग्रह पर धर्मांतरण से जुड़ी घटनाओं पर सख्ती बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई व्यक्ति विवाह के लिए अपना धर्म छिपाता है, तो ऐसे विवाह को 'अमान्य' माना जाएगा।

हालांकि, ऐसे विवाह से जन्मी संतान को कानूनी रूप से वैध माना जाएगा और उसे संपत्ति में उत्तराधिकार का पूरा अधिकार मिलेगा। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने सभी जिलों के उपायुक्तों, पुलिस आयुक्तों व वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को 'हरियाणा विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन निवारण अधिनियम एवं नियम 2022' का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए हैं।

मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं, बल्कि शादी के नाम पर धोखे और जबरदस्ती धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकना है। नए कानून में यह प्रविधान है कि कोई भी व्यक्ति धोखे, लालच, बल या अनुचित प्रभाव से धर्म

परिवर्तन नहीं करा सकता, चाहे वह विवाह के लिए ही क्यों न किया गया हो।

गृह सचिव ने कानून के हवाले से कहा है कि यदि कोई व्यक्ति अपना धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो वह विवाह अमान्य होगा। परंतु उससे जन्मे बच्चे को वैध माना जाएगा और वह उत्तराधिकार कानूनों के अनुसार अपनी मां या पिता की संपत्ति का अधिकारी होगा।

इस अधिनियम के तहत यदि कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो उसे तीन से 10 साल की जेल और कम से कम तीन लाख रुपये व अधिकतम पांच लाख रुपये जुर्माना हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कानून महिलाओं की सुरक्षा, पारिवारिक स्थिरता और विवाह संबंधों में पारदर्शिता लाने में मदद करेगा।

सुमिता मिश्रा के अनुसार, धर्म परिवर्तन करने से पहले संबंधित उपायुक्त को सूचित करना अनिवार्य है। धार्मिक अनुष्ठान कराने वाले व्यक्ति को भी सूचना देनी होगी। किसी भी घोषणा पर 30 दिन तक आपत्ति दर्ज की जा सकती हैं।

सोनीपत में मां-बेटे की जोड़ी ने पावरलिफ्टिंग में जीते स्वर्ण, अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने की है ख़्वाहिश

सोनीपत, एजेंसी। पहलवानी के मशहूर सोनीपत की धरती एक बार फिर खेलों में प्रेरणा की मिसाल बनी है। यहां मां-बेटे की जोड़ी ने पावरलिफ्टिंग में इतिहास रचते हुए स्वर्ण पदक जीता है। खास बात यह है कि इस जोड़ी ने पहली बार राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था, लेकिन इनके प्रदर्शन ने सबको चकित कर दिया। गुजरात के मेहसाणा में आयोजित की गई राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मां-बेटे की इस जोड़ी ने न सिर्फ शानदार प्रदर्शन किया, बल्कि अन्य पावरलिफ्टरों को पीछे छोड़ते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

सोनीपत के विकास नगर के सेक्टर-23 की रहने वाली 40 वर्षीय ज्योति और उनके 16 वर्षीय बेटे मौलिक ने गुजरात के मेहसाणा में आयोजित नेशनल पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में पहली बार हिस्सा लेकर गोल्ड मेडल जीतने का कारनामा कर दिखाया। दोनों ने छह गोल्ड मेडल अपने नाम कर प्रदेश व जिले का नाम रोशन किया है।

ज्योति राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल में प्राइमरी टीचर हैं। वह स्कूल में पढ़ाने के बाद रोज शाम को बेटे मौलिक के साथ करीब दो घंटे जिम में पसीना बहाती हैं। दोनों ने सिर्फ एक महीने की पावरलिफ्टिंग ट्रेनिंग लेकर चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक जीते। राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में ज्योति ने 63 किलो वर्ग, मिक्स कैटेगरी और 40 आयु वर्ग में हिस्सा लेकर डेडलिफ्ट (70 किलो), स्क्वाट (75 किलो) और बेंच प्रेस (30 किलो) में तीन स्वर्ण पदक जीते। वहीं 11वीं कक्षा के छात्र मौलिक ने सब-जूनियर 63 किलो वर्ग में डेडलिफ्ट, स्क्वाट और बेंच प्रेस में भी स्वर्ण पदक की हैट्रिक लगाई। खास बात यह रही कि दोनों ने महज 20 किलो वजन से ट्रेनिंग शुरू की थी और आज 200 किलो तक वजन उठाने की क्षमता रखते हैं।

ज्योति ने बताया कि वे और उनका बेटा ही अब एक-दूसरे का सहारा हैं। पति से अलगाव के बाद दोनों ने चुनौतियों से हार मानने की बजाय उन्हें अपनी ताकत बना लिया। राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के बाद मां-बेटे की यह जोड़ी अब अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत के लिए पदक जीतने का सपना देख रही है।

मौलिक बताते हैं कि ट्रेनिंग के दौरान फिटनेस से साथ ही उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा और यही उनकी सफलता की सीढ़ी भी बना। उन्होंने बताया कि इस जीत के लिए उन्होंने रोजाना 5 से 6 घंटे तक कड़ी मेहनत की। मां हमेशा हौसला बढ़ाती रही। मां-बेटे की इस जोड़ी ने यह साबित कर दिया कि आत्मविश्वास, अनुशासन और समर्पण से हर बाधा को पार किया जा सकता है।

गुरमीत राम रहीम आठ साल बाद सिरसा में मनाएगा जन्मदिन, हनीप्रीत के संग पहुंचा आश्रम; डेरे के पास बढ़ी सिक्योरिटी

सिरसा, एजेंसी। डेरा प्रमुख गुरमीत सिंह को 40 दिन की पैरोल मिली है। अब तक उसे 70 दिन की पैरोल और 21 दिन की फरलो मिल चुकी है। डेरा प्रमुख के पैरोल पर आने की सूचना मिलते ही प्रेमी डेरे में पहुंचने शुरू हो गए और उन्होंने खुशी जताई।

वहीं सिरसा पुलिस ने डेरे की सुरक्षा बढ़ा दी। पहले से लगे नाकों पर अतिरिक्त पुलिस कर्मचारी नियुक्त कर दिए। इस साल मिली तीन पैरोल और फरलो में एक बार बरनावा और दो बार सिरसा डेरे में रह रहा है। मंगलवार सुबह गुरमीत सिंह को लेने के लिए हनीप्रीत काफिले के साथ सुनारिया जेल में पहुंची।वहां से उनका काफिला सात बजे डेरे के लिए रवाना हुआ और नौ बजे गुरमीत सिंह सिरसा पहुंचा। डेरा प्रमुख ने सिरसा आते ही अपनी तेरावास गुफा से वीडियो जारी करते हुए अनुयायियों से कहा कि आप हर बार हमारी बात मानते हैं।

जैसे भी सेवादार कहेंगे, उसी के अनुसार आपने सेवा करनी है। इसके लिए आपको बहुत बहुत बधाई हो। अब गुरमीत सिंह बुधवार को पांच से नौ बजे तक सत्संग करेगा।गुरमीत सिंह को साध्वी यौन शोषण मामले में अगस्त 2017 में सजा हुई थी। इसके बाद उसे 2020 में उसे छत्रपति हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई गई।

राहुल फाजिलपुरिया ने शौकीन को जानने से किया इनकार, परिवार ने कहा- 11 साल से थी दोस्ती

गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर 77 में एसपीआर रोड पर सोमवार रात 12 गोलियां मारकर जिस रोहित शौकीन की हत्या की गई उन्हें हरियाणवी गायक राहुल फाजिलपुरिया ने पहचानने से भी इनकार किया है।

राहुल ने कहा कि रोहित से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वह उन्हें नहीं जानते। जबकि पुलिस सूत्रों के अनुसार रोहित राहुल फाजिलपुरिया का फाइनेंसर था। वहीं रोहित के परिवारवालों ने भी इसकी पुष्टि की है। परिवार ने कहा कि रोहित करीब 11 साल से राहुल का दोस्त था। दोनों साथ में काम करते थे।सुनील सरधानिया द्वारा जारी की गई इंटरनेट मीडिया पोस्ट में लगी तस्वीर में राहुल फाजिलपुरिया के साथ रोहित शौकीन। सौ. सोशल मीडियारोहित शौकीन दिल्ली के नांगलोई के निहाल विहार के रहने वाले थे। यह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। मंगलवार दोपहर रोहित के शव को पोस्टमार्टम के लिए लाया गया। यहां पहुंचे परिवारवालों ने बताया कि रोहित और दीपक नांदल बचपन के दोस्त थे।

दोनों ने साथ में पढ़ाई भी की है। करीब 11 साल पहले दीपक ने ही रोहित को राहुल फाजिलपुरिया से मिलवाया था। उस दौरान राहुल को गाने

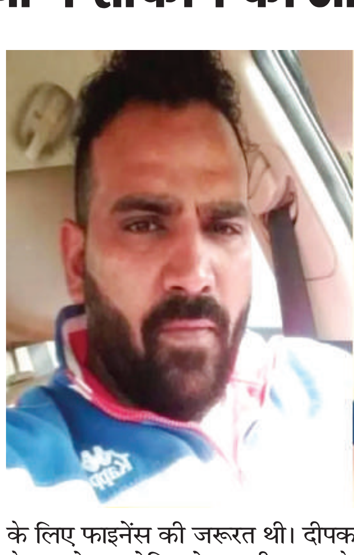

के लिए फाइनेंस की जरूरत थी। दीपक के कहने पर रोहित ने अपनी बहन के 15 तोला सोना और अपनी कार गिरवी रखकर दीपक को पैसे दिए थे।बताया जाता है कि दीपक का राहुल फाजिलपुरिया से लेनदेन था। इसके बाद दीपक, राहुल और रोहित ने कई सालों तक साथ मिलकर काम किया। रोहित और राहुल की नजदीकी भी हो गई। परिवार ने बताया कि सोमवार शाम रोहित अपने बड़े भाई विजय की फ्रांक्स कार लेकर घर से निकले थे।उन्होंने परिवार को बताया था कि उन्हें दीपक का फोन आया था, उसने पैसे लेने के लिए गुरुग्राम बुलाया है। रोहित के साथ एक ड्राइवर भी था। जहां घटना हुई, वहां सड़क के दूसरी तरफ कुछ खाने-पीने के खोखे भी हैं। यहां कार रोककर ड्राइवर खोखे के पास चला गया। रोहित कार से बाहर खड़े थे। इसी दौरान एक बाइक से दो हमलावर आए। दोनों ने पिस्टल से करीब 12 राउंड फायरिंग की। इसके बाद दोनों फरार हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों हमलावर पेशेवर शूटर लग रहे हैं। उन्होंने 12 बार शायद इसलिए फायरिंग की कि वह उसे जिंदा छोड़ना नहीं चाहते थे।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार एक हमलावर ने हेलमेट तो दूसरे ने साफा बांध रखा था। एक ने चेक शर्ट तो दूसरे ने प्लेट शर्ट पहन रखी थी। मंगलवार शाम पोस्टमार्टम के बाद रोहित के शव को स्वजन के हवाले कर दिया गया।

सूत्रों के अनुसार पोस्टमार्टम के दौरान पता चला कि तीन गोलियां शरीर के अंदर फंसी थी। जिन्हें निकाला गया। 12 गोलियों के निशान पाए गए हैं। ये गोलियां, छाती, सिर, गले और बाजू पर लगी हुई थीं। वहीं घटनास्थल पर जांच के दौरान पुलिस को भी 12 खाली खोल बरामद हुए थे।गैंगस्टर सुनील सरधानिया ने ली शौकीन की हत्या की जिम्मेदारीमंगलवार दोपहर गैंगस्टर सुनील सरधानिया ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर रोहित शौकीन की हत्या की जिम्मेदारी ली है। बताया जाता है कि यह इस समय विदेश में कहीं पर है और किसी गैंग के लिए काम कर रहा है।पोस्ट में लिखा हुआ है कि सोमवार रात एसपीआर रोड पर रोहित शौकीन की हत्या हुई, वह इसने करवाई है। उसने फाजिलपुरिया को भी धमकी दी कि उसके पैसे देने पड़ेंगे, वरना इस लड़ाई में बहुत लोग मारे जाएंगे।

पोस्ट में इसके अलावा दीपक नांदल और इंद्रजीत सिंह का नाम भी लिखा हुआ है। हालांकि, इस पोस्ट की पुलिस ने पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि इसकी जांच की जा रही है।

राहुल पर फायरिंग के हमलावरों का अभी तक न पकड़ा जाना और एक और वारदात होने पर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। 20 दिन पहले राहुल फाजिलपुरिया पर भी एसपीआर रोड पर कार सवार हमलावरों ने फायरिंग की थी।

उस दौरान भी सुनील सरधानिया ने इसकी जिम्मेदारी ली थी। तब उसने कहा था कि जो दीपक नांदल से पांच करोड़ लिए हैं, वह देने पड़ेंगे। नहीं देने पर राहुल के करीबियों को मारा जाएगा। सोमवार रात हुई रोहित शौकीन की हत्या को भी इससे जोड़कर देखा जा रहा है।राहुल पर हमले के मामले में पुलिस टीम ने एक आरोपित को पकड़ा था। उसने उस कार को किराये पर लिया था, जिसमें बैठकर हमलावरों ने हमला किया था। यह भी पता चला था कि उस आरोपित ने रेकी कर हमलावरों को इसकी जानकारी दी थी। हालांकि, अभी इस मामले में हमलावर पुलिस पकड़ से दूर हैं।

शाहिद के साथ नजर आएंगी तमन्ना भाटिया

रोमियो को लेकर आई अपडेट

शाहिद कपूर अपनी अपकमिंग फिल्म रोमियो को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म का निर्देशन विशाल भारद्वाज कर रहे हैं। फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है। इस फिल्म के साथ अब तमन्ना भाटिया का नाम जुड़ गया है। अभिनेत्री इसमें अहम किरदार निभा सकती हैं।

तमन्ना निभाएंगी अहम किरदार

इंडिया टुडे के मुताबिक एक्शन-थ्रिलर फिल्म में तमन्ना भाटिया अहम किरदार निभाएंगी। बताया जाता है कि यह फिल्म इसी साल रिलीज हो सकती है। इससे पहले खबरें थीं कि फिल्म में शाहिद कपूर के साथ तृप्ती डिमरी होंगी। अब इस फिल्म से तमन्ना का भी नाम जुड़ गया है।
पहली बार साथ काम कर रहे शाहिद और तृप्ति यह पहला मौका है जब शाहिद कपूर तृप्ति डिमरी के साथ किसी फिल्म में काम करेंगे। दोनों एक दूसरे के साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। वहीं दूसरी तरफ दावा है कि तमन्ना भाटिया ने इस फिल्म में अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। फिल्म अपने आखिरी चरण में है।

दिशा पाटनी होंगी फिल्म का हिस्सा

बताया जाता है कि यह फिल्म विशाल भारद्वाज की अब तक की सबसे बड़ी कमर्शियल फिल्म है। फिल्म में शाहिद ऐसा किरदार निभा रहे हैं जिनके कई रंग हैं। दिशा पाटनी भी इस फिल्म का हिस्सा होंगी। विशाल भारद्वाज 7 खून माफ, हैदर, कमीने पटाखा और खुफिया जैसी फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला है।

फिल्म की रिलीज डेट सामने आई

फिल्म रोमियो का नाम पहले अर्जुन उस्तरा था। बताया यह भी जाता है कि रिलीज से पहले फिल्म का जोर-शोर से प्रचार किया जाएगा। फिल्म का पोस्टर सितंबर के अंत तक आएगा। इसके बाद टीजर, फिर ट्रेलर। फिल्म 5 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सलमान खान ने मिलाया मलयालम निर्देशक से हाथ

सलमान खान इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म बैटल ऑफ गलवां को लेकर सुर्खियों में हैं। इसकी शूटिंग के लिए वह बहुत मेहनत कर रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने इस फिल्म का मोशन पोस्टर भी रिलीज किया है। फिल्म का निर्देशन अपूर्व लाखिया कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक सलमान खान अभी इस फिल्म पर काम कर ही रहे हैं कि उनको एक और बड़ा प्रोजेक्ट मिला है।

सलमान खान को मिली नई फिल्म

पिंकविला के मुताबिक सलमान खान को जो फिल्म मिली है वह पीरियड थ्रिलर फिल्म है। सलमान खान ने मलयालम निर्देशक महेश नारायणन के साथ कई मुलाकातें की हैं। अब सलमान खान महेश नारायणन के साथ पीरियड थ्रिलर फिल्म पर काम करने के लिए राजी हो गए हैं। यह फिल्म 1970 से लेकर 1990 के दशक में सेट की जाएगी।

फिल्म के लिए सलमान ने ली ट्रेनिंग

बताया जाता है कि सलमान खान इन दिनों अपने कंफर्ट जोन से बाहर निकल कर फिल्में करना चाहते हैं। इस फिल्म में भी वह जमकर मेहनत करने वाले हैं। इससे पहले खबरें आईं थीं कि सलमान खान ने बैटल ऑफ गलवां के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने घर के जिम में कई बदलाव किए थे। उन्होंने फिल्म में आर्मी का किरदार निभाने के लिए आर्मी की ट्रेनिंग ली थी।

बैटल ऑफ गलवां के बारे में

आपको बता दें कि सलमान खान जल्द ही फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म साल 2020 में भारत और चीन सीमा पर हुई झड़प पर आधारित है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह सलमान खान के साथ अहम किरदार में होंगी। इससे पहले सलमान खान फिल्म सिकंदर में नजर आए थे। यह फिल्म फ्लॉप साबित हुई थी।

अपने रिश्ते पर अविका गौर ने खुल कर की बात, बोलीं मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं

अविका गौर और मिलिंद चंदवानी टीवी शो पति पत्नी और पंगा में साथ नजर आएंगे, जो इस समय दर्शकों के बीच खासा चर्चा का विषय बना हुआ है। इस मौके पर कपल ने शो में भाग लेने के अपने अनुभव, रिश्ते के उतार-चढ़ाव, और अपनी जिंदगी के कई पहलुओं के बारे में खुलकर बात की। साथ ही उस किस्से को भी बताया, जब मिलिंद ने उन्हें फ्रेंड-जोन कर दिया था। अविका गौर ने बताया कि इस रियलिटी शो के लिए हां कहने का फैसला उन्होंने अकेले नहीं लिया, बल्कि मिलिंद ने उन्हें प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, दिलचस्प बात यह है कि मैंने खुद यह फैसला नहीं लिया था, मिलिंद भी इस फैसले में शामिल थे। उन्होंने मुझे इसके लिए प्रोत्साहित किया। मैं इसे जबरदस्ती नहीं कहूंगी, लेकिन उनका स्पष्ट मानना था कि मुझे एक रियलिटी शो करना चाहिए ताकि जो लोग मुझे प्यार करते हैं और सराहते हैं, वे मुझे असली रूप में देख सकें। मुझे लगता है कि उनका विचार सही था। अविका ने कहा, पहले मैं अपनी छवि को लेकर काफी सजग रहती थी और हर चीज को परफेक्ट और डिप्लोमैटिक रखना चाहती थी, लेकिन मिलिंद ने मेरी इस सोच को तोड़ने में मदद की। अगर शो में मेरी कोई कमी नजर आएगी, तो मैं उसे सुधारने की कोशिश करूंगी। अविका ने कहा, मैं मिलिंद को काफी डांटती हूं, लेकिन बाद में जब मुझे लगता है कि मैं ज्यादा सख्त हो गई हूं तो माफी भी मांग लेती हूं। अपने रिश्ते की शुरुआत के बारे में बात करते हुए अविका ने कहा, हमारा रिश्ता दोस्ती से शुरू हुआ था। शुरुआत में मुझे फ्रेंड-जोन में रखा गया, लेकिन छह महीने बाद मिलिंद को अपनी भावनाओं का एहसास हुआ। अब छह साल हो चुके हैं और हमारी सगाई हो चुकी है। हमने इस पूरे सफर को बेहद खूबसूरती से जिया है। बता दें कि पति-पत्नी और पंगा कलर्स चैनल पर हर शनिवार और रविवार रात 9.30 बजे प्रसारित होगा।

हमारी पीढ़ी डरती नहीं है, 90 के दशक की फैशन की फैन हैं राशा थडानी

फिल्म आजाद से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने वाली राशा थडानी अपनी मां रवीना टंडन की लीगेसी को आगे बढ़ा रही हैं। फिल्म भले ही अच्छा न कर पाई हो, लेकिन राशा ने अपनी पहचान बना ली है। अब राशा ने अपनी फैशन को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने अपनी जेन-जी जेनेरेशन को लेकर भी बात की और बताया कि हमारी पीढ़ी की ताकत है कि हम डरते नहीं। अपनी जेनेरशन को लेकर राशा का मानना है कि जेन-जी का हिस्सा होने से उन्हें व्यक्तित्व की ताकत सीखने में मदद मिली है। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ी की ताकत यह है कि हम जैसे भी हैं, उससे डरते नहीं हैं। हर कोई अपन आप में कुछ न कुछ है और यह अपने आप में एक बयान बन जाता है। हमारी यह पीढ़ी कहीं न कहीं फैशन ट्रेंड के दबाव से ऊपर उठ चुकी है। हममें से कोई भी किसी चीज को सिर्फ इसलिए पहनने से नहीं डरता क्योंकि वह ट्रेंड में नहीं है। अगर आप फैशन ट्रेंड्स पर नजर डालें, तो जींस सबसे ज्यादा ट्रेंड में है और सबसे आरामदायक भी। यह बस खुद बने रहने के बारे में है और यह अपने आप में एक बयान है।

मां से प्रभावित हैं राशा

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि परफेक्ट होने का कोई लगातार दबाव नहीं है। यह सहज होने के बारे में है, क्योंकि सहजता अच्छी होती है। ट्रेंड्स का पालन करने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन मुझे ट्रेंडसेटर बनना पसंद है। रशा का मानना है कि उनके पहनावे पर न केवल उनकी मां रवीना का बल्कि पूरे 90 के दशक का गहरा प्रभाव है। मेरी और मेरी मां की आदतें बहुत मिलती-जुलती हैं। मैं उनकी पसंद-नापसंद को देखते हुए और उनसे प्रभावित होते हुए बड़ी हुई हूं। इसलिए मैंने अपनी 90त्न शैली उन्हीं से ली है।

90 के दशक की फैशन की फैन हैं राशा

आज के फैशन को लेकर राशा का कहना है कि आज का फैशन आराम पर थोड़ा ज्यादा ध्यान देता है। लेकिन 90 के दशक का फैशन आइकॉनिक है। जिस तरह से वे एक्सेसरीज पहनते थे, बाल, मेकअप, लोग जो कुछ भी पहनते थे, वह सब बहुत खूबसूरत था। मैं 90 के दशक के फैशन की फैन हूं। मैं जितना हो सके 90 के दशक के स्टाइल को अपनाने की कोशिश करती हूं। चाहे वह स्मोकी आईज़ हो या हाई पोनीटेल, लाल बैंड। मैं अपनी पूरी जिंदगी 90 के दशक के फैशन के साथ बिता सकती हूं।

संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में दिख सकती हैं प्रियंका

प्रि यंका चोपड़ा इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। पिछले काफी समय से बॉलीवुड में प्रियंका की वापसी को लेकर चर्चा हो रही है और अब खबर है कि वह हिंदी फिल्मों में वापसी के लिए तैयार हैं। प्रियंका को जल्द ही निर्देशक संजय लीला भंसाली की अगली फिल्म लव एंड वॉर में देखा जा सकता है।
रिपोर्ट्स के मुताबिक... यह बॉलीवुड में उनकी वापसी का बड़ा संकेत है और काफी हद तक संभावना है कि वो भंसाली की लव एंड वॉर के स्पेशल डांस नबंर में नजर आएं।
सूत्र ने बताया कि अभी कुछ तय नहीं हुआ है लेकिन अगर सचमुच बात बन जाती है तो इसके जरिए प्रियंका की बॉलीवुड में भव्य वापसी होगी। भंसाली वैसे ही अपनी फिल्म को खास बनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहे हैं और अब प्रियंका को इसका हिस्सा बनाकर वो इसे और शानदार या कहें यादगार बनाने जा रहे हैं।
लव एंड वॉर में रणबीर कपूर, विकी कौशल और आलिया भट्ट की तिकड़ी नजर आने वाली है। रणबीर सिंह, विकी कौशल और आलिया भट्ट इसमें लीड रोल में हैं

तेहरान में धमाल मचाएंगी नीरू बाजवा

पंजाबी सिनेमा की क्वीन नीरू बाजवा ने हाल ही में रिलीज हुई हिंदी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभाकर दर्शकों का दिल जीता। अब वह एक और हिंदी फिल्म 'तेहरान' में जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 अगस्त को ऑनलाइन स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज होगी। नीरू के प्रशंसकों के लिए यह दोहरी खुशी का मौका है, क्योंकि वह एक के बाद एक हिंदी फिल्मों में अपनी छाप छोड़ रही हैं।
नीरू ने 'तेहरान' को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर करते हुए बताया कि यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में अपने किरदार के बारे में भी हिंट दिया। नीरू ने अपने किरदार को मजबूत और नैतिकता से भरा हुआ बताया, जो कठिन परिस्थितियों में भी अपने सिद्धांतों पर अडिग रहता है।
उन्होंने कहा, लगातार हिंदी फिल्मों में काम करना मेरे लिए एक शानदार अनुभव है। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म थी, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर, भावनात्मक और अपने सिद्धांतों पर अडिग रहने वाला है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे बताना जरूरी है। इस फिल्म का हिस्सा बनकर मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है।
नीरू अपने को-एक्टर जॉन अब्राहम की तारीफ करती नजर आईं। उन्होंने कहा, जॉन के साथ काम करना एक यादगार अनुभव रहा। वह एक ड्रीम को-एक्टर हैं, जो अपने किरदार में गहराई और प्रामाणिकता लाते हैं। उनके साथ काम करने से मेरा प्रदर्शन भी बेहतर हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शक हमें एक साथ पर्दे पर देखना पसंद करेंगे। 'तेहरान' एक जियो-पॉलिटिकल फिल्म है, जो साल 2012 में दिल्ली में इजरायली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट से प्रेरित है। फिल्म में जॉन अब्राहम एसीपी राजीव कुमार की भूमिका में हैं, जो एक गुप्त ऑपरेशन में शामिल होता है। यह कहानी न केवल एक्शन और ड्रामा से भरपूर है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति और नैतिक दुविधाओं को भी उजागर करती है। 'तेहरान' का निर्देशन अरुण गोपालन ने किया है और इसे मैडॉक फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म में नीरू बाजवा और जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और मधुरिमा तुली भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'तेहरान' स्वतंत्रता दिवस के मौके पर जी5 पर स्ट्रीम होगी।

दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 का हुआ शुभारंभ

सीता रामम और लकी भास्कर जैसी तेलुगु फिल्मों से दर्शकों का दिल जीत चुके दुलकर सलमान ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की है। उन्होंने शुभारंभ की कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इस लॉन्च पर साउथ नेचुरल स्टार नानी भी नजर आए। हैदराबाद में एक बड़े लॉन्च इवेंट में दुलकर सलमान की नई फिल्म डीक्यू41 की घोषणा की गई। इस मौके पर साउथ स्टार नानी, जो दुलकर के अच्छे दोस्त हैं, उन्होंने शुभ मुहूर्त शॉट के लिए क्लैपबोर्ड बजाया। निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर इस इवेंट की तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें दुलकर और नानी नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म एक दिल को छूने वाली प्रेम कहानी है, जिसका पूजा समारोह भव्य रूप से हुआ। इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, बहुप्रतीक्षित डीक्यू41 - एक दिल को छू लेने वाली समकालीन प्रेम कहानी - एक पूजा समारोह के साथ भव्य रूप से लॉन्च हुई। निर्देशक बुची बाबू सना ने कैमरा शुरू किया, जबकि नानी, गुन्नम संदीप और राम्या गुन्नम ने स्क्रिप्ट सौंपी। पहला शॉट रवि नेलाकुदिति ने खुद डायरेक्ट किया। इस मौके पर निर्देशक श्रीकांत ओडेला भी मौजूद थे। फिल्म की शूटिंग आज से शुरू हो चुकी है।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका में अवैध रूप से रह रहे 11 भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका में अवैध रूप से रहने के आरोप में 11 भारतीयों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें तीन महिलाएं भी शामिल हैं, जिनकी उम्र 22 से 43 साल के बीच बताई जा रही है। श्रीलंकाई पुलिस ने मंगलवार को बताया कि ये सभी लोग वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी द्वीपीय देश में ठहरे हुए थे और यहां जुआ खेल रहे थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अवैध रूप से रह रहे लोगों के बारे में गुप्त सूचना के आधार पर थलंगामा के अकुरेगोडा क्षेत्र में सोमवार रात पुलिस ने छापा मारा। इस दौरान पुलिस ने गिरफ्तार किए आरोपियों के पास से लगभग 20 मोबाइल फोन, तीन लैपटॉप और एक कंप्यूटर जब्त करने का भी दावा किया है।

पाकिस्तान में थाने पर ड्रोन से फेंका बम

बन्नू, एजेंसी। आतंकवादियों ने मंगलवार को उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के बन्नू जिले में एक पुलिस स्टेशन पर ड्रोन से हमला किया है। पुलिस के अनुसार, आतंकवादियों ने एक क्वाडकॉप्टर का इस्तेमाल करके एक आईईडी गिराया, जो पुलिस स्टेशन के प्रांगण में गिरा, लेकिन फट नहीं सका। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते को तुरंत मौके पर तैनात किया गया और उसने उपकरण को सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ।

चीनी विशेषज्ञ बोले- चीन की कीमत पर अमेरिका से मजबूत संबंध नहीं बनाएगा पाकिस्तान

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सत्ता में आने के बाद से अमेरिका और पाकिस्तान के संबंध मजबूत हुए हैं। वहीं चीनी रणनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस्लामाबाद, बीजिंग के वैश्विक प्रभाव को नियंत्रित करने की अमेरिकी रणनीति को समझता है। पिछले महीने, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर ने फील्ड मार्शल का पदभार ग्रहण करने के बाद चीन की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा की। उनकी यह यात्रा वाशिंगटन की पांच दिवसीय यात्रा के तुरंत बाद हुई, जहां उन्होंने ट्रंप के साथ एक निजी लंच में भाग लिया था। उस बैठक में तेल सौदे सहित विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग बढ़ाने की घोषणा हुई। हाल ही में इकोनॉमिस्ट के एक लेख के अनुसार, जनरल मुनीर की अमेरिकी यात्रा, अमेरिकी विदेश नीति में एक बदलाव का प्रतीक है, जिसके न केवल भारत, बल्कि चीन और मध्य पूर्व पर भी प्रभाव पड़ेंगे। बीजिंग दौरे के समय जनरल मुनीर ने चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग, विदेश मंत्री वांग यी और पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की, हालांकि राष्ट्रपति शी जिनपिंग से उनकी मुलाकात नहीं हुई। यह उनके पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा से बिल्कुल अलग है, जिन्होंने 2018 में अपनी चीन यात्रा के दौरान शी जिनपिंग से मुलाकात की थी।

चीन को छूट मत दीजिए और भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ता मत बिगाड़िए: निक्की हेली

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत को एक बार फिर धमकी दी है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटे में वो भारत पर टैरिफ बढ़ा सकते हैं। उनके इस रुख की अमेरिका में ही आलोचना हो रही है। अमेरिका की पूर्व राजदूत और साउथ कैरोलाइना की गवर्नर रह चुकीं रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने ट्रंप के इस कदम को आड़े हाथों लिया। उन्होंने राष्ट्रपति को भारत के साथ रिश्ते ना बिगाड़ने की सलाह दी। बर्ताव नहीं करना चाहिए। भारतीय मूल की नेता निक्की हेली ने सोशल मीडिया पर लिखा, भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, लेकिन चीन, जो हमारा दुश्मन है और रूस और ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, उसे 90 दिन की टैरिफ छूट मिल गई। चीन को छूट मत दीजिए और भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ता मत बिगाड़िए। ट्रंप ने दी है टैरिफ बढ़ाने की धमकी मंगलवार को डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध को नजरअंदाज कर रहा है,

एक बार फिर रूस ने निभाई भारत से दोस्ती, ट्रंप की टैरिफ धमकी का दिया मुंहतोड़ जवाब!

वाशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर बढ़े हुए टैरिफ लगाने की धमकी के बीच रूस ने साफ कर दिया है कि वह भारत के साथ अपने गहरे और पारंपरिक संबंधों को किसी भी दबाव में प्रभावित नहीं होने देगा। ट्रंप ने सोमवार को चेतावनी दी थी कि भारत द्वारा रूस से कच्चा तेल खरीदने पर अमेरिका भारत के आयात शुल्क में भारी वृद्धि करेगा। इस बयान के बाद रूस ने इस मुद्दे पर भारत के समर्थन में मजबूत बयान जारी किया है।

रूस का स्पष्ट रुख- संप्रभु देशों का व्यापारिक निर्णय उनके अपने अधिकार में

रूस के राष्ट्रपति कार्यालय के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा, हम मानते हैं कि संप्रभु राष्ट्रों को अपने हितों के आधार पर आर्थिक साझेदारी चुनने और स्वतंत्र रूप से व्यापारिक निर्णय लेने का अधिकार है।

उन्होंने अमेरिका की धमकी को एकतरफा और अनुचित बताया। पेसकोव ने यह भी कहा कि भारत और रूस के बीच परंपरागत और रणनीतिक सहयोग किसी भी बाहरी दबाव से प्रभावित नहीं होगा। भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी और यूरोपीय संघ की आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि रूस के साथ व्यापार भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आवश्यक है और इसका उद्देश्य घरेलू ऊर्जा कीमतों को नियंत्रण में रखना है। मंत्रालय ने बताया कि- भारत रूस से तेल खरीदता है क्योंकि यह किफायती और रणनीतिक आवश्यकताएं पूरी करता है। अमेरिका और यूरोप भी रूस के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार कर रहे हैं, जिसमें ऊर्जा के अलावा उर्वरक, खनिज, रसायन, और मशीनरी शामिल हैं। अमेरिका रूस से परमाणु ऊर्जा के लिए यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड और इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के लिए पैलेडियम जैसी वस्तुएं निर्यात करता है, जो इसके दोहरे मापदंडों को उजागर करता है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा कि अमेरिका विश्व में अपनी प्रभुत्वशाली स्थिति बनाए रखने के लिए नव-उपनिवेशवादी रणनीति अपना रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका उभरती हुई वैश्विक शक्तियों को दबाने के लिए राजनीतिक और आर्थिक दबाव के हथकंडे अपना रहा है। जखारोवा ने कहा, यह प्रतिबंधों का युग है, जो विश्व के लिए एक ऐतिहासिक चुनौती है। अमेरिका विश्व व्यवस्था में अपने आधिपत्य के नुकसान को स्वीकार नहीं कर रहा और इसका असर वैश्विक दक्षिण के देशों पर भी पड़ रहा है। अमेरिका ने पिछले हफ्ते भारत पर 25 प्रतिशत आयात शुल्क बढ़ाने और रूस से तेल-गैस खरीदने पर जुर्माना लगाने की घोषणा की थी। भारत सरकार ने इसे अपनी संप्रभुता और आर्थिक हितों पर हमला बताया और कहा कि वह अपनी विदेश नीति और ऊर्जा सुरक्षा को किसी भी बाहरी दबाव में प्रभावित नहीं होने देगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, भारत किसी भी तरह के दबाव में नहीं आएगा और अपनी राष्ट्रीय ऊर्जा आवश्यकताओं को प्राथमिकता देगा। हम अपने उपभोक्ताओं को उचित और किफायती ऊर्जा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विवाद ने वैश्विक ऊर्जा बाजार और भू-राजनीति के समीकरणों को नया मोड़ दिया है। रूस और भारत की दोस्ती अब न केवल रक्षा और रणनीतिक सहयोग तक सीमित है, बल्कि ऊर्जा और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में भी मजबूत होती जा रही है। ट्रंप की टैरिफ धमकियां भारत के लिए चुनौती हैं।

ट्रंप की टैरिफ वाली धमकियों के बीच पुतिन से मिलने मॉस्को पहुंचे अजीत डोभाल

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत पर 25त्न आयात शुल्क (टैरिफ) और फार्मा उत्पादों पर 250त्न टैरिफ लगाने की धमकी के बीच भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह दबाव की राजनीति से नहीं झुकेगा। जब ट्रंप खुलेआम भारत को रूस से तेल खरीदने पर सज़ा देने की बात कर रहे थे, उसी समय भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल मास्को पहुंचे, और उन्होंने रूस के शीर्ष रक्षा एवं सुरक्षा अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण रणनीतिक वार्ताएं शुरू कीं। यह दौरा महज़ एक कूटनीतिक इत्तिफाक नहीं, बल्कि एक सुनियोजित संदेश है कि भारत अपनी विदेश नीति और ऊर्जा सुरक्षा को किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं करेगा। इससे पहले रूस के उप-रक्षा मंत्री अलेक्जेंडर फोमिन ने नई दिल्ली में भारतीय राजदूत से मुलाकात की थी, जो दोनों देशों के बीच सहयोग को और गति देने का संकेत है।

यूट्यूब ने आंखें मूंद ली हैं..., बाल यौन शोषण पर ऑस्ट्रेलिया में सख्ती; गूगल और मेटा को भेजा नोटिस

केपटाउन, एजेंसी। इंटरनेट पर नजर रखने वाली ऑस्ट्रेलिया की एक कंपनी ने यूट्यूब समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर बच्चों से जुड़ी यौन साम्रगी को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि यूट्यूब से जब इसपर सवाल पूछा गया, तो उसकी तरफ से कोई जवाब सामने नहीं आया। इस मामले में यूट्यूब ने आंखे मूंद ली हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बुधवार को जारी हुई रिपोर्ट में ई-सेफ्टी कमिश्नर ने कहा, एप्पल और यूट्यूब पर बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट के खिलाफ कई शिकायतें की गईं, मगर उन्होंने इसपर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

पिछले हफ्ते बच्चों के लिए यूट्यूब पर प्रतिबंध लगाने वाला ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बन गया है। ई-सेफ्टी की सलाह के बाद ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने यह फैसला लिया था। ई-सेफ्टी की कमिश्नर जूली इनमैन ग्रांट के अनुसार,

अगर इन कंपनियों को आजाद छोड़ दो तो वो बच्चों से जुड़े संवेदनशील कंटेंट को भी नजरअंदाज कर देती हैं। ऐसा लगता है जैसे बाल यौन शोषण पर पूरी तरह से आंख मूंद लेती हैं।

बता दें गूगल और मेटा जैसी कंपनिया भी बाल यौन शोषण पर प्रतिबंध लगाने का दावा कर चुकी हैं। गूगल ने पहले ही साफ कर दिया था ऐसी चीजों की पहचान कर उन्होंने फौरन हटा दिया जाता है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स की पेरेंट कंपनी मेटा ने भी इस तरह के ग्राफिक वीडियो पर बैन लगाने की घोषणा की थी। ऑस्ट्रेलिया के ई-सेफ्टी कमिश्नर ने एप्पल, मेटा, गूगल, डिस्कॉर्ड, माइक्रोसॉफ्ट, स्काइप, व्हाट्सएप और स्नैप चैट को नोटिस भेजा है। इन सभी कंपनियों को बाल यौन शोषण के खिलाफ उठाए गए कदमों की रिपोर्ट पेश करनी होगी।

उसने कहा- 'मैं तुम्हें कभी नहीं छोड़ूंगा' और फिर सात साल तक लाश के साथ रहा, मरीज के प्यार में पागल हुआ डॉक्टर

फ्लोरिडा, एजेंसी।
ये कोई हॉरर फिल्म की कहानी नहीं है, बल्कि हकीकत है- अमेरिका के फ्लोरिडा में 1930 के दशक में घटी ये घटना आज भी लोगों को हैरान कर देती है। यह कहानी है कार्ल टैज्लर नाम के रेडियोलॉजिक टेक्नीशियन की, जिसकी ज़िंदगी में एक दिन एक युवती आई--एलेना डी होयोस 22 साल की एलेना को टीबी था और इलाज के लिए वह मरीन अस्पताल में भर्ती हुई थी, जहां टैज्लर ने उसका इलाज शुरू किया।

कार्ल टैज्लर खुद को एक काउंट बताता था। उसका दावा था कि उसने बचपन में एक सपना देखा था जिसमें एक काले बालों वाली सुंदर महिला उसकी 'सच्ची प्रेमिका' बनी थी। जब उसने एलेना को देखा, तो उसे यकीन हो गया कि यही वही लड़की है। उसने एलेना को बचाने की कोशिश की- घरेलू टॉनिक, अजीब मशीनें और ढेरों इलाज के बहाने। लेकिन ये कोशिशें बेकार रहीं और 25 अक्टूबर 1931 को एलेना की मृत्यु हो गई।

एलेना के परिवार की माली हालत ठीक नहीं थी, इसलिए टैज्लर ने खुद उसकी अंतिम क्रियाएं करवाईं। वो न केवल उसकी मौत के बाद भी उसका दीवाना बना रहा, बल्कि अपने खर्च पर एक सुंदर मकबरा भी बनवाया। चौंकाने वाली बात यह थी कि मकबरे की चाबी सिर्फ टैज्लर के पास थी। रोज़ रात वह मकबरे पर जाता, फूल चढ़ाता, एलेना से बातें करता और यहां तक कि वहां टेलीफोन भी लगवा दिया था। वह दावा करता था कि एलेना की आत्मा उससे बात करती है और कहती है कि वह उसे अपने पास घर ले जाए।

1933 में, एलेना की मौत के दो साल बाद टैज्लर ने कुछ ऐसा किया, जिसकी कल्पना भी रोंगटे खड़े कर देती है। उसने चुपचाप एलेना का शव मकबरे से निकालकर अपने घर ले आया। अगले सात वर्षों तक, वह उस शव को ऐसे रखता रहा, जैसे वह जिंदा पत्नी हो। -हड्डियों को तार और कोट हैंगर से जोड़ा, चेहरा मोम और प्लास्टर से फिर से गढ़ा, कांच की आंखें लगाईं, एलेना के बालों से विग बनाया, परफ्यूम और रसायनों से दुर्गंध छुपाई, लाश को कपड़े पहनाए, जेवर पहनाए, और उसे अपने ही बिस्तर में सुलाया। वह उसके साथ बातें करता, उसे डिनर टेबल पर बिठाता और ऐसे जीता जैसे वह ज़िंदा हो। 1940 में एलेना की बहन को कुछ शक हुआ, और उसने टैज्लर के घर का दौरा किया। वहां पहुंचते ही उसके होश उड़ गए-उसे अपनी बहन की सजाई-संवारी, लेकिन क्षत-विक्षत लाश मिली।

पाकिस्तान में बड़ा हादसा, यात्रियों से भरी बस बेकाबू होकर तालाब में गिरी; 2 की मौत और 13 घायल

नारोवाल , एजेंसी।
पाकिस्तान के अहमदाबाद में एक दर्दनाक हादसा देखने को मिला। कई यात्रियों के भरी बस अचानक तालाब में पलट गई। मंगलवार को हुए इस हादसे में 2 लोगों की मौत हो गई और 13 से अधिक लोग घायल हैं।

पाकिस्तानी अखबार डॉन के अनुसार, बस गुजरांवाला से जफरवाल जा रही थी, तभी ड्राइवर ने बस से कंट्रोल खो दिया और बस बेकाबू होकर तालाब में पलट गई।

इस हादसे के दौरान बस में मौजूद कई यात्री अंदर ही फंसे रह गए, जिन्हें रेस्क्यू ऑपरेशन के चलाकर बाहर निकाला गया। हादसे की सूचना मिलते ही जिला आपातकाल अधिकारी मोहम्मद औरंगजेब मौके पर पहुंचे। तुरंत बचाव कार्य शुरू किया गया और सभी घायलों को बाहर निकाल लिया गया है।

हालांकि, इस हादसे में 30 वर्षीय शोएब और 38 वर्षीय सादिया बिबी की मौत हो गई। उनके शवों को भी बस से बाहर निकाला गया। हादसे में 13 लोग घायल थे, जिन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इनमें से 2 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस काफी तेज रफ्तार में थी और सड़क की हालत बदतर थी। ऐसे में बस का संतुलन बिगड़ गया और बस सड़क किनारे बने तालाब में जा गिरी।

इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर अमेरिका में प्रदर्शन, आसिम मुनीर को सुनाई खरी-खोटी

वॉशिंगटन, एजेंसी।
पाकिस्तान में जारी अंतरकलह अब दुनिया भर में सामने आने लगी है। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग लेकर प्रदर्शनकारी अलग-अलग देशों में प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी क्रम में पीटीआई यानी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने पार्टी के संस्थापक और पूर्व पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई की मांग को लेकर पाकिस्तानी दूतावास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

पीटीआई समर्थक फराज अली खान ने कहा, सेना के बुद्धिजीवी क्या सोचते हैं? क्या उन्हें लगता है कि वे इस तरह से आगे बढ़ सकते हैं? किसी न किसी दिन इसे खत्म होना ही है, फिर आसिम मुनीर कहां जाएंगे? मैं उनसे पूछना चाहता हूँ कि 10, 15 या 20 साल बाद वे कहां जाएंगे। वे तो बस सबके साथ युद्ध छेड़ रहे हैं। ये बलूचिस्तान में जंग कर रहे हैं। ये पंजाब के लिए सबसे जंग कर रहे हैं। ये हिंदुस्तान से जंग कर रहे हैं। इनके 25 करोड़ लोगों के पास खाने को कुछ नहीं है और ये जंग कर रहे हैं। हमें तो हिंदुस्तान से कोई समस्या नहीं है। हमारे साथ कई भारतीय काम कर रहे हैं। हमें आज तक कोई समस्या नहीं हुई। बस एक ही समस्या है- हमारी (पाकिस्तान की) सेना लगातार राजनीतिक मामलों में दखल दे रही है। यही सेना समस्या है। मुझे समझ आ गया है कि इस तरह से काम नहीं चलेगा। युद्ध लड़ते रहो। आसिम मुनीर को यह समझना होगा कि राजनीतिक प्रक्रिया चलती रहेगी। आप तो बस एक मोहरा हैं, सिंहासनों के खेल में।

रमजान से पहले होंगे बांग्लादेश के आम चुनाव, मोहम्मद यूनुस ने कर दिया ऐलान

ढाका, एजेंसी। शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को एक साल पूरा हो चुका है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने मंगलवार को कहा कि अगला संसदीय चुनाव अगले वर्ष फरवरी में होगा। यूनुस छात्रों के नेतृत्व वाले विरोध आंदोलन की पहली वर्षगांठ पर राष्ट्र के नाम एक टेलीविजन संबोधन के दौरान की। इस आंदोलन को जुलाई विद्रोह का नाम दिया गया है। यूनुस ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, अंतरिम सरकार की ओर से मैं मुख्य चुनाव आयुक्त को एक पत्र भेजूंगा जिसमें चुनाव आयोग से अनुरोध किया जाएगा कि वह आगामी रमजान से पहले फरवरी 2026 में राष्ट्रीय चुनाव कराए।रमजान का महीना अगले साल 17 या 18 फरवरी से शुरू होगा। इससे पहले, बांग्लादेश में आम चुनाव अगले वर्ष अप्रैल के पहले पखवाड़े में होने वाले थे। बता दें कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने जिस तरह से आवामी लीग पर प्रहार किया है उससे बांग्लादेश में खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी का ही बोलबाला है। वहीं शेख हसीने के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले स्टूडेंट्स अगेंस्ट डिस्क्रिमनिनेशन ने भी पार्टी गठित कर दी है जिसका नाम नेशनल सिटीजन पार्टी दिया गया है। एनसीपी ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि वह बांग्लादेश को दूसरा गणतंत्र बनाएगी और 1972 के बाद के संविधान को ही बदल डालेगी।

जब आसमान से आफत बनकर गिरा था अमेरिका का परमाणु बम, एक झटके में लाखों जिंदगियां हो गई तबाह

टोक्यो , एजेंसी।
6 अगस्त 1945... दुनिया के लिए यह वो काला दिन था, जब एक विनाशकारी परमाणु बम आसमान से आफत बनकर जापान के हिरोशिमा में गिरा और एक ही झटके में लाखों लोगों को निगल गया। इस बम धमाके ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। 1,40,000 लोगों की मौत के बाद जापान का एक पूरा शहर विरान हो गया था।

हिरोशिमा में इस भयंकर त्रासिदी का मंजर आज भी लोगों के रोंगटे खड़े कर देता है। दूसरे विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका ने जापान के 2 बड़े शहरों नागासाकी और हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराया था, जिसका असर अब भी देखने को मिलता है। हिरोशिमा बम धमाके को आज 80 साल पूरे हो चुके हैं।

इन 80 सालों में बेशक जापान का नाम विकसित देशों की फेहरिस्त में शुमार हो गया। मगर, दुनिया पर अभी भी परमाणु का खतरा बना हुआ है। कई देश आज भी परमाणु बम की धमकियां देते नजर आते हैं। नोबेल पुरस्कार विजेता निहोन हिडानक्यो का कहना है-

हमारे पास ज्यादा समय नहीं बचा है। दुनिया बहुत तेजी से परमाणु खतरे की तरफ बढ़ रही है। परमाणु बम वाले देशों को बदलना हमारे लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। 6 अगस्त 1945 को

अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा में परमाणु बम गिराया, तो पलक झपकते ही 1 लाख 40 हजार से ज्यादा जिंदगियां मौत के घाट उतर गईं। इस घटना को 3 दिन ही बीते थे कि अमेरिका ने नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिरा दिया, जिसमें 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गए। इस हमले ने जापान के पैरों तले से जमीन खींच ली। दूसरे विश्व युद्ध में जीत की कगार पर पहंचे जापान ने 15 अगस्त को घुटने टेक दिए और इसी के साथ दूसरा विश्व युद्ध खत्म हो गया। अमेरिका ने तड़के सुबह ठीक 8:15 बजे हिरोशिमा में बम ब्लास्ट किया था। इस दिन को जापान में आज भी शोक सभा की तरह देखा जाता है। इसी समय जापान में पीस बेल बजाई जाती है। साथ ही मृतकों को श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। इन परमाणु हमलों में कई लोगों ने अपनों को हमेशा के लिए खो दिया था। परमाणु बम से फैले रेडिएशन का असर आज भी नागासाकी और हिरोशिमा शहर के लोगों में देखा जाता है। इस हमले के बाद जापान ने अपनी सेना खत्म करने का फैसला लिया और अमेरिका के संरक्षण में चला गया।

प्रावेग लि. को 3.99 करोड़ का इवेंट कॉन्ट्रैक्ट मिला

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रावेग लिमिटेड (प्रावेग, दी कंपनी), (बीएसई कोड: 531637),– प्रावेग लिमिटेड यह घोषणा करते हुए प्रसन्नता महसूस कर रहा है कि उसे पोरबंदर वन प्रभाग के उप वन संरक्षक से 10 अगस्त 2025 को तिमडी, द्वारका जिला, गुजरात में आयोजित होने वाले हाई–प्रोफाइल वर्ल्ड लायन डे 2025 समारोह के प्रबंधन के लिए पुरस्कार पत्र प्राप्त हुआ है। इस अनुबंध का मूल्य लगभग 3.99 करोड़ है। इस कार्यक्रम में माननीय गुजरात के मुख्यमंत्री की उपस्थिति रहेगी और इसमें लगभग 8,000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी और आम जनता शामिल हैं। यह परियोजना विश्व लायन डे समारोह के पैमाने और महत्व को दर्शाती है, जो भव्य एशियाई सिंह के लिए प्रसिद्ध क्षेत्र में आयोजित किया जाता है, और वन्यजीव संरक्षण जागरूकता के प्रति सरकार की निरंतर प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। प्रावेग लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. विष्णुकुमार पटेल ने कहा, वर्ल्ड लायन डे 2025 समारोह के प्रबंधन का अनुबंध जीतना हमारे लिए सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है, जिसे हम बड़ी संजीदगी से लेते हैं।

टूरिसम फाइनेंस का मुनाफा 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। टूरिसम फाइनेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीएफसीआईएल, कंपनी), जो पर्यटन से संबंधित परियोजनाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनियों में से एक है, ने वित्त वर्ष 2025–26 की पहली तिमाही के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। ज़कंपनी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ त्रैमासिक वित्तीय प्रदर्शन के बाद प्रबंधन भविष्य को लेकर आशावादी है– सर्वाधिक शुद्ध लाभ, बढ़ती निवल ब्याज मार्जिन और शून्य शुद्ध एनपीए। ज़ फंड रेज़ की योजना, रेटिंग में संभावित उन्नति और हाल ही में बोर्ड द्वारा घोषित स्टॉक स्प्लिट के साथ, आने वाले तिमाहियों में अस्न्रष्टद्धरुके लिए काफी कुछ सकारात्मक होने की उम्मीद है।

वित्तीय स्थिति– ठोस निवल संपत्ति 1,149.12 करोड़ से बढ़कर 1,238.37 करोड़ हो गई, जिसमें वार्षिक 7.77 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। कुल ऋण 1,553 करोड़ से बढ़कर 1,711.67 करोड़ हो गया।

एचडीएफसी बैंक ने नागरिकों के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश साझा किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने ग्राहकों को एपीके (एंड्रॉइड पैकेज किट) धोखाधड़ी से सावधान रहने की सलाह दी है। इसका उद्देश्य ग्राहकों की सुरक्षा के लिए ऐसी धोखाधड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। एपीके घोटाले में धोखेबाज आमतौर पर बैंक कर्मचारियों या सरकारी अधिकारियों का रूप धारण करके सोशल इंजीनियरिंग रणनीति का इस्तेमाल करते हैं। इसमें संदेश प्राप्तकर्ता को एक फ़र्ज़ी एपीके फ़ाइल प्राप्त होती है जो विश्वसनीय स्रोतों से होने का दावा करती है। जब कोई व्यक्ति इन फ़ाइलों को इंस्टॉल करता है तो धोखेबाज उनके फ़ोन पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लेता है। फिर धोखेबाज कॉल और टेक्स्ट संदेशों को किसी अन्य डिवाइस पर रीडायरेक्ट कर सकता है और पीड़ितों के फ़ोन से डेटा चुरा सकता है।

वी ने रैडएक्स के फायदों को फैमिली पोस्टपेड प्लान्स में किया विस्तारित

मुंबई, एजेंसी। अपने फ्लैगशिप रैडएक्स पोस्टपेड प्लान की सफलता को देखते हुए भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाता वी (वोडाफोन आइडिया) ने रैडएक्स फैमिली प्लान के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारत का एकमात्र फैमिली पोस्टपेड प्लान है, जो अनलिमिटेड 4त्र एवं 5त्न डेटा और इंटरनेशनल रोमिंग के साथ प्रीमियम ट्रैवल, लाईफस्टाईल एवं एंटरटेनमेन्ट के फायदे देता है। पोस्टपेड सेगमेन्ट में उद्योग जगत का लीडर होने के नाते, वी अपने उपभोक्ताओं को सर्वश्रेष्ठ सेवाएं प्रदान करता रहा है।

हर माँ के अधिकार को सलाम - जहाँ भी हों, कभी भी

अपने शिशु को आत्मविश्वास और आराम से स्तनपान कराने का अधिकार

हिमालया बेबीकेयर ने वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक पर शुरू किया हर कदम हर माँ के साथ कैंपेन

मुंबई, एजेंसी। भारत के नंबर 1 डॉक्टर-प्रिसक्राइब्ड बेबी केयर ब्रांड हिमालया बेबीकेयर ने वर्ल्ड ब्रेस्टफीडिंग वीक के अवसर पर एक संवेदनशील डिजिटल वीडियो कमर्शियल (डीवीसी) फिल्म लॉन्की है।'सहरकदमहरमाँकेसाथ' शीर्षक वाला यह अभियान उन चुनौतियों को उजागर करता है, जिनका सामना माताओं को सार्वजनिक स्थानों पर स्तनपान कराने के दौरान गोपनीयता और सहयोगी माहौल के अभाव में करना पड़ता है। इस विचार से प्रेरित होकर कि एक माँ का आराम और आत्मविश्वास केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं होना चाहिए, हिमालया बेबीकेयर पूरे भारत में लाखों माताओं के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। फिल्म में एक माँ को अपने घर के आरामदायक माहौल में शांति से शिशु को दूध पिलाते और लोरी गुनगुनाते हुए दिखाया गया है। जैसे-जैसे दृश्य धीरे-धीरे मेट्रो स्टेशनों, हवाई अड्डों, मॉल और बस स्टॉप जैसे सार्वजनिक स्थानों की ओर बढ़ता है, उसका आत्मविश्वास डगमगाने लगता है, उसकी आवाज लड़खड़ा जाती है, और बैठने में असहजता झलकती है। यह स्थिति उस आम समस्या को दर्शाती है, जिसका सामना कई माताएँ करती हैं। आंकड़ों के अनुसार हर तीन में से एक मां को को अपने बच्चों को नए स्थानों पर दूध पिलाते समय असुविधा होती है। इसके परिणामस्वरूप अक्सर सुरक्षित और प्राइवेट फीडिंग स्पेस की कमी के चलते शिशुओं को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता है। फिल्म में आगे दिखाया गया है कि माँ जैसे ही शांत और सुकूनभरे 'हिमालया हैप्पी फीडिंग रूम' में प्रवेश करती है।

टाइटन इंटेक ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 42.6 प्रतिशत पीएटी ग्रोथ दर्ज किया

- **4.5 करोड़ के आरएंडडी केपिटलाईझेशन की घोषणा की**

हैदराबाद, एजेंसी। सॉ टवेयर डेवलोपमेन्ट में ग्लोबल लीडर, टाइटन इंटेक लिमिटेड (बीएसई- टाइटनिन 7 521005) ने 31 जुलाई, 2025 को आयोजित अपनी बोर्ड मिटिंग के परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 4.97 करोड़ रुपये का नेट सेल्स दर्ज कीया, जो पिछले वर्ष की 4.82 करोड़ रुपये की तुलना में अधिक है।

titanintech EMPOWERING INNOVATION

इस अवधि के दौरान, एबिटा 20.9 प्रतिशत बढ़कर 1.62 करोड़ रुपये हो गया, जो बेहतर ओपरेशनल एफिशियन्सी को दर्शाता है। इसके साथ ही, शुद्ध लाभ 42.6 प्रतिशत बढ़कर 0.64 करोड़ रुपये हो गया, जबकि प्रति शेयर आय (ईपीएस) बढ़कर 0.20 रुपये हो गई। वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही के 5.78 करोड़ रुपये से घटकर वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 4.97 करोड़ रुपये रह गई।

हालाँकि, एबिटा 1.31 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.62 करोड़ रुपये हो गया, और नेट प्रोफिट 0.52 करोड़ रुपये से बढ़कर 0.64 करोड़ रुपये हो गया।

फोनपे के इंडस ऐपस्टोर और एल्काटेल ने ओईएम के लिए रणनीतिक पार्टनरशिप की

मुंबई, एजेंसी। भारत में बने एंड्रॉइड ऐप मार्केटप्लेस इंडस ऐपस्टोर ने आज फ्रेंच टेक्नोलॉजी कंपनी एल्काटेल के साथ रणनीतिक पार्टनरशिप की घोषणा की है। इस लॉन्ग–टर्म पार्टनरशिप के तहत, अब भारत में बिकने वाले एल्काटेल के सभी

Indus Appstore

स्मार्टफोन में इंडस ऐपस्टोर पहले से इंस्टॉल रहेगा। इससे दोनों कंपनियों को देशभर के लाखों यूज़र्स तक अपनी पहुंच बनाने और लोकल ऐप मार्केप्लेस की मदद से नए विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। फोनपे के इंडस ऐपस्टोर में 45 कैटेगिरीज़ में वेरिफाइड मोबाइल ऐप्स और गेम्स का एक बड़ा कैटलॉग मौजूद है। यह 12 भारतीय भाषाओं को सपोर्ट करता है, 10 क्षेत्रीय भाषाओं में वॉयस सर्च की सुविधा देता है, और वीडियो–आधारित ऐप डिस्कवरी का अनुभव उपलब्ध कराता है। इसकी मदद से यूज़र्स ऐप डाउनलोड करने से पहले उन्हें प्रीव्यू कर सकते हैं। इंडस ऐपस्टोर, पुराने ऐप डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल का एक प्रभावी और यूज़र को ध्यान में रखकर विकल्प उपलब्ध कराता है। इससे यूज़र्स को न सिर्फ ऐप डाउनलोड करने, बल्कि अपनी पसंद के हिसाब से ऐप्स खोजने का भी बेहतरीन अनुभव मिलेगा।

नेक्स्टसेल इंडिया को भारत और कुछ चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अष्टरुकी ओर से अल्काटेल ब्रांड के संचालन और उसके प्रतिनिधित्व का विशेष अधिकार मिला हुआ है।

यह कंपनी इस पार्टनरशिप को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है। यह पार्टनरशिप नेक्स्टसेल की उस सोच को दर्शाती है, जो भारत सरकार के मेक इन इंडिया कार्यक्रम के अनुरूप है। इसका उद्देश्य लोकल टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के ज़रिए भारतीय यूज़र्स और डेवलपर्स को सशक्त बनाना है। खास बात यह है कि इंडस ऐपस्टोर ने, भारत में लॉन्च के कुछ ही दिनों के अंदर अल्काटेल के साथ पार्टनरशिप की है। ऐसे में, इनका साथ ब्रांड की शुरुआत से ही बना रहेगा।

इस पार्टनरशिप के बारे में जानकारी देते हुए इंडस ऐपस्टोर की चीफ़ बिज़नेस ऑफ़िसर प्रिया एम. नरसिम्हन ने कहा, हम भारत में अल्काटेल की यात्रा की शुरुआत में ही उनके साथ पार्टनरशिप करके बेहद उत्साहित हैं।

इस सहयोग के ज़रिए अल्काटेल यूज़र्स को एक स्वदेशी प्लेटफ़ॉर्म पर ऐप्स खोजने और उनका अनुभव लेने का मौका मिलेगा, जो सही मायनों में लोकलाइज़ेशन और पर्सनलाइज़ेशन प्रदान करता है। यह पार्टनरशिप न केवल इंडस ऐपस्टोर की पहुंच को बढ़ाती है, बल्कि डेवलपर्स और मार्केटर्स को अपने ऐप्स को लोगों तक पहुंचाने और देशभर में अधिक से अधिक यूज़र्स से जुड़ने का एक बेहतरीन अवसर भी देती है।

खूब उड़ें, खूब कमायें: कोटक और इंडिगो ने एक बार फिर इंडिगो ब्लूचिप्स द्वारा पावर्ड को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स लॉन्च किये

मुंबई, एजेंसी। आपको यात्रा करना पसंद है अब आपका रोज़मर्रा का खर्च आपको नई-नई जगहों पर ले जा सकता है। कोटक महिंद्रा बैंक और इंडिगो ने मिलकर एक आकर्षक को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स की श्रृंखला को फिर सेलॉन्च किया है। ये कार्ड्स इंडिगो एयरलाइंस के नए लॉयल्टी प्रोग्राम, इंडिगो ब्लूचिप द्वारा पावर्ड है। चाहे आप बार-बार यात्रा करने वाले हों या अपनी अगली छुट्टी की योजना बना रहे हों, ये कार्ड आपके रोज़मर्रा के खर्च को यात्रा पुरस्कारों में बदलने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।

अशोक वासवानी, एमडी और सीईओ, कोटक महिंद्रा बैंक, ने कहा,कोटक में, हमें इंडिगो के साथ अपनी पुरानी साझेदारी को और मजबूत करके गर्व हो रहा है, जिसने लाखों भारतीयों के लिए यात्रा को आसान और बेहतर बनाया है। यह साझेदारी एक साझा लक्ष्य पर आधारित है - रोज़मर्रा की बैंकिंग को और फायदेमंद बनाना और यात्रा को सभी के लिए आसान करना। इन को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स के जरिए, हम अपने ग्राहकों को उनके रोज़ के खर्च को यादगार यात्राओं में बदलने का एक आसान और शानदार तरीका दे रहे हैं।

पीटर एल्बर्स, चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफीसर, इंडिगो, ने कहा,इंडिगो ब्लूचिप के ज़रिए, हम अपने ग्राहकों को शानदार लॉयल्टी बेनेफिट्स देने की कोशिश करते हैं, और कोटक महिंद्रा बैंक के साथ हमारी यह साझेदारी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस साझेदारी से हमारे ग्राहक अपने रोज़मर्रा के खर्च पर ब्लूचिप्स कमा सकते हैं और उन्हें हमारी देशी-विदेशी उड़ानों के लिए आसानी से इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्टील एक्सचेंज इंडिया का मुनाफा 296 प्रतिशत उछला

मुंबई। स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड जो दक्षिण भारत की प्रमुख एकीकृत स्टील निर्माता कंपनियों में से एक है और 'सिंहाद्रि टीएमटी ब्रांड के तहत विश्वसनीय टीएमटी सरियों के लिए प्रसिद्ध है, ने FY26 की पहली तिमाही के लिए अपने अनिर्दिष्ट वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। स्टील एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री सुरेश कुमार बंडी, ने कहा, वर्ष की पहली तिमाही में मिली सकारात्मक गति से हम उत्साहित हैं। यह प्रदर्शन हमारे सिम्हाद्रि टीएमटी उत्पादों की बढ़ती मांग और संचालन में निरंतर कुशलता पर हमारे फोकस का परिणाम है। आंध्र प्रदेश में प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए स्वीकृतियाँ प्राप्त होना हमारे ब्रांड की ताकत और गुणवत्ता पर उपभोक्ताओं के विश्वास को दर्शाता है। साथ ही, हम अपनी इन्फ्रा-लॉजिस्टिक्स सब्सिडियरी की स्थापना जैसी रणनीतिक पहलों पर भी प्रगति कर रहे हैं, जो हमारे पूरे ईकोसिस्टम से और अधिक मूल्य निकालने में सहायक होगी।

स्टील एक्सचेंज इंडिया की ताज़ा उपलब्धियाँ- सिंहाद्रि टीएमटी रिबार्स को मिली बड़ी मान्यता - मचिलीपट्टनम (मेघा इंजीनियरिंग) और मुलापेटा (विश्व समुद्र जेवी) जैसे दो प्रमुख पोर्ट प्रोजेक्ट्स में स्वीकृति। एसईआईएल अधोसंरचना लॉजिस्टिक्स लिमिटेड का गठन 29 जून 2025 को - नॉन कोअर संपत्तियों से मूल्य सृजन और इन्फ्रा-लॉजिस्टिक्स पर केंद्रित रणनीति की ओर बड़ा कदम।

कॉनप्लेक्स सिनेमाज़ का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। कॉनप्लेक्स सिनेमाज़ लिमिटेड एक मनोरंजन कंपनी है जो लग्जरी सिनेमा अनुभव पर फोकस करते हुए सिनेमा उद्योग में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है। कंपनी अपना आईपीओ (इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग) 07 अगस्त 2025 को लॉन्च करने जा रही है, जिसके तहत ऊपरी मूल्य बैंड पर 90.27 करोड़ जुटाने का लक्ष्य है। इस आईपीओ के तहत 51,00,000 इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू किया जाएगा, जिन्हें एनएसई ईमर्ज प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इश्यू का आकार 51,00,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका अंकित मूल्य 10 प्रति शेयर है, और मूल्य दायरा 168 से 177 प्रति शेयर के बीच निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कॉर्पोरेट कार्यालय की खरीद, एलईडी स्क्रीन और प्रोजेक्टर की खरीद, कार्यशील पूंजी की आवश्यकता और सामान्य कॉर्पोरेट खर्चों के लिए किया जाएगा। एंकर हिस्सा 06 अगस्त 2025 को खुलेगा और इश्यू 11 अगस्त 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर बीलाइन कॅपिटल ॲडवायजर्स प्रायव्हेट लिमिटेड है और रजिस्ट्रार एमयूएफजी इंटाईम इंडिया प्रायव्हेट लिमिटेड है।

कॉनप्लेक्स सिनेमाज़ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री अनीश तुलसीभाई पटेल और संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री राहुल कमलेशभाई ध्यानी ने कहा, कॉन्प्लेक्स सिनेमाज़ के लिए पब्लिक होना एक महत्वपूर्ण पड़ाव

ट्रूकॉलर ने बुज़ुर्गों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए ख़्याल के साथ साझेदारी की

मुंबई, एजेंसी। देश और दुनिया के बुज़ुर्ग धीरे–धीरे डिजिटल युग के तौर–तरीकों को अपना रहे हैं, और इसी वजह से वे पहले से कहीं ज़्यादा जोखिम में हैं। वे टेक्नोलॉजी से अच्छी तरह वाकिफ नहीं हैं साथ ही धोखाधड़ी की तरकीबें भी लगातार बदल रही हैं, लिहाजा इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि साइबर अपराध का शिकार बनने वाले ज़्यादातर लोग 50 साल से अधिक उम्र के हैं— बहुत से लोग न सिर्फ़ पैसे ही नहीं गँवा रहे हैं, बल्कि उनके बीच सुरक्षा और भरोसे की भावना भी कम हो रही है। दुनिया में संचार के सबसे बड़े प्लेटफ़ॉर्म, ट्रूकॉलर ने लगातार बढ़ रही इस चुनौती को दूर करने के लिए भारत में बुज़ुर्गों के लिए नंबर वन ऐप, ख़्याल के साथ साझेदारी की घोषणा की है, जो देश में बुज़ुर्गों को सक्षम बनाने और उनकी भलाई के लिए इरादे पर अटल है।

टाटा मोटर्स, ग्रीन एनर्जी मोबिलिटी सॉल्यूशंस के साथ मिलकर करेगा

100 मैग्ना ईवी इंटरसिटी बसों की आपूर्ति

पैसेंजर व्हीकल एक्सपो 2.0 में उन्नत मोबिलिटी समाधानों का प्रदर्शन

चेन्नई, एजेंसी। व्यवसायिक वाहन बनाने वाली भारत की सबसे बड़ी कंपनी टाटा मोटर्स ने ग्रीन एनर्जी मोबिलिटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (जीईएमएस) के साथ एक समझौताअनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। जीईएमएस, यूनिवर्सल बस सर्विसेज (यूबीएस) की इलेक्ट्रिक वाहन इकाई है। इस समझौते के तहत टाटा मोटर्स 100 आधुनिक मैग्ना ईवी इंटरसिटी बसों की आपूर्ति करेगा। यह एमओयू चेन्नई में पैसेंजर व्हीकल एक्सपो 2.0 में किया गया, जहां टाटा मोटर्स अपनी नए परिवहन समाधानों का प्रदर्शन कर रहा है। इसमें ऑल-इलेक्ट्रिक मैग्ना ईवी और एलपीओ 1822शामिल हैं। इन बसों को शानदार प्रदर्शन, यात्रियों के लिए आराम और कम लागत के लिए बनाया गया है।

तमिलनाडु सरकार के उद्योग मंत्री डॉ. टी.आर.बी. राजा ने कहा, तमिलनाडु ऑटोमोटिव और स्वच्छ परिवहन के क्षेत्र में सबसे आगे है। टाटा मोटर्स और यूनिवर्सल बस सर्विसेज के बीच यह साझेदारी इलेक्ट्रिक बसों के जरिए हरित और सुरक्षित सार्वजनिक यात्रा को बढ़ावा देगी। यह कदम तमिलनाडु के लोगों को पर्यावरण के अनुकूल यात्रा का विकल्प देता है और भविष्य के लिए तैयार स्थायी परिवहन प्रणाली बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यूनिवर्सल बस सर्विसेज के मैनेजिंग पार्टनर और ग्रीन एनर्जी मोबिलिटी सॉल्यूशंस के डायरेक्टर श्री सुनील कुमार रविंद्रन ने एमओयू पर हस्ताक्षर करते हुए कहा, टाटा मोटर्स के साथ हमारा लंबे समय से चला आ रहा रिश्ता विश्वास पर टिका है। यह समझौता मैग्ना ईवी बसों के साथ इलेक्ट्रिक इंटरसिटी यात्रा की दिशा में बड़ा कदम है। ये बसें शांत, आरामदायक और लंबी दूरी की यात्रा के लिए बेहतरीन हैं। इनमें यात्रियों को शानदार अनुभव मिलता है। इनकी कम लागत और शून्य प्रदूषण से हमारी दक्षता बढ़ेगी और ये बसें स्थायी परिवहन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता मजबूत करेंगी। टाटा मोटर्स के वाइस प्रेसिडेंट और कमर्शियल पैसेंजर व्हीकल बिजनेस के हेड श्री आनंद एस ने साझेदारी के महत्व के बारे में बताते हुए कहा, यूबीएस के साथ यह एमओयू इंटरसिटी परिवहन को बदलने की हमारी यात्रा में एक बड़ा कदम है।

नेटफ्लिक्स ने अपनी बहुप्रतीक्षित जासूसी थ्रिलर 'सारे जहां से अच्छा' का दमदार ट्रेलर रिलीज किया

मुंबई, एजेंसी। जब देश अपनी आज़ादी का जश्न मना रहे होते हैं, तब कुछ लोग चुपचाप बिना हथियारों के, सिर्फ़ अपनी तेज़ दिमाग से जंग लड़ रहे होते हैं। ये गुमनाम हीरो परछाइयों में खो जाते हैं, न उनका नाम होता है, न चेहरा, न कोई मेडल, न कोई बड़ा सम्मान, न कोई शोर। ये होते हैं खुफिया अफसर और जासूस, जो ऐसी लड़ाइयाँ लड़ते हैं जिन्हें हम कभी देख नहीं पाते, ताकि हमें कभी उसका सामना न करना पड़े। नेटफ्लिक्स की आने वाली नई वेब सीरीज़ सारे जहां से अच्छा रिसर्च एंड एनालिसिस विंग के एजेंट विष्णु शंकर की कहानी है, जो दुश्मन के इलाके पाकिस्तान में एक बेहद खतरनाक मिशन पर निकलता है। सवाल ये है - क्या वह इस मुश्किल मिशन में कामयाब हो पाएगा 'सारे जहां से अच्छा' की कहानी 1970 के उस तनावपूर्ण दौर पर आधारित है, जब एक छोटी सी गलती से दुनिया में परमाणु जंग छिड़ सकता था और ताकत का संतुलन बिगड़ सकता था। इस सीरीज़ में भारत की रिसर्च एंड एनालिसिस विंग और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस के बीच चालों की एक खतरनाक लड़ाई दिखाई गई है। विष्णु को आइएसआइ एजेंट मुर्तज़ा मलिक से एक कदम आगे रहकर मात देनी है, ताकि एक बड़ा संकट टाला जा सके। गौरव शुक्ला द्वारा बनाई गई और बॉम्बे फेबल्स द्वारा प्रोड्यूस की गई 'सारे जहां से अच्छा' में भावेश मांडलिया क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के चौथे वार्षिक दीक्षांत समारोह में 956 डिग्रियां दी गई

स्नातक कर रहे 21 मेधावी विद्यार्थी स्वर्ण पदक से सम्मानित

हैदराबाद /नई दिल्ली, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी ने बहादुरपल्ली, हैदराबाद में अपने कैंपस में चौथा वार्षिक दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। यह आयोजन प्रबंधन, इंजीनियरिंग, विधि और शिक्षा स्कूलों के 943 विद्यार्थियों और 13 पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले विद्वानों के लिए एक ऐतिहासिक आयोजन रहा जहां जिसमें उनके माता-पिता, शिक्षक और अतिथि उपस्थित थे। इस दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि डॉक्टर रेड्डीज़ लैबोरेटरीज़ के को-चेयरमैन और प्रबंध निदेशक श्री जीवी प्रसाद थे।

महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलाधिपति श्री आनन्द महिन्द्रा नेमहिन्द्रा युनिवर्सिटी केबोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य और टेक महिन्द्रा के सीईओ एवं एमडी श्री मोहित जोशी और महिन्द्रा युनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर यजुलू मेदुरीकी उपस्थिति में इस समारोह की अध्यक्षता की। श्री मेदुरी ने पिछले अकादमिक वर्ष में इस युनिवर्सिटी की प्रगति को लेकर एक समग्र रिपोर्ट प्रस्तुत की।

ये 10 भारतीय क्रिकेटर्स कभी भी कर सकते हैं संन्यास का ऐलान, वापसी अब लगभग नामुमकिन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में प्रतिस्पर्धा इतनी तीव्र हो चुकी है कि एक बार टीम से बाहर हुए खिलाड़ी के लिए वापसी की राह बेहद कठिन हो जाती है. कुछ खिलाड़ी शानदार घरेलू प्रदर्शन से वापसी कर लेते हैं, लेकिन कुछ ऐसे भी होते हैं जिनके लिए टीम इंडिया का दरवाजा लगभग हमेशा के लिए बंद हो जाता है. यहां हम बात कर रहे हैं उन 10 भारतीय क्रिकेटरों की, जिनकी राष्ट्रीय टीम में वापसी अब लगभग असंभव मानी जा रही है.

हनुमा विहारी

हनुमा विहारी ने 2021 के सिडनी टेस्ट में साहसी बल्लेबाजी कर टीम को ड्रॉ दिलाया था, लेकिन इसके बाद से उन्होंने कोई भी अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है. 2022 के बाद चयनकर्ताओं ने उन्हें पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया है.उनका भारतीय टीम में वापसी करना अब न के बराबर है.

युजवेंद्र चहल

35 साल के हो चुके चहल फिलहाल दो साल से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. उनके स्थान पर युवा स्पिनर्स को प्राथमिकता दी जा रही है. उम्र और हालिया फॉर्म को देखते हुए भारतीय टीम में उनकी वापसी अब मुश्किल लग रही है.

अजिंक्य रहाणे

टीम इंडिया के पूर्व उपकप्तान रह चुके रहाणे को अब घरेलू टूर्नामेंट्स में भी लगातार अनदेखा किया जा रहा है. दिलीप ट्रॉफी जैसी प्रतियोगिताओं में भी उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला, जिससे यह साफ है कि अब उनकी टीम में वापसी की संभावना बेहद कम है.

चेतेश्वर पुजारा

भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा अब कमेंट्री करते नजर आ रहे हैं. उनकी क्रिकेट के मैदान से दूरी और उम्र को देखते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वो कभी भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर सकते हैं.

विजय शंकर

विजय शंकर 2019 की वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा थे, लेकिन बीच टूर्नामेंट में ही चोट के बाद वो बाहर हो गए थे. उसके बाद शंकर टीम में वापसी नहीं कर सके. विजय शंकर घरेलू स्तर पर भी प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं और अब भारतीय टीम में वापस चयन से दूर हो चुके हैं.

जयदेव उनादकट

34 वर्षीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था और 2023 में भारत की ओर से कुछ मुकाबले भी खेले थे, लेकिन बाद में वो टीम से फिर से बाहर हो गए थे. आज के समय में भारतीय टीम में युवा पेसर्स की भरमार के बीच उनकी जगह बनना अब मुश्किल है.

अमित मिश्रा

42 साल के मिश्रा ने भले ही अब तक इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा नहीं की है, लेकिन उन्होंने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2017 में खेला था. भारतीय टीम में उनकी वापसी की संभावना न के बराबर है.

मनीष पांडे

मनीष पांडे 2021 के बाद से टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं. घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन औसत रहा है, जिससे चयनकर्ता उन्हें टीम में दोबारा मौका नहीं दे रहे.

हर्षल पटेल

हर्षल पटेल आईपीएल में विकेट जरूर लेते हैं, लेकिन उनकी इकोनॉमी रेट हमेशा से चिंता का विषय रहा है. टीम इंडिया में इस समय तेज गेंदबाजों की लंबी कतार है, जिससे टीम में उनकी वापसी मुश्किल दिखती है.

दीपक हुड्डा

10 वनडे और 21 टी20 मैच खेलने के बाद से दीपक हुड्डा 2 साल से टीम से बाहर चल रहे हैं. आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन कुछ खाल नही रहा है, जिसके चलते उन्हें दोबारा टीम इंडिया में मौका मिलना मुश्किल लगता है.

एशिया कप 2025 से पहले

जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की होगी अग्निपरिक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल ही में संपन्न एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारतीय टीम की सफलता के बाद जहां मेहमान टीम ने श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली थी, भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब अपने प्रमुख खिलाड़ियों का ध्यान रखना चाहता है। खास बात यह है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह का एशिया कप से पहले परीक्षण किया जा सकता है।

हाल के दिनों में भारत के लिए सबसे खास श्रृंखलाओं में से एक में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह ने शानदार प्रदर्शन किया। बुमराह 5 में से केवल तीन मैचों में ही खेले, लेकिन सिराज ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पांचों टेस्ट में हिस्सा लेते हुए 185 से ज़्यादा ओवर फेंके और 23 विकेट लिए। पिछले दो महीनों में इतने ज्यादा कार्यभार को देखते हुए बीसीसीआई अब 9 सितंबर से शुरू होने वाले एशिया कप से पहले इन दोनों खिलाड़ियों पर ध्यान दे रहा है। रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अब यह सुनिश्चित करना चाहता है कि दोनों तेज गेंदबाज एक महीने के ब्रेक के दौरान पूरी तरह फिट रहें।

उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए चयन बैठक से पहले उनकी फिटनेस का आकलन किया जाएगा, जो अगस्त के अंत में होनी है। गौरतलब है कि एशिया कप 9 सितंबर से शुरू होगा जबकि भारत अपना पहला मैच 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ खेलेगा, जबकि फाइनल 28 सितंबर को होना है। केवल 6 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच होने हैं, लेकिन इसके बावजूद बीसीसीआई कोई जोखिम नहीं लेना चाहता, क्योंकि एशिया कप के तुरंत बाद भारतीय टीम 2 अक्टूबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलेगी।

कैनेडियन ओपन:

टॉसन ने कीज को हराया, सेमीफाइनल में ओसाका से भिड़ेंगी

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। क्लारा टॉसन ने कैनेडियन ओपन में मौजूदा ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन मैडिसन कीज पर 6-1, 6-4 से जीत हासिल कर 2025 के अपने दूसरे डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉसन को पहला सेट जीतने में सिर्फ 27 मिनट लगे। दूसरा सेट टॉसन के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण रहा। इगा स्वियाटेक और मैडिसन कीज पर लगातार जीत के साथ क्लारा टॉसन ने अपने सातवें डब्ल्यूटीए सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। टॉसन का अगला मुकाबला चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका से होगा, जिन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की। ओसाका ने स्वितोलिना को आठ मैचों में पांचवीं बार हराकर अपने करियर में पहली बार कैनेडियन ओपन सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कुल मिलाकर, इस जीत के साथ ओसाका छठी बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। मियामी ओपन 2022 के बाद यह उनका पहला सेमीफाइनल है। टॉसन के साथ अपने सेमीफाइनल मुकाबले के बारे में बात करते हुए, ओसाका ने कहा, वह वाकई बहुत मजबूत हैं। मैंने इस साल ऑकलैंड में उनके साथ खेला था और चोटिल होने के कारण मुझे बीच में ही मैच रोकना पड़ा था। इसलिए, मैं बहुत खुश हूं कि मैं स्वस्थ हूं और मुझे उम्मीद है कि देखने आने वाले सभी लोगों के लिए यह एक अच्छा मैच होगा। ओसाका और टॉसन का सेमीफाइनल मुकाबला उनके करियर का दूसरा मुकाबला होगा। टॉसन ने इस साल की शुरुआत में ऑकलैंड में अपना पहला मैच जीता था। उस मैच में, ओसाका को पहला सेट 6-4 से जीतने के बाद रिटायर होना पड़ा था।

Chennai Grand Masters:

एक दिन के लिए स्थगित हुआ चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट, इस कारण लेना पड़ा फैसला

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट को एक दिन के लिए स्थगित किया है और अब इसका आयोजन बुधवार के बजाए गुरुवार को होगा। आयोजकों को यह फैसला इसलिए लेना पड़ा क्योंकि जिस होटल में इसे होना है वहां आग लग गई। चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स टूर्नामेंट में भारत और अंतरराष्ट्रीय सहित कई दिग्गज खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे। यह इस टूर्नामेंट का तीसरा संस्करण है।

भारतीय ग्रैंडमास्टर और टूर्नामेंट के निदेशक श्रीनाथ नारायण ने एक्स पर लिखा, पिछली रात होटल में आग लग गई जहां चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स होना था। सभी खिलाड़ी सुरक्षित हैं और उन्हें पास के एक अन्य होटल में भेजा गया है। टूर्नामेंट एक दिन के लिए स्थगित किया जाता है। खिलाड़ियों को अंततः होटल वापस लाया गया, लेकिन सुरक्षा जांच के बाद टूर्नामेंट एक दिन बाद शुरू होगा।

समय में नहीं होगा बदलाव

चेसबेस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, चेन्नई के होटल हयात रीजेंसी के नौवें तल्ले पर आग लग गई जिस कारण पूरे होटल में धुआं छा गया और सभी को होटल से बाहर निकाला गया। इस दौरान वहां सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि मैच का समय वही रहेगा, लेकिन अब कार्यक्रम से रेस्ट डे हटाया गया है। उन्होंने कहा, समय वही रहेगा और टूर्नामेंट 15 अगस्त को ही समाप्त होगा। बीच में एक दिन का विश्राम था और अब वह कार्यक्रम का हिस्सा नहीं है।

चेन्नई ग्रैंडमास्टर्स की पुरस्कार राशि एक करोड़ रुपये है। इस प्रतियोगिता में भारत के नंबर एक खिलाड़ी अर्जुन एरिगेसी, अनुभवी विदित गुजराती और नीदरलैंड के अनीश गिरी जैसे नामी खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। विश्व के पांचवें नंबर के खिलाड़ी एरिगेसी अपने अभियान की शुरुआत अमेरिका के अवॉन्डर लियांग के खिलाफ करेंगे। पहली बार इसमें मास्टर्स और चैलेंजर्स वर्ग में क्लासिकल राउंड रॉबिन प्रारूप में नौ से अधिक दौर खेले जाएंगे। इससे पहले दो सत्र में सात दौर ही खेले जाते थे। इसमें 19 ग्रैंडमास्टर्स भाग लेंगे और फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे जो 2026 कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह पाने के लिए अहम होंगे।

क्या मोहम्मद शमी की टेस्ट क्रिकेट में वापसी अब मुश्किल हो गई है?

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी लंबे समय से टेस्ट क्रिकेट से बाहर चल रहे हैं। भारत और इंग्लैंड सीरीज के बाद क्या उनकी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होगी। इसे लेकर संशय की स्थिति बनी हुई है। मोहम्मद शमी वनडे विश्व कप 2023 के फाइनल के बाद इंजरी की वजह से एक साल से अधिक समय तक क्रिकेट से दूर रहे। फिट होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट में खेला। उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था और इसी वजह से उन्हें टी20 और फिर वनडे फॉर्मेट में जगह दी गई। वह चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन टेस्ट क्रिकेट में उनकी वापसी अभी तक नहीं हो पाई है। न्यूजीलैंड टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया टेस्ट सीरीज, इंग्लैंड टेस्ट सीरीज तीन ऐसे मौके थे, जब शमी की टेस्ट में वापसी हो सकती थी। लेकिन चाहे फिटनेस का कारण रहा हो या युवाओं को अधिक मौके देना, शमी भारतीय टेस्ट टीम में जगह नहीं बना पाए। हाल के मैचों में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने युवा तेज गेंदबाजों को अहमियत दी है। इंग्लैंड दौरे के लिए आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज और प्रसिद्ध कृष्णा को मौका दिया गया। इंग्लैंड दौरे पर रवाना होने से पहले मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने स्पष्ट किया था कि शमी 100 प्रतिशत फिट नहीं हैं। उनके साथ कुछ समस्याएं हैं। टीम प्रबंधन ने शमी को लेकर जोखिम लेने से मना कर दिया। नतीजन, युवाओं को इंग्लैंड में मौका मिला और उन्होंने इसे भुनाने की पूरी कोशिश की। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज में आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा ने शानदार गेंदबाजी की। आकाश दीप ने बर्मिंघम टेस्ट और प्रसिद्ध कृष्णा ने द ओवल टेस्ट में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। कृष्णा ने तीन टेस्ट में 14, आकाश दीप ने 3 टेस्ट में 13 विकेट लिए। बुमराह और सिराज टेस्ट में लंबे समय से अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सिराज ने 5 मैचों में 23 विकेट लिए, जो सीरीज में सर्वाधिक रहे। वहीं बुमराह ने भी 3 मैच में 14 विकेट लिए।

सवाल ये है जसप्रीत बुमराह, सिराज की मौजूदगी और आकाश दीप और कृष्णा के चमकदार प्रदर्शन के बाद क्या अब भी **शमी की टेस्ट टीम में वापसी संभव है?**

शमी की वापसी होगी या नहीं, इसका जवाब तो बीसीसीआई दे सकती है। लेकिन, कुछ चीजें हैं, जो फिलहाल इस तेज गेंदबाज के पक्ष में नहीं दिखती। शमी के साथ इंजरी की समस्या रहती है। वह 3 सितंबर को 35 साल के हो जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया मैनेजमेंट युवा तेज गेंदबाजों को प्राथमिकता दे रही है, जो मौका मिलने पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में फिटनेस, उम्र शमी के पक्ष में नहीं है, साथ ही युवा गेंदबाजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा भी है।

Asia Cup 2025: शुभमन गिल, साई सुदर्शन, यशस्वी जायसवाल एशिया कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान शुभमन गिल के अलावा यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन एशिया कप 2025 के लिए भारतीय टीम में जगह बनानने की दौड़ में शामिल हैं जो 9 सितंबर से शुरू होगा। भारत को सितंबर के अंत हमें वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है, लेकिन इसके बावजूद ये तीनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट के लिए टीम में जगह बनाने की रेस में शामिल हैं। एशिया कप 2025 के लिए टीम इंडिया का ऐलान अगस्त के तीसरे सप्ताह में किया जा सकता है। हालांकि

गिल और यशस्वी ने व्यस्त शेड्यूल की वजह से पिछले कुछ टी20 सीरीज में भारत के लिए नहीं खेले थे, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के बाद वो एशिया कप के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक टीम इंडिया के सेलेक्टर्स ने विकल्प खुले रखे हैं। एशिया कप का फाइनल मैच 28 सितंबर को खेला जाएगा जबकि इसके लगभग एक सप्ताह के अंदर ही वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरू हो जाएगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होगा।

बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान ने भी किया संभावित टीम का ऐलान

एशिया कप 2025 के लिए खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के बाद अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2025 के लिए शुरुआती टीम चुन ली है, जिसमें 22 खिलाड़ियों के नाम हैं। साथ ही बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि स्टार लेग स्पिनर राशिद खान की खराब फॉर्म को लेकर चिंता नहीं है। टीम मैनेजमेंट को उम्मीद है कि जल्द ही वह फॉर्म में वापसी कर लेंगे। एसीबी ने 9 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले आगामी एशिया कप के लिए राशिद की अगुवाई में 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम की घोषणा की है।

राशिद ने इंडियन प्रीमियर लीग के बाद मुंबई इंडियंस न्यूयॉर्क के लिए मेजर लीग क्रिकेट में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है। उनका प्रदर्शन काफी खराब रहा। उन्होंने गुजरात टाइटंस के लिए 9.34 की इकॉनमी रेट और 57.11 की औसत से सिर्फ 9 विकेट लिए थे। एसीबी की चयन समिति के सदस्य मीर मुबारिज ने क्रिकबज से कहा- राशिद खान अफगानिस्तान के सुपरस्टार खिलाड़ी हैं। उन्होंने हमेशा टीम के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। फॉर्म में होना या खराब होना खेल का हिस्सा है, लेकिन वह अच्छी तरह जानते हैं कि कैसे मजबूती से वापसी करनी है और टीम और देश के लिए बड़े टूर्नामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करना है। यूएई में अफगानिस्तान करेगा एशिया कप की तैयारी, पाकिस्तान के साथ ट्राई सीरीज

बोर्ड त्रिकोणीय टी20 सीरीज में भाग लेने से पहले दो हफ्ते का तैयारी शिविर आयोजित करेगा, जिसमें यूएई और पाकिस्तान शामिल हैं। इस सीरीज के बाद अफगानिस्तान एशिया कप फोकस करेगा, जिसमें उसके ग्रुप में हॉन्गकॉन्ग, बांग्लादेश और श्रीलंका हैं। मुबारिज ने कहा- हमने त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप से पहले तैयारी शिविर के लिए एक प्रारंभिक टीम की घोषणा कर दी है, जहां नए खिलाड़ियों की जांच कोचिंग स्टाफ और कप्तान दोनों प्रशिक्षण और तैयारी शिविर के दौरान करेंगे।

द हंड्रेड: 45 गेंदों में 0 रन, खेल शुरू होते ही हीरो बने राशिद खान, वॉर्नर-विलियमसन की टीम का काम तमाम

नई दिल्ली, एजेंसी। नए सीजन का आगाज राशिद खान की हीरोपंती के साथ हुआ है. 5 अगस्त को लंदन स्पिरिट और ओवल इन्विंसिबल के बीच मुकाबले के साथ द हण्ड्रेड का आगाज हुआ, जिसमें राशिद खान ने अपने नाम के मुताबिक कमाल किया. बल्लेबाजों को नाच नचा देने वाली राशिद खान की गेंदों का ही नतीजा रहा कि मेंस कैटेगरी में खेला द हण्ड्रेड का पहला मैच लो-स्कोरिंग रहा. इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि टीम में वॉर्नर-विलियमसन जैसे बल्लेबाजों के होने के बावजूद लंदन स्प्रिट ने 45 गेंदें बर्बाद की. मतलब, उन पर कोई रन ही नहीं बनाए. अब ऐसे में ओवल इन्विंसिबल को जो टारगेट मिला, वो इतना छोटा रहा कि उसे चेज करना उनके लिए आसान हो गया. पहले बैटिंग

करने उतरी लंदन स्पिरिट का हाल इतना बुरा रहा कि 45 गेंदें तो उसने डॉट खेली हीं, उसके अलावा उससे अपनी इनिंग की पूरी 100 गेंदें भी नहीं खेली गई. लंदन स्प्रिट की पारी सिर्फ 94 गेंदों में ही सिमट गई. इन 94 गेंदों में उसने सिर्फ 80 रन बनाए. लंदन स्प्रिट को डेविड वॉर्नर और केन विलियमसन से उम्मीदें थीं मगर उन दोनों की कहानी 9-9 रन से आगे नहीं बढ़ सकी. लंदन स्पिरिट की इस हाल के जिम्मेदार वैसे तो ओवल इन्विंसिबल के सारे गेंदबाज रहे. मगर राशिद खान और सैम करन की भूमिका इसमें कुछ ज्यादा रही.

द हण्ड्रेड के नए सीजन का खेल शुरू होते ही राशिद खान हीरो बन गए. ओपनिंग मैच में उन्होंने अपने कोटे की 20 गेंदों में जितने रन नहीं दिए, उससे ज्यादा गेंदें डॉट फेंकी. उन्होंने 20 गेंदों में सिर्फ 11 रन देकर 3 विकेट चटकाए. इस दौरान 15 गेंदें उन्होंने डॉट फेंकी.

रक्षाबंधन के दिन सुबह-सुबह कर लें ये उपाय, जीवन में भाई-बहन को मिलेगी खूब तरक्की

रक्षाबंधन का त्योहार भाई-बहन के लिए खास होता है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं। रक्षाबंधन के लिए कुछ खास उपाय भी शास्त्रों में बताए गए हैं, जिन्हें करने से भाई-बहन के जीवन में खुशहाली आती है और परिवार में हमेशा सुख समृद्धि बनी रहती है। साथ ही, इससे जीवन में तरक्की और धन-दौलत भी प्राप्त हो सकता है। रक्षाबंधन का त्योहार भाई और बहन के लिए विशेष होता है। इस दिन हर बहन अपने भाई के कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती है और उनके जीवन में सुख-समृद्धि बने रहने की कामना करती है। वहीं, रक्षाबंधन पर भगवानों को राखी बांधने का भी विशेष महत्व होता है। अगर आप राखी बांधने के साथ-साथ इस खास अवसर पर सुबह के समय कुछ आसान उपाय कर लें, तो इससे भाई और बहन के जीवन में खुशहाली आ सकती है। साथ ही, जीवन में तरक्की, धन और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। आइए विस्तार से जानें इन उपायों के बारे में...

आर्थिक स्थिति मजबूत करने और धन में वृद्धि का उपाय

रक्षाबंधन पर भाई को राखी बांधने से पहले सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करना चाहिए। इसके बाद, भगवान की विधि-पूर्वक पूजा करें और आरती की थाली में सभी राखी रखें। साथ ही, उसमें एक चांदी का सिक्का भी रख लें। अगर ऐसा संभव न हो तो आप एक रुपये का सिक्का भी रख सकती हैं। अब भगवान गणेश को राखी जरूर बांधें और सिक्के को मंदिर में रख दें। अगले दिन मंदिर में पूजा करके सिक्का को उठकर लाल कपड़े में बांधकर अपनी तिजोरी में रख लें। इससे जीवन से पैसों की समस्या दूर हो सकती है और धन में वृद्धि होती है।

जीवन में तरक्की प्राप्त करने का उपाय

माना जाता है कि रक्षाबंधन पर सबसे पहले भगवान शिव का अभिषेक जरूर करना चाहिए। इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। इसके लिए आप दूध, दही, शहद, घी और शक्कर से महादेव का अभिषेक कर सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करके शिवजी को राखी भी जरूर बांधें। इस उपाय को करने से जातक को जीवन में तरक्की प्राप्त हो सकती है और भाई-बहनों के जीवन से हर प्रकार के कष्ट भी दूर होने लगते हैं।

जीवन में सुख-शांति और समृद्धि के लिए करें यह उपाय

इसके लिए रक्षाबंधन के दिन सुबह उठकर स्नानादि करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें और माता लक्ष्मी व गणेश जी की विधि पूर्वक पूजा करें। साथ ही, 108 बार ओम श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः मंत्र का जाप करें। साथ ही,ओम गण गणपतये नमः मंत्र का भी 108 बार जाप करें। इस उपाय को करने से जातक को घर की समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है और जीवन में सुख-शांति व समृद्धि बनी रहती है। इस उपाय को करने से माता लक्ष्मी की विशेष कृपा भी प्राप्त होती है।

परिवार की रक्षा के लिए करें यह उपाय

रक्षाबंधन पर भाई-बहन और परिवार की रक्षा के लिए एक रेशमी वस्त्र में सरसों, केसर, सोना या एक रुपये का सिक्का, चंदन, अक्षत और दूर्वा बांध लपेट लें। अब कपड़े को रंगीन धागे या कलावे की मदद से बांध के अपने घर के किसी पवित्र स्थान जैसे मंदिर में रख दें। इसके लिए आप कलश की स्थापना करके उस पर पोटली को रख सकते हैं। इसके बाद, विधि-विधान से पूजा करें। इस उपाय को करने से परिवार में खुशियां बनी रहती हैं।

ऐसी जीभ वालों को मिलता है जीवन में हर सुख धन और ज्ञान, जीभ से जानें अपने जीवन के रहस्य

हस्तरेखा विज्ञान और सामुद्रिक शास्त्र में किसी व्यक्ति के शरीर के अलग-अलग अंगों की बनावट को देखकर उसके जीवन और स्वभाव के बारे में जाना जाता है। हर जातक की जीभ का रंग, आकार आदि अलग-अलग होता है। इनके बारे में हस्तरेखा विज्ञान में बहुत कुछ बताया गया है। ऐसे में आइए जानते हैं कि कैसी जीभ वाले लोग बेहद सुखी और धनवान होते हैं।हस्तरेखा शास्त्र में जिस प्रकार किसी व्यक्ति के हाथों की रेखा और पर्वत देखकर उसके जीवन, स्वभाव और भविष्य के बारे में जाना जाता है। उसी प्रकार सामुद्रिक शास्त्र और हस्तरेखा विज्ञान में जातक के शरीर के अलग-अलग अंगों की बनावट को देखकर उसके जीवन व व्यक्तित्व के बारे में जाना जाता है। हर किसी की जीभ का रंग, बनावट और आकार अलग-अलग होता है। हस्तरेखा विज्ञान में इन्हीं के अनुसार जीवन के बारे में बहुत कुछ पता लगाया जाता है। आज हम आपको बताएंगे कि जीभ की बनावट, रंग आदि हमें हमारे जीवन और स्वभाव के बारे में क्या-क्या बताती है।

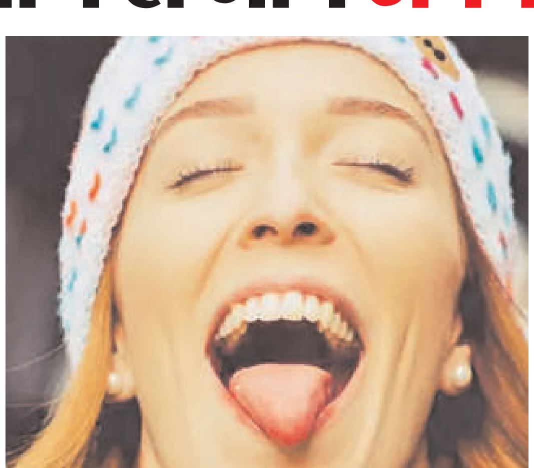

भाग्यवान और बहुत सुखी होते हैं ऐसी जीभ वाले लोग

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन लोगों की जीभ नाक पर जाकर स्पर्श होती हो। ऐसे लोगों को बहुत भाग्यवान माना जाता है। ऐसी जीभ वाले लोगों को हमेशा भाग्य का साथ मिलता है और ये जीवन में कोई बड़ी सफलता भी हासिल करते हैं। माना जाता है कि ऐसी जीभ वाले लोग बहुत सुखी होते हैं और अपने जीवन में हर सुख के साधन भी प्राप्त कर लेते हैं।

ज्ञानी, बुद्धिमान और चतुर होते हैं ऐसी जीभ वाले लोग

जिस व्यक्ति की जीभ लाल पतली और एकदम नरम हो, वे बहुत ज्ञानी होते हैं। इनका पढ़ाई-लिखाई में खूब मन लगता है और हर जगह से न्याय ज्ञान प्राप्त करना भी इन्हें बेहद पसंद आता है। वहीं, अपनी बुद्धिमानी और चतुराई से इन्हें अपने कार्यक्षेत्र में भी सफलता प्राप्त होती है। साथ ही, मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति से भी ये बहुत समझदारी से बाहर निकल जाते हैं। लाल और पतली जीभ वाले लोग बेहद धार्मिक भी होते हैं और भगवान के सच्चे भक्त बन सकते हैं।

सौभाग्यशाली होती हैं ऐसी जीभ वाली लड़कियां

हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, जिन लड़कियों की जीभ कोमल, लाल और पतली होती है वे बहुत ही सौभाग्यशाली होती हैं। साथ ही, इन्हें जीवन में हर सुख प्राप्त होता है। विवाह से पहले और उसके बाद का जीवन भी इनका हमेशा खुशनुमा और शांतिपूर्ण बना रहता है। करियर में भी ये अपनी मेहनत और भाग्य से अच्छा मुकाम हासिल करते हैं और सुखी जीवन व्यतीत करती हैं।

ऐसी लड़कियों को मिलता है श्रेष्ठ जीवनसाथी

कहा गया जाता है कि जिन लड़कियों की जीभ लाल रंग की होती है उन्हें श्रेष्ठ जीवनसाथी मिलता है और विवाह के पश्चात इनका जीवन बेहद खुशहाल रहता है। इन लड़कियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होती है और धन का मामले में भी इन्हें किसी कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। वहीं, जिन लड़कियों की जीभ मोटी होती है उन्हें अपने जीवन में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और हस्तरेखा विज्ञान के मुताबिक, इन्हें समय से पहले किसी मुसीबत से भी गुजरना पड़ सकता है।

ऐसी जीभ वालों को पूर्ण सुख-वैभव होता है प्राप्त

जिन लोगों की जीभ के आगे का भाग नुकीला होता है और थोड़ी लंबाई लिए रखता है, तो इसे बहुत भाग्यशाली माना जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, ऐसे लोगों को जीवन में बहुत कम दुखों का सामना करना पड़ता है। साथ ही, इन्हें अपने जीवन में हर प्रकार का सुख और वैभव प्राप्त होता है। करियर में भी ये बड़ी ऊंचाइयों को छुते हैं और खूब धन कमाते हैं। इसी के चलते इन्हें पैसों की समस्या भी बहुत कम होती है।

क्या कहते आपके सितारे

मेष

मेष- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। यदि कोई समस्या लंबे समय से चली आ रही थी, तो वह दूर होगी। संतान को किसी नई नौकरी की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपने यदि किसी से कोई कर्जा लिया था, तो वह भी काफी हद तक पूरा होगा। किसी अजनबी पर आप भरोसा न करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है। आपकी यदि कोई संपत्ति संबंधित डील अटकी हुई थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है।

वृषभ

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मुश्किलों भरा रहने वाला है। काम को लेकर यदि कोई समस्या चल रही थी, तो वह दूर होगी। आपको किसी प्रकार की कोई एलर्जी या इन्फेक्शन था, तो वह लापरवाही से बढ़ सकता है। घर परिवार में भी आपसे लड़ाई झगड़े बढ़ेंगे, जिसमें आप दोनों पक्षों की सुनकर कोई बात कहें। आपको अपने लेनदेन से संबंधित मामलों पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है।

मिथुन

मिथुन- आज का दिन व्यवसाय कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। पार्टनरशिप में की गई डील आपको थोड़ी समस्या दे सकती है। आपको अपने पार्टनर पर भरोसा करने की आवश्यकता है। कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का बोझ थोड़ा अधिक रहेगा। नौकरी बदलने का यदि आप प्रयास कर रहे थे, तो उसमें आपको सफलता अवश्य मिलेगी। आपका कोई लेनदेन से संबंधित मामला आपको परेशान कर सकता है।

कर्क

कर्क- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आप अपने दिनचर्या को बेहतर रखें। आप कामों को लेकर व्यस्त रहेंगे, लेकिन आप अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों पर भी पूरा ध्यान देंगे। नौकरी में आप अपने बॉस से किसी बात को लेकर उलझ सकते हैं। आपको अपनी जरूरतों पर पूरा ध्यान देना होगा। धार्मिक गतिविधियों पर भी आपका पूरा ध्यान रहेगा।

सिंह

सिंह- आज का दिन आपके लिए सुख सुविधाओं को बढ़ाने वाला रहेगा। आपको अपने मन में चल रही उलझनों को दूर करना होगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपनी कला व कौशल से काम करके अधिकारियों को अपनी ओर आकर्षित करेंगे। आपके कुछ नए विरोधी हो सकते हैं। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी सुनने को मिलेगी। आप किसी कानूनी मामले को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या

कन्या- आज का दिन आपके लिए सुखद परिणाम लेकर आएगा। भविष्य को लेकर आपको यदि कोई टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी। जो युवा रोजगार को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई अच्छा अवसर मिल सकता है। व्यवसाय में आपको अपनी निर्णय क्षमता पर भरोसा रखना होगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपके घर किसी पूजा पाठ का आयोजन होने से परिजनों का आना-जाना लगा रहेगा।

तुला

तुला- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। योग्यता अनुसार काम मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। आपके आसपास में यदि कोई वाद विवाद की स्थिति उत्पन्न हो, तो आप उसमें पूरा ध्यान दें। भविष्य को लेकर आपको बेहतर परिणाम मिलेंगे। नौकरी वाले लोगों के ऊपर काम का बोझ अधिक रहेगा। आपको काम को लेकर थकान अधिक रहेगी।

वृश्चिक

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर बुद्धि व विवेक से काम लेना होगा। यदि कोई काम रुका हुआ था, तो उसे पूरा करने के लिए आपको मेहनत अधिक करनी होगी। आप अपने घर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देंगे। जीवनसाथी से भी किसी बात को लेकर खटपट होने की संभावना है। आप किसी निर्णय को जल्दबाजी में लेकर समस्या में आ सकते हैं।

धनु

धनु- आज का दिन आपके लिए उलझनों भरा रहेगा। आपको अपनी पुरानी गलतियों से कुछ सीख लेने की आवश्यकता है और आप किसी विरोधी की बातों में ना आएं। आप धार्मिक गतिविधियों में भी बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे। व्यवसाय से जुड़े लोगों को अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना होगी। आपका कोई प्रोजेक्ट यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी शुरू हो सकता है।

मकर

मकर- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों की अपने साथी से मुलाकात हो सकती है। आपको किसी काम को लेकर यदि टेंशन थी, तो वह भी दूर होगी और आप किसी प्रॉपर्टी में इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। जो आपके लिए अच्छी रहेगी। जो विद्यार्थी विदेश जाकर शिक्षा ग्रहण करना चाहते हैं उनके लिए समय शुभ है। आपको अपनी मेहनत का कार्यक्षेत्र में पूरा फल मिलेगा।

कुंभ

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा। आप किसी पर भरोसा बहुत ही सोच समझकर करें, नहीं तो वह आपके उस भरोसे को तोड़ सकता है। संतान के करियर को लेकर आप परेशान रहेंगे। राजनीति की ओर कदम बढ़ा रहे लोगों को थोड़ा ध्यान देना होगा, नहीं तो उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपने यदि बिजनेस में बिना सोचे समझे इन्वेस्टमेंट किया, तो उससे आपको नुकसान होने की संभावना है।

मीन

मीन- आज का दिन आपके लिए कुछ नए संपर्कों से लाभ लेकर आएगा। आपको अपनी योग्यता अनुसार काम मिलने से कला क्षेत्र में खुशियां मिलेगी। आपको अपनी संतान की तरक्की के लिए कुछ नई प्लानिंग करनी होगी। यदि आपके मन में किसी बात को लेकर कोई उलझन चल रही है, तो उसे दूर करने के लिए आप अपने भाइयों से बातचीत कर सकते हैं। आपका बिजनेस पहले से तरक्की करेगा। आपको किसी सहयोगी से काम को लेकर सलाह लेनी होगी।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक, संपादक- **विजयेन्द्र कुमार सिंह** द्वारा समग ट्रयू इंटरप्राइजेज प्रा.लि., ए-157, सेक्टर-80, फैज-1, नोएडा, गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा 227 पटपड़गंज गांव , मेन रोड , मयूर विहार फेज 1 दिल्ली - 110091 से प्रकाशित। **सलाहकार संपादक -निविड़ शिवपुत्र***
दूरभाष- 7503976650 (पत्र से संबंधित सभी विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र नई दिल्ली होगा)